महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 344 | उज्जैन, मंगलवार 26 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

किताबों की अहमियत अपनी जगह पर है, लेकिन, पाठ वही हमेशा याद रहता है, जो हमें वक्त व लोग सिखाते हैं..

धार में राज्य सरकार बनायेगी भव्य सरस्वती लोकः मुख्यमंत्री

भोजशाला के लिए हुए आंदोलन में शहादत देने वाले तीन शहीदों के परिजन को दिये जायेंगे 5-5 लाख रुपये

भोपाल/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धार स्थित भोजशाला परिसर में राज्य सरकार भव्य सरस्वती लोक बनायेगी, यहॉं राजा भोज संस्थान की स्थापना भी की जायेगी। ऐतिहासिक भोजशाला पर माननीय उच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया है, राज्य सरकार इस न्यायिक आदेश का अक्षरश~ पालन कराएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा भोजपाल द्वारा स्थापित यह भोजशाला सदियों तक ज्ञान-विज्ञान-अनुसंधान और संस्कृत भाषा का सबसे प्रखर केन्द्र रहा है। यह हमारी प्राचीन भारतीय ज्ञान परम्परा का अटूट प्रतीक है। यहाँ दूर-दूर से छात्र और विद्वान ज्ञान अर्जित करने और शास्त्रों पर विमर्श करने आते थे। राज्य सरकार भोजशाला के उसी गौरवशाली अतीत को पुनर्जीवित करने के लिए सभी जरूरी प्रयास करेगी। राजा भोज की इस पुण्य धरा (धार) में अब चहुंमुखी विकास की नई धारा बहेगी। धार के आसपास पुरात्व विभाग से समन्वय कर सभी प्रकार के विकास कार्य किए जायेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजा भोज जल संरक्षण के अग्रदूत थे। उनके द्वारा निर्मित विशाल जलाशय, तालाब और जल प्रबंधन की व्यवस्थाएं आज भी उनकी अद्भुत दूरदर्शिता एवं जल नियोजन का प्रमाण हैं। धार को किसी समय तालाबों की नगरी कहा जाता था। राजा भोज ने इस शहर में जलापूर्ति के लिए यहां साढ़े बारह तालाबों का निर्माण कराया गया था और इन्हें आपस में इस तरह से जोड़ा गया था कि एक तालाब भरने पर उसका अतिरिक्त पानी दूसरे तालाब में स्वत~ चला जाता था। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान से प्रदेश में जल संवर्धन की नई क्रांति आएगी। अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन में खण्डवा, बड़वानी, अशोकनगर, राजगढ़ और डिंडौरी के बाद धार जिला छठवें स्थान पर है। जिले के ग्रामीण क्षेत्र में जल संरक्षण के 5 हजार से अधिक काम पूर्ण किये गये है, इसी तरह धार नगरपालिका क्षेत्र में 64 प्राचीन बावड़ियों एवं तालाबों का संरक्षण एवं जीर्णोद्धार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को धार में जल गंगा संवर्धन अभियान के राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। गंगा दशहरा पर सोमवार को प्रदेशव्यापी जल संरक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने धार में हुए राज्य स्तरीय कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने मां वाग्देवी के सम्मान में धार में भव्य सरस्वती लोक बनायें जाने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राजा भोज की कर्मस्थली है, इसीलिए धार में राजा भोज शोध संस्थान की भी स्थापना की जायेगी। भोपाल में भी राजा भोज का संग्रहालय बनाया जा रहा है।

इस अवसर पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, नगरीय विकास व आवास एवं संसदीय कार्य मंत्री तथा धार जिले के प्रभारी मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, धार की विधायिका श्रीमती नीनाविक्रम वर्मा, विधायक श्री कालू सिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में नागरिकगण उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यहां 88.04 करोड़ रुपये की लागत वाले 12 विकास कार्यों का भूमिपूजन कर जिलेवासियों को सौगात दी। इसमें 27.21 करोड़ रुपये की लागत से चंबल नदी पर लेबड़-घाटाबिल्लौद मार्ग पर फोरलेन उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य का भूमिपूजन भी शामिल है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोजशाला के लिए हुए आंदोलन में शहादत देने वाले तीन शहीदों स्व. श्री बनसिंह, स्व. श्री अंतरसिंह एवं स्व. श्री लक्ष्मण सिंह के निकटतम परिजन को राज्य सरकार की ओर से 5-5 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान तीनों शहीदों के सम्मान में मौन रखकर इन्हें श्रद्धांजलि दी गई। मुख्यमंत्री ने विभिन्न शासकीय योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को मंच से हितलाभ भी वितरित किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भोजशाला में मां वाग्देवी के दर्शन कर विधि विधान से पूजन-अर्चन किया और वाग्देवी से प्रदेश की सुख-समृद्धि और नागरिकों की खुशहाली की कामना की।

धार में बनेगा भव्य सरस्वती लोक और राजा भोज शोध संस्थान - मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय के निर्णय से 750 वर्ष का संघर्ष सफल हुआ है। धार में नए युग की शुरुआत हुई है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए न्यायालय का आभार व्यक्त करते हुए। प्रदेश की जनता को बधाई दी। धार अब प्रदेश में औद्योगिक श्रेणी में सबसे अग्रणी जिला बनकर उभरा है। राज्य सरकार मां वाग्देवी के आशीर्वाद से विकास के क्रम में आगे बढ़ने का संकल्प लिया है। यहां भव्य माता सरस्वती लोक का निर्माण किया जाएगा। धार में राजा भोज शोध संस्थान भी बनाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राजा भोज ने जल संरक्षण के लिए अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए। गंगा दशमी पर्व राजा भोज की धरती पर मनाना हम सभी के लिए गौरवशाली क्षण है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देशभर में जल संरक्षण की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश इस मामले में देश में प्रथम स्थान पर है, यह प्रदेशवासियों के लिए गौरव की बात है। प्रदेश के नागरिकों की सहभागिता से जल संरक्षण के लिए 2 लाख 42 हजार 188 कार्य करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके तहत प्रदेशभर में 2500 करोड़ रुपए लागत के कार्य प्रगति पर हैं। प्रदेश में 89 हजार 772 कुओं को रिचार्ज किया गया है, 55 हजार से अधिक खेत तालाब बनाए गए और अब तक 105 अमृत सरोवरों का निर्माण किया गया है। अब तक लाखों जलदूत बनाए गए हैं। प्रदेश के नगरीय निकायों ने 2 हजार 224 कार्य करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन अब तक 9 हजार 630 काम पूरे कर लिए गये है, जो निकायों के लक्ष्य का 433 गुना अधिक है। मध्यप्रदेश जल संरक्षण गतिविधियों में नंबर वन है। प्रदेश में खंडवा, बड़वानी, अशोकनगर, राजगढ़, डिंडोरी और धार में बेहतर काम हुए हैं। जल संरक्षण की दिशा में वाटरशेड, डगवेल रीचार्ज, सिंचाई संरचना आदि काम किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राजा भोज के द्वारा संरक्षित पुरातत्व के महत्व के अनेक स्थान और भोजपत्र हमारी धरोहर हैं। उन्होंने भोपाल के पास भोजपुर में विश्व के सबसे बड़े शिवलिंग का निर्माण कराया। भोपाल के बड़े तालाब की निर्माण तकनीक देखकर दुनिया के बड़े-बड़े विद्वान अचंभित रह जाते हैं। राजा भोज ने 45 फीट लंबे लौह स्तंभ का भी निर्माण कराया, जिसके संदर्भ में अरब के इतिहासकार अलबलूनी ने कहा कि विश्व में ऐसा स्तंभ नहीं देखा, जिस लौह स्तंभ पर कभी जंग नहीं लगी। यह

न्यूज ब्रीफ

हर देश में बेवकूफ लोग होते हैं, भारतीयों के खिलाफ नस्लवादी टिप्पणी पर बोले मार्को रूबियो

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो चार दिन की भारत यात्रा पर आए हैं। रूबियो ने भारत आकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मार्को रूबियो की पीएम मोदी के साथ बातचीत की फोटो भी सामने आई। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने अपने देश के कुछ लोगों को बेवकूफ बताया। रूबियो की ये टिप्पणियां आज दोपहर नई दिल्ली में प्रेस ब्रीफिंग के दौरान पूछे गए एक सवाल के जवाब में आईं। मार्को रूबियो से जब प्रेस ब्रीफिंग के दौरान भारतीयों और भारतीय-अमेरिकियों के खिलाफ नस्लवादी टिप्पणियों की घटनाओं को लेकर सवाल किया गया, तब अमेरिकी विदेश मंत्री ने ऐसी घटनाओं को बेवकूफी भरी बातें कहकर खारिज कर दिया। मार्को रूबियो ने कहा, मैं इन टिप्पणियों को बहुत गंभीरता से लेता हूं। मुझे यकीन है कि कुछ लोगों ने ऑनलाइन और दूसरी जगहों पर ऐसी टिप्पणियां की हैं, क्योंकि दुनिया के हर देश में बेवकूफ लोग होते हैं। मुझे यकीन है कि यहां भी बेवकूफ लोग हैं, अमेरिका में भी बेवकूफ लोग हैं जो हर समय बेवकूफी भरी टिप्पणियां करते रहते हैं। मार्को रूबियो ने आगे जोर देकर कहा, अमेरिका एक बहुत ही मेहमाननवाज देश है। हमारा देश उन लोगों से समृद्ध हुआ है जो दुनिया भर से हमारे देश में आए, अमेरिकी बने, हमारी जीवन शैली में घुलमिल गए और इसमें बहुत बड़ा योगदान दिया। रूबियो ने अमेरिका की उस नई नीति से जुड़े सवालों के भी जवाब दिए, जिसके तहत अमेरिका में पहले से ही कानूनी रूप से रह रहे प्रवासियों को पहले देश छोड़कर जाना होता है और फिर विदेश से स्थायी नागरिकता (परमानेंट रेजिडेंसी) के लिए आवेदन करना होता है। मार्को रूबियो ने कहा, इस तरह के बदलाव प्रवासन प्रणाली को आधुनिक बनाने की प्रक्रिया का हिस्सा हैं और ये सिर्फ भारत के लिए नहीं हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके के महाराष्ट्र स्थित घर को मिली 24 घंटे पुलिस सुरक्षा

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर के एमआईडीसी वलुज इलाके में कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दिपके के घर पुलिस सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, सोशल मीडिया पर पार्टी के तेजी से ट्रेंड करने के बाद प्रशासन ने यह कदम उठाया है। कॉकरोच जनता पार्टी पिछले सप्ताह ऑनलाइन सामने आई थी और देखते ही देखते बेरोजगारी, परीक्षा पेपर लीक और शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर मीम्स और राजनीतिक टिप्पणियों के जरिए सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गई। पार्टी को लेकर युवाओं के बीच तेजी से प्रतिक्रिया देखने को मिली। छत्रपति संभाजीनगर के पुलिस उपायुक्त पंकज अतुलकर ने बताया कि अभिजीत दिपके के एमआईडीसी वलुज स्थित घर पर चौबीसों घंटे सामान्य पुलिस सुरक्षा दी गई है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया पर मामला ट्रेंड कर रहा है, इसलिए एहतियातन यह व्यवस्था की गई है ताकि वहां भीड़ इकट्ठा न हो। पंकज अतुलकर ने साफ किया कि यह सुरक्षा किसी धमकी की वजह से नहीं दी गई है। उन्होंने कहा कि उनके अधिकार क्षेत्र के किसी भी पुलिस स्टेशन में इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। वहीं, अभिजीत दिपके ने शनिवार को आरोप लगाया था कि उनके डिजिटल आंदोलन पर बड़ी कार्रवाई की गई है। उनका दावा है कि पार्टी के सभी सोशल मीडिया अकाउंट और वेबसाइट या तो बंद कर दिए गए हैं या उनसे छेड़छाड़ की गई है। दिपके के मुताबिक, इस वजह से कॉकरोच जनता पार्टी के पास फिलहाल अपने किसी भी आधिकारिक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म तक पहुंच नहीं बची है।

बेंगलुरु में दहशतः सड़क पर जा रही छात्रा को कुत्तों के झुंड ने नोचा, मची चीख-पुकार

नई दिल्ली/ जीएनएस। बेंगलुरु के राममूर्ति नगर के पास होयसला नगर में एक बार फिर आवारा कुत्तों के हमले की भयावह घटना सामने आई है। 15 से अधिक कुत्तों के एक झुंड ने एक छात्रा पर हमला कर दिया।

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुई इस घटना में छात्रा मेघना किसी तरह बाल-बाल बची। उसको मामूली चोटें आई हैं और उसे तुरंत अस्पताल ले जाकर इलाज कराया गया।

घटना की भयावहता- स्थानीय लोगों के अनुसार, कुत्तों का झुंड अचानक छात्रा पर टूट पड़ा। आसपास मौजूद लोग चीख-पुकार मचाने लगे, जिसके बाद कुत्ते भाग गए। इस घटना से इलाके के निवासियों और छात्रों में दहशत का माहौल है। कई लोग अब घर से बाहर निकलने में भी डर महसूस कर रहे हैं।

यह हमला बेंगलुरु के एचएसआर लेआउट में हुई एक अन्य घटना के महज कुछ दिनों बाद हुआ है। उस घटना में एक महिला पर आवारा कुत्ते ने हमला किया था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई थी।

इन लगातार घटनाओं ने शहर में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और उनकी आक्रामकता को लेकर गहरी चिंता पैदा कर दी है।

होयसला नगर और आसपास के इलाकों के निवासियों ने नगर निगम से मांग की है कि आवारा कुत्तों की समस्या का तुरंत समाधान किया जाए। उन्होंने कहा कि केवल पकड़कर दूर छोड़ने की नीति अब काम नहीं कर रही है। कई लोग स्टेरलाइजेशन (नसबंदी) कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से लागू करने और आक्रामक कुत्तों को हटाने की मांग कर रहे हैं। बेंगलुरु में पिछले कुछ महीनों में आवारा कुत्तों के हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे आम नागरिकों में सुरक्षा को लेकर आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

केंद्र सरकार ने जारी किया VB-G RAM G का मसौदा नियम, अब 100 नहीं 125 दिन की रोजगार की कानूनी गारंटी

नई दिल्ली/ जीएनएस। केंद्र सरकार ने वीबी-जी राम जी अधिनियम के तहत मसौदा नियम जन परामर्श के लिए शनिवार को जारी किए।

इस कानून को एक जुलाई से सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू करने की अधिसूचना पहले ही जारी की जा चुकी है।

अधिनियम की धारा 33 और अन्य संबंधित प्रविधानों के अनुसार मसौदा नियमों को अंतिम रूप देने से पहले हितधारकों से परामर्श आमंत्रित किए गए हैं।

रोजगार की कानूनी गारंटी बढ़ाने का उद्देश्य- ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा कि इन नियमों का उद्देश्य देशभर में अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए संस्थागत, प्रशासनिक, वित्तीय ढांचा स्थापित करना है।

पुणे-पिंपरी-चिंचवड में भारी बारिश, मुंबई-बेंगलुरु हाईवे पर भीषण ट्रैफिक जाम

नई दिल्ली/ जीएनएस। महाराष्ट्र के पुणे और पिंपरी-चिंचवड क्षेत्र में पिछले 24 घंटों से हो रही भारी बारिश ने यातायात व्यवस्था को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। मुंबई-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारी जलभराव के कारण लंबा यातायात जाम लग गया है, जिससे हजारों वाहन फंस गए हैं।

वीडियो फुटेज में साफ दिखाई दे रहा है कि व्यस्त समय (पीक ऑवर्स) में सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लगी हुई हैं। खासकर पुणे के कटराज घाट, बालेवाड़ी और पिंपरी-चिंचवड के कुछ हिस्सों में सड़क पर पानी भर जाने से वाहनों की रफ्तार बेहद धीमी हो गई है। कई जगहों पर तो वाहन घंटों से खड़े हैं।

पुणे नगर निगम और पिंपरी-चिंचवड नगर निगम की टीमें जलभराव वाली जगहों पर पंपिंग कर पानी निकालने का काम कर रही हैं। हालांकि लगातार हो रही बारिश के कारण प्रयासों पर असर पड़ रहा है।

मौसम विभाग ने पुणे और आसपास के क्षेत्रों में अगले 48 घंटों तक मध्यम से भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। कुछ इलाकों में बहुत भारी बारिश की भी संभावना जताई गई है।

असम के आर्थिक विकास को मिलेगी नई रफ्तार, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने दिल्ली में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से की मुलाकात

नई दिल्ली/ जीएनएस। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने शनिवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस अहम बैठक के दौरान राज्य के भविष्य के विकास और आर्थिक प्रगति के रोडमैप पर विस्तार से चर्चा की गई।

केंद्रीय वित्त मंत्री के आधिकारिक आवास पर हुई इस मुलाकात में मुख्यमंत्री सरमा ने पिछले पांच वर्षों में असम को मिले निरंतर सहयोग के लिए केंद्र सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने राज्य की विकासात्मक पहलों को गति देने में केंद्र की भूमिका की सराहना की। बैठक के बाद सोशल मीडिया पर एक संदेश साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने आने वाले वर्षों के लिए असम की विकास प्राथमिकताओं पर विस्तृत चर्चा की है। इस बैठक में मुख्य सचिव डॉ. रवि कोटा और मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. के.के. द्विवेदी भी उपस्थित थे।

सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं के बीच असम के आर्थिक विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार और निवेश की संभावनाओं से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर बातचीत हुई। असम सरकार राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और कनेक्टिविटी में सुधार के उद्देश्य से बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, औद्योगिक निवेश और कल्याणकारी कार्यक्रमों पर सक्रिय रूप से काम कर रही है।

रक्षा से लेकर AI तक... भारत-अमेरिका संबंधों में नई मजबूती, जयशंकर ने दिया मेक इन इंडया पर जोर

नई दिल्ली/ जीएनएस। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बीच रविवार को नई दिल्ली में प्रतिनिधिमंडल स्तर की अहम बैठक हुई। बैठक के बाद संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका ने रक्षा सहयोग को और मजबूत करने पर विस्तार से चर्चा की।

जयशंकर ने कहा कि हाल ही में दोनों देशों के बीच 10 साल के बड़े रक्षा साझेदारी समझौते को फिर से लागू किया गया है। इसके साथ ही अंडरवाटर डोमेन अवेयरनेस रोडमैप पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में रक्षा सहयोग बढ़ाते समय %मेक इन इंडिया% नीति और हाल के युद्धों से मिले अनुभवों को ध्यान में रखना जरूरी होगा।

भारत और अमेरिका ने अक्टूबर 2025 में कुआलालंपुर में एडीएमएम-प्लस बैठक के दौरान इस रक्षा साझेदारी ढांचे पर हस्ताक्षर किए थे। इसका उद्देश्य अगले दशक में सैन्य सहयोग को नई दिशा देना है।

ऊर्जा और व्यापार पर भी चर्चा - जयशंकर ने कहा कि बैठक में ऊर्जा सुरक्षा भी प्रमुख मुद्दा रही। उन्होंने कहा कि भारत के 140 करोड़ लोगों को सस्ती और भरोसेमंद ऊर्जा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। इसी वजह से भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा व्यापार बढ़ना स्वागत योग्य है।

उन्होंने बताया कि दोनों देशों ने परमाणु ऊर्जा सहयोग पर भी चर्चा की। जयशंकर ने कहा कि शांति एक्ट लागू होने के बाद इस क्षेत्र में सहयोग की नई संभावनाएं खुली हैं। हालांकि उन्होंने अमेरिकी पक्ष के कुछ नियामकीय मुद्दे भी उठाए।

विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देश जल्द अंतरिम व्यापार समझौते के अंतिम मसौदे को पूरा करने पर सहमत हुए हैं। इसे फरवरी 2025 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान तय व्यापक व्यापार समझौते की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

चीन में मारे गए श्रमिकों को पीएम मोदी ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के खदान में मारे श्रमिकों को श्रद्धांजलि दी है। शांक्सी प्रांत की खदान में हुए इस हादसे में 90 लोग मारे जा चुके हैं। एक्स पर पोस्ट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और चीन के लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की।

यह हाल के वर्षों के चीन के सबसे बड़े खनन हादसों में से एक है। पीएम मोदी ने लिखा कि चीन में हुए खनन हादसे के बारे में जानकर, मुझे गहरा दुःख हुआ है। भारत के लोगों की तरफ से मैं राष्ट्रपति शी जिनपिंग और चीनी जनता के प्रति गहरी संवेदनाएं और हार्दिक सहानुभूति प्रकट करता हूं। जो परिवार अपने प्रियजनों को खो चुके हैं, वे इस कठिन समय को सहने की शक्ति पाएं। उन्होंने आगे लिखा कि मैं प्रार्थना करता हूं कि जो लोग अभी भी लापता हैं, उन्हें सुरक्षित ढंग से बाहर निकाला जाए। गौरतलब है कि उत्तरी चीन की एक कोयला खदान में गैस विस्फोट होने से 90 खनिकों की मौत हो गई।

बीजिंग के आधिकारिक मीडिया ने बताया कि अब तक 201 खनिकों को बचाया गया है। गैस विस्फोट शुक्रवार शाम शांक्सी प्रांत की लिउशेन्यु कोयला खदान में हुआ। विस्फोट के बाद से बचाव अभियान जारी है। सरकारी समाचार पत्र 'चाइना डेली' की खबर के अनुसार, उत्तरी चीन के शानशी प्रांत के क्विनयुआन काउंटी में कोयला खदान में विस्फोट होने से मारे गए लोगों की संख्या बढ़कर 90 हो गई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने व्यापक पैमाने पर बचाव अभियान चलाए जाने और घायलों का उपचार सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने हादसे के बाद की स्थिति से उचित तरीके से निपटने, इसके कारणों की गहन जांच करने और कानून के अनुसार जवाबदेही तय करने के भी निर्देश दिए। जिनपिंग ने कहाकि इस हादसे से देशभर के प्राधिकारियों को सबक लेना चाहिए, कार्यस्थल पर सुरक्षा को लेकर सतर्क रहना चाहिए और संभावित जोखिमों की पहचान कर उन्हें दूर करने के प्रयास तेज करने चाहिए, ताकि हादसों को रोका जा सके।

उपप्रधानमंत्री झांग गुओकिंग बचाव अभियान की निगरानी के लिए एक दल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे।

स्वच्छ शहर जोड़ी अभियान में देपालपुर बना मिसाल, इंदौर मॉडल से बदली शहर की तस्वीर

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 के अंतर्गत संचालित ÷स्वच्छ शहर जोड़ी अभियान÷ के तहत इंदौर नगर निगम के मार्गदर्शन एवं नगर परिषद देपालपुर के संयुक्त प्रयासों से नगर में स्वच्छता और सौंदर्यीकरण का व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर की कार्यप्रणाली को मॉडल मानते हुए देपालपुर में आधुनिक एवं वैज्ञानिक स्वच्छता व्यवस्थाएं लागू की गई हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार इंदौर नगर निगम इस अभियान में मेंटर की भूमिका निभा रहा है। निगम की टीम लगातार तकनीकी मार्गदर्शन, फील्ड मॉनिटरिंग एवं व्यवस्थागत सहयोग प्रदान कर रही है। नगर परिषद देपालपुर के साथ समन्वय स्थापित कर स्वच्छता मॉडल को मजबूत बनाया जा रहा है।

नगर में घर-घर से 100 प्रतिशत 4-बिन आधारित पृथक कचरा संग्रहण व्यवस्था लागू की गई है, जिसके तहत गीला, सूखा, सैनिटरी एवं घरेलू हानिकारक कचरे को अलग-अलग एकत्रित किया जा रहा है। बड़े कचरा उत्पादकों को ऑन-साइट प्रोसेसिंग के लिए प्रेरित किया गया है और कई संस्थानों द्वारा परिसर स्तर पर ही जैविक कचरे का निपटान किया जा रहा है। गीले कचरे का वैज्ञानिक प्रसंस्करण कम्पोस्टिंग के माध्यम से तथा सूखे कचरे का निष्पादन मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) के जरिए किया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत लगभग 1250 टन पुराने लिगेसी वेस्ट का बायो-रिमेडिएशन कार्य भी किया गया है। वर्षों से जमा अनुपयोगी कचरे का वैज्ञानिक उपचार कर संबंधित स्थल को स्वच्छ एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रदान किया गया है।

देपालपुर में सूरजकुंड बावड़ी के पुनर्जीवन एवं सौंदर्यीकरण कार्य ने विशेष आकर्षण हासिल किया है। पहले उपेक्षित पड़ी इस ऐतिहासिक बावड़ी की साफ-सफाई, संरचनात्मक सुधार, आकर्षक वॉल पेंटिंग एवं सौंदर्यीकरण कर इसे नई पहचान दी गई है। अब यह स्थल नगर की सांस्कृतिक एवं सौंदर्यात्मक पहचान के रूप में उभर रहा है।

नगर में आधारभूत संरचना सुधार के तहत स्टॉर्म वॉटर ड्रेन निर्माण, गड्ढामुक्त सड़कें, रोड मार्किंग एवं यातायात संकेतक विकसित किए गए हैं। मुख्य सड़कों के साथ बैक लेन्स एवं अंदरूनी गलियों में भी विशेष साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण अभियान चलाया गया है। पार्कों एवं उद्यानों में हरियाली संरक्षण और नियमित सफाई के माध्यम से सार्वजनिक स्थलों को आकर्षक स्वरूप दिया जा रहा है। वहीं नाइट स्वीपिंग व्यवस्था से सुबह शहर अधिक स्वच्छ एवं व्यवस्थित दिखाई देने लगा है।

सौंदर्यीकरण अभियान के तहत प्रमुख मार्गों एवं चौराहों पर आकर्षक वॉल पेंटिंग, स्वच्छता संबंधी संदेश, सेल्फी पॉइंट, वेस्ट टू आर्ट, आरआरआर सेंटर एवं सफाई मित्र सहायता केंद्र विकसित किए गए हैं। बाजारों, सब्जी मंडियों, आरडब्ल्यूए परिसरों एवं सार्वजनिक स्थलों को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त घोषित कर वहां जागरूकता संदेश भी लगाए गए हैं।

स्वच्छता को जनआंदोलन का रूप देने के लिए विद्यालयों में रैलियां, चित्रकला प्रतियोगिताएं, शपथ एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। नागरिक फीडबैक अभियान में भी देपालपुरवासियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई है। घर-घर कचरा पृथक्कीकरण, सार्वजनिक स्थलों की साफ-सफाई एवं स्वच्छता गतिविधियों में लोगों का सहयोग अभियान की सबसे बड़ी ताकत बनकर सामने आया है।

नगर परिषद एवं इंदौर नगर निगम के अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन और जनता के संयुक्त प्रयासों से देपालपुर लगातार स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित नगर के रूप में विकसित हो रहा है। वर्तमान समय में पूरे शहर में स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण को लेकर उत्साहपूर्ण वातावरण दिखाई दे रहा है।

इंदौर ट्रैफिक पुलिस की व्हाट्सएप हेल्पलाइन बनी आमजन की सहारा, 2865 शिकायतों का हुआ त्वरित समाधान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इंदौर ट्रैफिक पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। पुलिस कमिश्नर के निर्देशन में यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा शुरू की गई व्हाट्सएप हेल्पलाइन नागरिकों के लिए प्रभावी माध्यम साबित हो रही है। ट्रैफिक पुलिस द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर 7049107620 पर अब तक कुल 2882 शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से 2865 शिकायतों का त्वरित समाधान किया जा चुका है, जबकि शेष 17 शिकायतों पर कार्रवाई जारी है। यातायात पुलिस के अनुसार हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों का तत्काल निराकरण किया जा रहा है। जिन शिकायतों का संबंध अन्य विभागों से होता है, उन्हें पुष्टि के बाद संबंधित विभागों को अग्रेषित कर कार्रवाई सुनिश्चित कराई जा रही है। केवल बीते दिन ही हेल्पलाइन पर नौ शिकायतें प्राप्त हुई, जिनका उसी दिन निराकरण कर दिया गया। प्राप्त शिकायतों के समाधान के लिए व्हाट्सएप हेल्पलाइन टीम द्वारा ट्रैफिक वायरलेस कंट्रोल एवं वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी जाती है। इसके बाद संबंधित यातायात बिट, थाना क्षेत्र की पेट्रोलिंग टीम अथवा व्हील लॉक टीम को मौके पर भेजकर त्वरित कार्रवाई कर समस्या का समाधान किया जाता है। इंदौर ट्रैफिक पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि शहर में बेहतर यातायात व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार की ट्रैफिक संबंधी समस्या होने पर व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर 7049107620 पर सूचना दें।

ग्रीष्मकालीन जल व्यवस्था को लेकर कलेक्टर और आयुक्त सख्त, अधिकारियों को दिए सतत मॉनिटरिंग के निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में ग्रीष्मकाल के दौरान सुचारू एवं निर्बाध जल प्रदाय व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर शिवम वर्मा एवं नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल द्वारा मुसाखेड़ी स्थित सभा कक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में समस्त अपर आयुक्त, विभागीय अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक के दौरान शहर की वर्तमान जल प्रदाय व्यवस्था, पेयजल टंकियों की स्थिति, वॉटर टैंकर संचालन, हाइड्रेंट व्यवस्था तथा नागरिकों को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों द्वारा विभिन्न जोनों में जल वितरण की स्थिति, जल आपूर्ति के समय, टैंकरों की उपलब्धता एवं संभावित समस्याओं के समाधान हेतु किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई। कलेक्टर शिवम वर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रीष्मकाल में बढ़ती जल आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए सभी क्षेत्र में लगातार मॉनिटरिंग की जाए तथा जहां कहीं भी जल संकट की स्थिति उत्पन्न हो, वहां तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों को समय पर एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस दौरान कलेक्टर एवं आयुक्त ने स्काडा कंट्रोल रूम में पानी की टंकियों के भराव एवं जल सप्लाई संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।

इंदौर में बुजुर्गों के चेहरे पर लौटी मुस्कान

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की संवेदनशील सोच और वृद्धजनों के सम्मान व सुरक्षा की मंशा को साकार करते हुए इंदौर जिले में आज एक ऐसा दृश्य देखने को मिला, जहां प्रशासनिक व्यवस्था केवल औपचारिकता नहीं बल्कि मानवीय संवेदनाओं का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आई। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की पहल पर आयोजित विशेष जनसुनवाई शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे बुजुर्गों के चेहरों पर राहत, विश्वास और संतोष साफ दिखाई दिया। शिविर में पहुंचे कई वृद्धजन ऐसे थे, जो लंबे समय से पेंशन, भरण-पोषण, स्वास्थ्य सुविधाओं और पारिवारिक समस्याओं को लेकर परेशान थे। लेकिन इस विशेष पहल में उन्हें पहली बार ऐसा महसूस हुआ कि प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुन रहा है। अधिकारियों ने न केवल आत्मीयता से उनकी बातें सुनीं, बल्कि अनेक मामलों में मौके पर ही समाधान भी सुनिश्चित किया। किसी बुजुर्ग की आंखों में पेंशन शुरू होने की उम्मीद चमकी तो किसी ने पारिवारिक विवाद के समाधान के बाद राहत की सांस ली। शिविर में मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी पूरे धैर्य और संवेदनशीलता के साथ प्रत्येक व्यक्ति की समस्या सुनी।

'लक्षद्वीप' से मिला चोरी का खजाना, अन्नपूर्णा पुलिस ने शातिर चोर को दबोचा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में चोरी, नकबजनी एवं स्नैचिंग जैसी वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए इंदौर पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में डीसीपी जोन-4 के मार्गदर्शन में थाना अन्नपूर्णा पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के 11 मोबाइल फोन एवं एक स्कूटी बरामद की है। बरामद मशरूका की कुल कीमत करीब 2.5 लाख रुपये बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार थाना प्रभारी अन्नपूर्णा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि क्षेत्र में सक्रिय पवन उर्फ लक्षद्वीप चोरी के मोबाइल एवं वाहन खपाने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से विभिन्न कंपनियों के 11 चोरी के मोबाइल फोन तथा बिना नंबर की एक चोरी की स्कूटी बरामद की है। पूछताछ में आरोपी ने इंदौर के विभिन्न थाना क्षेत्रों से मोबाइल चोरी करना स्वीकार किया है। वहीं स्कूटी भी शहर से चोरी करना बताया है, जिसके संबंध में पुलिस जानकारी जुटा रही है।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी नशे का आदी है और अपनी लत पूरी करने के लिए चोरी की वारदातों को अंजाम देता था। चोरी के मोबाइल वह सस्ते दामों में बेच देता था।

पुलिस के मुताबिक आरोपी को उसके साथी लक्षद्वीप के नाम से बुलाते थे। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि चोरी करने के बाद वह अक्सर शहर बदल देता था और कहता था कि मैं तो लक्षद्वीप चला जाऊंगा, पुलिस क्या पकड़ेगी। इसी वजह से उसका यह नाम पड़ गया। हालांकि अन्नपूर्णा पुलिस ने उसे इंदौर में ही धर दबोचा।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। साथ ही उससे अन्य चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ की जा रही है, जिससे कई अन्य वारदातों के खुलासे की संभावना जताई जा रही है। थाना प्रभारी अन्नपूर्णा के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई पर वरिष्ठ अधिकारियों ने पुलिस टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

पानी बेचते पकड़ा गया निगम का टैंकर, एजेंसी पर 25 हजार का जुर्माना और वाहन जप्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देश पर निगम द्वारा अनुबंधित पानी के टैंकरों की सघन निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में पानी बेचते पकड़े जाने पर एक टैंकर एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है। निगम प्रशासन ने संबंधित टैंकर को जप्त करने के साथ एजेंसी पर 25 हजार रुपये का दंड लगाने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार जोन क्रमांक-18 में उपयंत्री अर्पित मालवीय द्वारा फील्ड भ्रमण के दौरान अग्रेशन प्रतिमा चौराहे के पास जय मां आराधना इंटरप्राइजेस का टैक्टर-टैंकर क्रमांक एमपी 67 एबी 1494 एक चिल्ड वॉटर एजेंसी को पानी बेचते हुए पकड़ा गया। कार्रवाई करते हुए निगम अधिकारियों ने टैंकर-टैक्टर को जप्त कर वर्कशॉप भेज दिया।

आयुक्त क्षितिज सिंघल ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि निगम द्वारा अनुबंधित कोई भी टैंकर यदि पानी बेचते पाया गया तो संबंधित एजेंसी एवं वाहन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसी के तहत जय मां आराधना इंटरप्राइजेस पर 25 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जा रहा है।

आयुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि निगम से अनुबंधित प्रत्येक टैंकर पर निगम का अधिकृत स्टीकर अनिवार्य रूप से लगा होना सुनिश्चित किया जाए, ताकि टैंकरों की पहचान एवं निगरानी प्रभावी तरीके से की जा सके।

विशेष बस चेकिंग अभियान में इंदौर यातायात पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 449 बसों पर चालानी कार्यवाही

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आमजन की सुरक्षा एवं यात्री बसों में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इंदौर यातायात पुलिस द्वारा ÷लोक परिवहन बसों का विशेष चेकिंग एवं प्रवर्तन अभियान÷ लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार 21 मई से 27 मई 2026 तक संचालित इस अभियान के तहत शहरभर में यात्री बसों की सघन जांच की जा रही है।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आर.के. सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस द्वारा शहर के चारों यातायात जोनों में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस दौरान यात्री बसों के दस्तावेजों एवं सुरक्षा व्यवस्थाओं की विस्तृत जांच की गई।

चेकिंग के दौरान नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 449 बसों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। जिन बसों में फायर सेफ्टी उपकरण एवं फर्स्ट एड बॉक्स नहीं पाए गए, अनाधिकृत स्थानों से सवारी चढ़ाने-उतारने, बिना वैध लाइसेंस वाहन संचालन, अवैध मॉडिफिकेशन तथा इमरजेंसी एग्जिट सही स्थिति में नहीं मिलने जैसी कमियां सामने आईं, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की गई।

इसके अलावा बसों के रजिस्ट्रेशन, परमिट, फिटनेस, बीमा, चालक लाइसेंस एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की भी जांच की गई। यातायात पुलिस द्वारा बस चालकों एवं संचालकों को यातायात नियमों का पालन करने, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने, ओवरलोडिंग से बचने तथा यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की समझाइश भी दी गई।

जोन-2 क्षेत्र में इंदौर पुलिस का नाइट ऑपरेशन क्लीन अभियान, देर रात तक चली सघन चेकिंग

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में आमजन की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने एवं असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण के उद्देश्य से इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के जोन-2 क्षेत्र में नाइट ऑपरेशन क्लीन अभियान चलाया गया। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी, पुलिस उपायुक्त जोन-2 अमन सिंह राठौड़ एवं अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अमरेन्द्र सिंह के निर्देशन में यह विशेष अभियान व्यापक स्तर पर संचालित किया गया। अभियान के दौरान जोन-2 के विभिन्न संवेदनशील एवं व्यस्त क्षेत्रों, चौपाटियों, खान-पान स्थलों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, हॉटस्पॉट एवं शैडो एरिया में विशेष चेकिंग एवं निगरानी की गई। पुलिस द्वारा रात्रिकालीन गतिविधियों पर नजर रखते हुए असामाजिक तत्वों एवं अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने की कार्रवाई की गई। पुलिस बल के साथ सिक्योरिटी गार्ड्स एवं वॉलंटियर्स की सहायता से बाजारों एवं व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को निर्धारित समय पर बंद कराया गया। साथ ही उपस्थित नागरिकों को सुरक्षित रूप से अपने घरों के लिए रवाना किया गया। पुलिस टीमों ने क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर संदिग्ध गतिविधियों पर भी कड़ी निगरानी रखी। इंदौर पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे रात्रिकालीन व्यवस्थाओं एवं नियमों का पालन करते हुए पुलिस प्रशासन का सहयोग करें, ताकि शहर में शांति, सुरक्षा एवं सुव्यवस्था बनाए रखी जा सके। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर की सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के लिए इस प्रकार के विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

गंगा दशमी पर अन्नपूर्णा तालाब विकास कार्यों का भूमि पूजन, जल संरक्षण का लिया संकल्प

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत गंगा दशमी पर्व पर अन्नपूर्णा तालाब में जलाशय पूजन एवं विकास कार्यों के भूमि पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं विधायक मधु वर्मा ने अन्नपूर्णा तालाब का पूजन-अर्चन कर लगभग 1.50 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले छठ पूजा घाट, प्रवेश द्वार, सौंदर्यीकरण एवं अन्य विकास कार्यों का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर उपस्थित नागरिकों को जल संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

कार्यक्रम में जलकार्य प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू, पार्षद प्रशांत बडवे, महापौर प्रतिनिधि भरत पारख, अंशुमन चौहान, अवध किशोर शर्मा, सुधाकर दुबे, अपर आयुक्त आशीष पाठक सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रीय नागरिक मौजूद रहे।

जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने गंगा दशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान केवल योजना नहीं बल्कि जल संरक्षण का जनसंकल्प है। उन्होंने कहा कि जल का उत्पादन संभव नहीं है, केवल उसका संरक्षण और बेहतर प्रबंधन किया जा सकता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, एक पेड़ मां के नाम अभियान तथा जल गंगा संवर्धन अभियान को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के आव्हान पर इंदौर में पिछले तीन वर्षों से ÷नो कार डे÷ अभियान चलाया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने नागरिकों से प्रत्येक शुक्रवार को स्वेच्छा से नो कार डे अपनाने तथा सार्वजनिक परिवहन एवं साइकिल के उपयोग की अपील की। महापौर ने कहा कि बढ़ती आबादी के साथ जल की मांग लगातार बढ़ रही है, इसलिए वर्षा जल संरक्षण ही भविष्य के जल संकट का स्थायी समाधान है।

बस्ती बेमिसाल अभियान से बदली स्लम बस्तियों की तस्वीर, जनभागीदारी बनी सफलता की कुंजी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। महापौर पुष्यमित्र भार्गव एवं नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार स्लम बस्तियों के विकास, स्वच्छता एवं जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित बस्ती बेमिसाल अभियान जनभागीदारी के कारण सफल साबित हुआ। अभियान के तहत शहर की 29 स्लम बस्तियों में व्यापक स्तर पर साफ-सफाई, सौंदर्यीकरण एवं नागरिक सहभागिता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

अभियान की सबसे बड़ी विशेषता स्थानीय नागरिकों की सक्रिय भागीदारी रही। बस्तियों में महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए सफाई अभियान में सहयोग किया। रहवासियों ने स्वयं दीवारों पर आकर्षक पेंटिंग बनाई, पौधारोपण किया तथा सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

नगर निगम द्वारा आयोजित स्लम कार्निवाल अभियान का प्रमुख आकर्षण रहा। कार्निवाल के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता, स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण एवं कचरा पृथक्करण के प्रति जागरूक किया गया। निगम अधिकारियों ने रहवासियों से संवाद कर शौचालय उपयोग, गीले एवं सूखे कचरे को अलग रखने तथा स्वच्छ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया।

नगर निगम अधिकारियों के अनुसार बस्ती बेमिसाल अभियान का उद्देश्य केवल साफ-सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि नागरिकों में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति स्थायी जागरूकता विकसित करना भी है। अभियान के माध्यम से बस्तियों में सामुदायिक सहभागिता और सकारात्मक बदलाव का संदेश भी देखने को मिला।

लक्षद्वीप से मिला चोरी का खजाना, अन्नपूर्णा पुलिस ने शातिर चोर को दबोचा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में चोरी, नकबजनी एवं स्नैचिंग जैसी वारदातों पर अंकुश लगाने के लिए इंदौर पुलिस द्वारा लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में डीसीपी जोन-4 के मार्गदर्शन में थाना अन्नपूर्णा पुलिस ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के 11 मोबाइल फोन एवं एक स्कूटी बरामद की है। बरामद मशरूका की कुल कीमत करीब 2.5 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार थाना प्रभारी अन्नपूर्णा को मुखबिर से सूचना मिली थी कि क्षेत्र में सक्रिय पवन उर्फ लक्षद्वीप चोरी के मोबाइल एवं वाहन खपाने की फिराक में घूम रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से विभिन्न कंपनियों के 11 चोरी के मोबाइल फोन तथा बिना नंबर की एक चोरी की स्कूटी बरामद की है।

ग्रीष्मकालीन जल समस्याओं के समाधान के लिए निगम सक्रिय, अपर आयुक्तों को सौंपे गए झोनवार दायित्व

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में ग्रीष्मकाल के दौरान उत्पन्न होने वाली जल समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं नागरिकों को नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम प्रशासन ने विशेष व्यवस्थाएं लागू की हैं। निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल ने सभी झोन क्षेत्रों के लिए अपर आयुक्तों को विशेष दायित्व सौंपते हुए पेयजल व्यवस्था की सतत मॉनिटरिंग के निर्देश दिए हैं।

आयुक्त ने निर्देशित किया है कि सभी अधिकारी अपने-अपने झोन क्षेत्रों में नियमित भ्रमण कर जलप्रदाय व्यवस्था का निरीक्षण करें तथा नागरिकों से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। साथ ही पाइप लाइन लीकेज, जलप्रदाय का प्रेशर, टैंकर संचालन, निजी हाइड्रेंट एवं बोरवेल की निगरानी, रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचनाओं की समीक्षा तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति पर लगातार नजर रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जारी आदेश के अनुसार अपर आयुक्त आकाश सिंह को झोन 5, 10, 12 एवं 14, अपर आयुक्त अर्थ जैन को झोन 6, 7, 8 एवं 11, अपर आयुक्त अभय राजनगांवकर को झोन 18, 19 एवं 20, अपर आयुक्त मनोज पाठक को झोन 1, 16, 17 एवं 22, अपर आयुक्त नरेंद्र नाथ पांडे को झोन 2, 3, 4 एवं 9 तथा अपर आयुक्त श्रृंगार श्रीवास्तव को झोन 13, 15 एवं 21 का प्रभार सौंपा गया है। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि जल टंकियों के भराव, जल वितरण की नियमितता, टैंकरों की संख्या एवं संचालन, प्रत्येक टैंकर द्वारा लगाए जा रहे फेरों तथा जल वितरण की वास्तविक स्थिति की लगातार निगरानी की जाए। जिन क्षेत्रों में पेयजल की अधिक आवश्यकता है, वहां समय पर टैंकरों के माध्यम से पर्याप्त जल उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी टैंकर चालक द्वारा पानी बेचने अथवा अन्य अनियमितता की शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी। साथ ही निजी बोरिंग स्थलों पर नए हाइड्रेंट विकसित करने एवं हाइड्रेंट से टैंकर भराव व्यवस्था को नियंत्रित करने के भी निर्देश दिए गए हैं। नगर निगम प्रशासन ने रेन वाटर हार्वेस्टिंग एवं जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत संचालित कार्यों की नियमित समीक्षा कर जल संरक्षण को जनभागीदारी से मजबूत बनाने पर भी विशेष जोर दिया है।

पिपलियामंडी में गरजा बुलडोजर, हुई तीखी नोकझोंक, जोकचन्द ने रुकवाई मुहिम, सीएमओ ने कहा 10 दिनों तक चलेगा बुलडोजर

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पिपलियामंडी नगर में वर्षों से मुख्य मार्ग पर फैले अतिक्रमण के खिलाफ सोमवार को प्रशासन ने अब तक की सबसे बड़ी कार्रवाई करते हुए बुलडोजर चलाया। इससे व्यापारियों को खासा नुकसान हुआ। मंडी क्षेत्र में कार्रवाई के बाद भूकंप से नजारा दिखा। नगर परिषद, पुलिस प्रशासन और राजस्व विभाग की संयुक्त टीम ने कृषि उपज मंडी गेट 2 से यह मुहिम शुरु की। सड़क किनारे व नाले पर किए गए अवैध कब्जों, टीन शेड, और अस्थायी निर्माणों को हटाया। कार्रवाई के दौरान पूरे नगर में अफरा-तफरी और हड़कंप का माहौल बना रहा। कार्रवाई शुरु होते की कई व्यापारियों दुकानों के आगे लगे टीनशेड व अतिक्रमण हटाते नजर जाए। सुबह करीब साढ़े 11 बजे जैसे ही नगर परिषद का पीला पंजा मुख्य मार्ग पर पहुंचा, दुकानदारों और व्यापारियों में हलचल मच गई। प्रशासनिक अमले और स्थानीय लोगों के बीच कई स्थानों पर तीखी बहस और नोकझोंक की स्थिति भी बनी। जानकारी के अनुसार कृषि उपज मंडी गेट 2 के पास अमला पहुंचा। पार्षद बाबू मंसूरी के भाई की गुमटी से अतिक्रमण हटाओ मुहिम की शुरुआत की गई। एसडीएम स्वाति तिवारी, तहसीलदार ब्रजेश मालवीय, चौकी प्रभारी भीमसिंह राठौड़, मुख्य नगर पालिका अधिकारी प्रवीण सेन, पटवारी विंकेश पाटीदार सहित पुलिसकर्मी, नगर परिषद्कर्मी व राजस्वकर्मी मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि नगर का मुख्य मार्ग लंबे समय से अतिक्रमण की समस्या से जूझ रहा था। सड़क किनारे दुकानों के बाहर नाले के उपर तक बढ़ाए गए टीन शेड, नाले के ऊपर तक फैला सामान और अस्थायी कब्जों के साथ ही लोगों ने नाले के आगे सड़क तक सामान जमा दिए थे। इस कारण आए दिन जाम और दुर्घटनाएं हो रही थीं। यह मार्ग नगर का सबसे व्यस्त मार्ग माना जाता है, जहां से यात्री बसों सहित भारी वाहनों का आवागमन लगातार बना रहता है। स्थानीय नागरिक लंबे समय से प्रशासन से अतिक्रमण हटाने की मांग कर रहे थे। नगर परिषद अध्यक्ष इंदिरा सुनील देवरिया द्वारा पूर्व में व्यापारियों की बैठक आयोजित कर उन्हें स्वयं अतिक्रमण हटाने की समझाइश दी गई थी। नगर परिषद कार्यालय में हुई बैठक में व्यापारियों को स्पष्ट चेतावनी दी गई थी कि यदि उन्होंने स्वेच्छा से अतिक्रमण नहीं हटाया तो प्रशासन बलपूर्वक कार्रवाई करेगा। उल्लेखनीय है कि नगर परिषद् पिछले 5 दिनों से अतिक्रमण हटाने के लिए लोगों को आगह कर रही थी, इसको लेकर मुनादी भी करवाई गई। सोशल मीडिया और वाट्सएप ग्रुपों के माध्यम से भी लगातार सूचनाएं प्रसारित की गई थीं। नगर परिषद का कहना है कि अधिकांश व्यापारियों को पहले से सूचना दे दी गई थी और अभियान पूरी सहमति के बाद शुरू किया गया। प्रारंभ में गांधी चौराहे से अभियान शुरू करने की तैयारी थी, लेकिन व्यापारियों और रहवासियों के विरोध था कि कार्रवाई बीच बजार के बजाए कृषि मंडी या चौपाटी से शुरु की जाए। यहां विरोध का सामना होने के बाद प्रशासन ने कृषि उपज मंडी क्षेत्र से कार्रवाई शुरू की। मंडी रोड पर सबसे पहले दुकानों के बाहर निकले टीन शेड और सड़क तक फैले निर्माण हटाए गए। कई दुकानदारों ने खुद ही अपने शेड और सामान हटाना शुरू कर दिया, जबकि कई स्थानों पर जेसीबी की सहायता से कार्रवाई की गई। आगे के टीन शेड पर चले बुलडोजर से कई व्यापारियों को काफी नुकसान हुआ। अभियान के दौरान व्यापारियों की सूचना पर शाम 4 बजे करीब किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि पहले चुने से लाइनिंग कर स्पष्ट किया जाए कि कितना हिस्सा हटाना है, ताकि किसी प्रकार का पक्षपात या विवाद उत्पन्न न हो। जोकचन्द ने कहा कि मुहिम को रोका जाए व अतिक्रमण को चिन्हित कर एक समान निष्पक्ष रुप से कार्रवाई की जाए। इसके बाद मुहिम को स्थगित कर दिया। वहीं कई व्यापारियों ने भी आरोप लगाया कि उन्हें शेड हटाने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिला और मजदूरों की कमी के कारण वे समय पर तैयारी नहीं कर पाए। कुछ व्यापारियों ने प्रशासन से एक सप्ताह का अतिरिक्त समय देने की मांग की, वहीं कई लोगों ने कहा कि यदि पहले सीमांकन कर दिया जाता तो विवाद की स्थिति नहीं बनती। इधर नगर के कई नागरिकों ने प्रशासन की इस कार्रवाई को जनहित में बताया। लोगों का कहना है कि लंबे समय बाद मुख्य मार्ग पर इस प्रकार की निष्पक्ष कार्रवाई देखने को मिली है। हालांकि कुछ व्यापारियों ने कार्रवाई को जल्दबाजी में उठाया गया कदम बताया। फिलहाल नगर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है और प्रशासन का बुलडोजर अभियान लगातार जारी है। नगर के ललित पेंटर का कहना है कि चार पहिया वाहन नाले पर नहीं चढ़ सकते। वह तो सड़क पर ही खड़े रहते है। नाले की उंचाई अधिक है। इसका लेवल सड़क तक किया जाए। केवल टीन शेड गिराना समस्या का हल नहीं है, मुख्य समस्या सड़क के दोनों ओर का नाला है, जिसमें केवल सड़क के पानी की निवासी होती है, पहले इसे सड़क के बराबर कर रोड की चौड़ाई बढ़ाना चाहिए।

निरंतर जारी रहेगी अतिक्रमण हटाओ मुहिम- सीएमओ प्रवीण सेन ने बताया कि नगर को पूर्ण रूप से अतिक्रमण मुक्त बनाने के उद्देश्य से यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने अब भी अतिक्रमण कर रखा है वे स्वेच्छा से उसे हटा लें, अन्यथा प्रशासन सख्त कार्रवाई करेगा। उन्होंने साफ किया है कि सड़क और नाले की सीमा से बाहर निकले सभी टीन शेड और निर्माण हटाए जाएंगे। नगरवासियों व दुकानदारों को चेतावनी है कि वे नाले पर या इससे बाहर किसी भी प्रकार का सामान रखकर अतिक्रमण नही करे। भविष्य में दोबारा अतिक्रमण पाए जाने पर संबंधित लोगों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई भी की जाएगी।

"जनता के रंगमंच की असली नायक जनता हैं" इप्टा ने जनचेतना और प्रगतिशील विचारों को मजबूत करने का लिया संकल्प

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंडियन पीपुल्स थिएटर एसोसिएशन (इप्टा) द्वारा आयोजित गोष्ठी में वक्ताओं ने जनचेतना, सामाजिक समता और प्रगतिशील विचारधारा को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में कहा गया कि इप्टा के सभी सांस्कृतिक आयोजन जनहित और सामाजिक परिवर्तन की भावना के अनुरूप किए जाएंगे।

गोष्ठी को संबोधित करते हुए असअद अंसारी ने कहा कि ÷जनता के रंगमंच की असली नायक जनता है÷ इप्टा का मूल ध्येय वाक्य है। उन्होंने कहा कि इप्टा की स्थापना सामाजिक कुरीतियों के विरोध, जनचेतना के प्रसार और पूंजीवादी समाज व्यवस्था के विरुद्ध सांस्कृतिक संघर्ष के उद्देश्य से की गई थी। इप्टा सचिव हूर बानो सेफ़ी ने कहा कि संगठन सामाजिक चेतना और समतामूलक समाज की स्थापना के लिए सड़कों पर उतरकर संघर्ष करेगा। उन्होंने अनूपपुर में आयोजित इप्टा राज्य सम्मेलन की संक्षिप्त जानकारी भी प्रस्तुत की। इप्टा उपाध्यक्ष हेमंत कछावा ने कहा कि युवा साथियों की समस्याओं, विशेषकर बेरोज़गारी और पेपर लीक जैसे ज्वलंत मुद्दों पर नुक्कड़ नाटकों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से आवाज़ उठाई जाएगी। कोषाध्यक्ष लोकेश शर्मा ने वर्तमान समय में इप्टा की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए सभी सदस्यों से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। गोष्ठी में पवन सुनाथी और सुजीत पंवार ने जनगीत प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में संदीपसिंह पंवार, अदिति शर्मा, दक्ष पंवार, यश रावल, गजराजसिंह तोमर और उमेश सूर्यवंशी,अंकित कोड़ावत ने भी सहभागिता की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए शोभा कश्यप ने सभी सदस्यों से इप्टा की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की अपील की। इस अवसर पर इप्टा की गतिविधियों का वार्षिक कैलेंडर भी जारी किया गया। उन्होंने बताया कि इप्टा स्थापना दिवस के अवसर पर 31 मई रविवार को स्थानीय तेलिया टैंक पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें जनगीत और अन्य प्रस्तुतियाँ दी जाएंगी। कार्यक्रम का संचालन हेमंत कछावा ने किया तथा आभार पवन सुनार्थी ने माना।

पत्थर व्यवसायी संघ सिंगोली की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया अध्यक्ष पारस हरसौरा सचिव हरीश शर्मा बने

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पत्थर व्यवसायी संघ सिंगोली कि रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय बजरंग व्यायाम शाला परिसर पर रात्रि 8ः00 बजे रखी गई जिसमें नवीन कार्यकारिणी का गठन सर्वानुमति से किया गया जिसमें संरक्षक श्री सुरेश जी जैन भाया जी, श्री कमल जी शर्मा, श्री अशोक जी मूणत, अध्यक्ष श्री पारस जी हरसोरा, उपाध्यक्ष सुनील जी चौधरी, उपाध्यक्ष इकबाल भाई पठान, सचिव हरीश शर्मा,सह सचिव श्री संजय जी लसोड़, कोषाध्यक्ष दिग्गी जी अग्रवाल, संगठन मंत्री हंसराज जी चंदेल साथ ही कार्यकारिणी सदस्य श्री राजेंद्र जी नंदेचा, संतोष जी लबाना, राकेश जी मेहता, यूसुफ भाई बल्ला भाई, मुकेश जी जैन सिलोरिया को बनाया गया।

पीएम जीवन ज्योति एवं सुरक्षा बीमा योजना के क्लेम का त्वरित निराकरण करें बैंकःश्री चंद्रा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने जिले के सभी बैंक शाखा प्रबंधकों को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना एवं प्रधानमंत्री जीवन सुरक्षा बीमा योजनाओं के तहत प्राप्त होने वाले क्लेम प्रकरणों का त्वरित निराकरण कर पीड़ित परिवार को क्लेम राशि का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जिला स्तरीय बैंकर्स समन्वय समिति की बैठक में स्वरोजगार योजनाओं की विभागवार, बैंकवार प्रगति की समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री चंद्रा ने कहा, कि इन दोनों योजनाओं में जिले के शत-प्रतिशत खाताधारकों का पंजीयन कर जिले को सैचुरेटेड करें। एलडीएम को निर्देशः कलेक्टर ने निर्देश दिए कि प्रत्येक बैंक शाखावार आगामी बैठक में लंबित क्लेम प्रकरणों की जानकारी एलडीएम संकलित कर, प्रस्तुत करें। एक माह से अधिक लंबित क्लेम प्रकरणों की नामजद सूची भी प्रस्तुत की जाए।

जनधन खाते एवं एनपीए कम करने पर जोरः बैठक में प्रधानमंत्री जनधन योजना की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी बैंक शाखाएं 0 बैलेंस वाले सभी खातों को सक्रिय कर लेन-देन प्रारंभ करवाएं। साथ ही इन बैंक खातों का री-केवाईसी या ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से करवाएं। उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक एवं बंधन बैंक को विशेष रूप से एनपीए सुधारने के निर्देश दिए। बड़े बकायादारों को सूचीबद्ध कर बकाया राशि की प्राथमिकता से वसूली करने को कहा।

भीषण गर्मी में बिजली कंपनी के खिलाफ फूटा जनाक्रोश, अधीक्षक यंत्री कार्यालय का किया घेराव

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में भीषण गर्मी के बीच अघोषित बिजली कटौती, फर्जी बिजली बिलों, किसानों के उत्पीड़न, ओवरलोड ट्रांसफार्मरों और बिजली विभाग की कथित मनमानी के विरोध में सोमवार को मंदसौर शहर में व्यापक जनआक्रोश देखने को मिला। मल्हारगढ़ विधानसभा क्षेत्र से किसान नेता श्यामलाल जोकचंद व मंदसौर के दीपकसिंह गुर्जर के नेतृत्व में सैकड़ों किसान, ग्रामीण एवं सामाजिक कार्यकर्ता बीपीएल चौराहा पर एकत्रित हुए, जहां से विशाल बाइक रैली के रूप में चंबल कॉलोनी स्थित अधीक्षक यंत्री कार्यालय पहुंचे और कार्यालय का घेराव कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने करीब एक घंटे तक नारेबाजी करते हुए बिजली विभाग की कार्यप्रणाली के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया तथा चेतावनी दी कि यदि शीघ्र सुधार नहीं हुआ तो जिलेभर में उग्र जनआंदोलन किया जाएगा।

प्रदर्शन के दौरान बिजली कंपनी होश में आओ, किसानों का शोषण बंद करो और अघोषित कटौती बंद करो जैसे नारे गूंजते रहे। घेराव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए किसान नेता श्यामलाल जोकचंद ने बिजली कंपनी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जिस प्रकार अंग्रेजों की ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत की जनता का आर्थिक और मानसिक शोषण किया था, उसी प्रकार आज बिजली कंपनी आम उपभोक्ताओं और किसानों को लूटने का कार्य कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय कर्मचारी कंपनी के दबाव में आम जनता को प्रताड़ित कर रहे हैं तथा किसानों को योजनाबद्ध तरीके से निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विजिलेंस टीमों के माध्यम से किसानों पर झूठे प्रकरण बनाए जा रहे हैं। फर्जी बिजली चोरी के आरोप लगाकर भारी-भरकम बिल थमाए जा रहे हैं तथा पुलिस प्रशासन के माध्यम से किसानों को अपराधियों की तरह आधी रात को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जा रहा है। यह पूरी प्रक्रिया किसानों के आत्मसम्मान और लोकतांत्रिक अधिकारों पर कुठाराघात है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला पंचायत सदस्य दीपकसिंह गुर्जर ने कहा कि बिजली विभाग में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था चरम पर पहुंच चुकी है। नए कनेक्शन, ट्रांसफार्मर बदलने और लाइन सुधार के नाम पर उपभोक्ताओं से अवैध वसूली की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारी नियमों को ताक पर रखकर मनमानी कर रहे हैं, जिससे जनता में गहरा असंतोष है। उन्होंने कहा कि लोड सेटिंग और मेंटेनेंस के नाम पर घंटों बिजली बंद रखना आम उपभोक्ताओं के साथ अन्याय है। प्रदर्शनकारियों ने यह भी आरोप लगाया कि विभाग में लाइनमैनों की भारी कमी है। जहां दो गांवों पर एक लाइनमैन होना चाहिए, वहां 10 से 15 गांवों की जिम्मेदारी एक ही कर्मचारी पर डाली जा रही है। आउटसोर्स कर्मचारियों से बिना सुरक्षा उपकरणों के खतरनाक कार्य करवाए जा रहे हैं, जिससे उनकी जान जोखिम में बनी रहती है। वक्ताओं ने कहा कि यदि बिजली विभाग ने अपनी कार्यप्रणाली में सुधार नहीं किया, किसानों पर दर्ज प्रकरण वापस नहीं लिए, अघोषित कटौती बंद नहीं की और बिजली व्यवस्था दुरुस्त नहीं की, तो आने वाले समय में जिलेभर में व्यापक जनआंदोलन छेड़ा जाएगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। इस अवसर पर किसान नेता कमलेश पटेल, भगतराम डाबी, सुरेश भाटी एवं सम्यक जैन सहित अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया। सभी ने किसानों और उपभोक्ताओं के साथ हो रहे कथित अन्याय के खिलाफ आवाज बुलंद की। प्रदर्शन में पिपलिया कृषि मंडी के पूर्व अध्यक्ष बंशीलाल पाटीदार, काचरिया चंद्रावत सरपंच ईशु धनगर, मल्हारगढ़ जनपद पंचायत सदस्य रामेश्वर राठौर, युवा कांग्रेस नेता राजेश भारती, कमलिया के पूर्व सरपंच जुझारसिंह, बरखेड़ापंथ के पूर्व सरपंच दिनेश कारपेंटर, नेनोरा के पूर्व सरपंच रमेश पाटीदार, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष जितेंद्र धनगर, पूर्व बैंक डायरेक्टर रघुवीरसिंह सोनगरा, ब्लाक कांग्रेस पूर्व प्रवक्ता महेश गुप्ता हिंगोरिया, पूर्व ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष शीतलसिंह दौरवाड़ा, गफ्फार भाई रंगरेज, धीरज धाकड़, याकूब मेव, रघुवीरसिंह गुर्जर, बलराम गुर्जर, दिलीप गुर्जर, कृष्णकांत माली, कोमलराम बघेरिया, सुरेश धनगर, महेश गुप्ता, भारतसिंह भाटी, वसीम खान, धर्मेंद्र गोस्वामी, रघुवीर गुर्जर, याकूब मंसूरी, राकेश कुमावत, सुरेश पाटीदार, मुकेश धनगर, गोपाल पटेल बालागुड़ा, मुकेश टेलर, राजेंद्रसिंह भाटी, राहुल कठेरिया, रघुनाथसिंह चंदेल, भरत पाटीदार, रमेश मालवीय, राजेश मालवीय, इंजीनियर वसीम खान, आशीष सुथार, राजकुमार धनगर, कोमल बावरिया, कृष्णकांत बावरिया, मंदसौर जनपद सदस्य रामप्रसाद परमार, डॉ. फरीद शेख, उदयराम पटेल, मदनसिंह दुर्वाला, ओमप्रकाश टेलर, अशरफ अजमेरी, गोविंदसिंह डोराना, दिलीप गुर्जर, नैनसिंह गुर्जर, दिनेश पाटीदार, राहुल कीथिरिया, मुकेश चौहान, राजेन्द्र भाटी एवं शाहिद सहित बड़ी संख्या में किसान, ग्रामीण व कांग्रेसजन मौजूद रहे।

धनिया उत्पादन में नीमच बनेगा अग्रणीः 700 हेक्टेयर क्षेत्र विस्तार का लक्ष्य

कलेक्टर श्री चंद्रा की अध्यक्षता में एक जिला एक उत्पाद के तहत समीक्षा बैठक सम्पन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। एक जिला एक उत्पाद योजना के तहत नीमच के धनिया को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने हेतु कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में धनिया के उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन एवं किसानों की आय में वृद्धि के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में बताया गया, कि मसाला क्षेत्र विस्तार योजना के तहत जिले में वर्ष 2025-26 में मसाला क्षेत्र विस्तार (धनिया) हेतु एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजना तहत 220.00 हेक्टेयर हेतु 293 कृषकों को एवं राज्य पोषित योजना अंतर्गत 73.250 हेक्टेयर हेतु 107 कृषकों को लाभांवित किया गया। इस प्रकार कुल 293.25 हेक्टेयर क्षेत्र में 400 कृषकों को लाभ प्रदान किया गया। वर्ष 2026-27 में MIDH योजना तहत 450 हेक्टेयर हेतु 485 कृषकों को एवं राज्य पोषित योजना अंतर्गत 250 हेक्टेयर हेतु 267 कृषकों को लाभांवित किया जाएगा। इस प्रकार कुल 700 हेक्टेयर क्षेत्र में 752 कृषकों को लाभांवित करने का लक्ष्य प्रस्तावित किया गया है। बैठक में धनिया व्यापारियों और प्रसंस्करण इकाईयों के प्रतिनिधियों ने भी अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिए।

मनमाने एमआरपी और भ्रामक छूट पर नियंत्रण की मांग- ग्राहक पंचायत

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत द्वारा उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा एवं बाजार व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग को लेकर प्रधानमंत्री, वित्त मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री तथा उपभोक्ता मामलों के मंत्री के नाम तहसीलदार नीलेश पटेल को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में अधिकतम खुदरा मूल्य एमआरपी प्रणाली में व्यापक सुधार करते हुए इस पर नियंत्रण संबंधी प्रभावी कानून बनाए जाने की मांग की गई।

ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान समय में कई कंपनियां एवं व्यापारी वास्तविक लागत की तुलना में कई गुना अधिक एमआरपी मुद्रित कर उपभोक्ताओं को भ्रमित कर रहे हैं। बाद में भारी छूट एवं आकर्षक ऑफर्स का प्रचार कर उपभोक्ताओं को यह एहसास कराया जाता है कि उन्हें विशेष लाभ मिल रहा है, जबकि वास्तविकता इससे अलग होती है। ग्राहक पंचायत ने मांग की कि उत्पादों पर उत्पादन लागत एवं प्रथम विक्रय मूल्य का स्पष्ट उल्लेख अनिवार्य किया जाए। साथ ही भ्रामक डिस्काउंट व्यवस्था पर रोक लगाने एवं एमआरपी निर्धारण की अधिकतम सीमा तय करने के लिए सख्त कानून बनाया जाए। ज्ञापन में चिकित्सा उपकरणों, दवाइयों, कॉस्मेटिक्स, पैकेज्ड फूड, वस्त्र एवं दैनिक उपयोग की वस्तुओं में अत्यधिक मूल्य निर्धारण के उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा गया कि बाजार में पारदर्शिता के अभाव के कारण उपभोक्ता वास्तविक कीमत से अनभिज्ञ रहता है और अनजाने में अधिक राशि चुकाने को मजबूर होता है। संगठन ने यह भी मांग की कि एमआरपी प्रणाली की निगरानी एवं नियंत्रण के लिए एक स्वतंत्र प्राधिकरण अथवा आयोग का गठन किया जाए, जिसे नियम निर्धारित करने एवं उल्लंघन करने वालों पर कठोर कार्रवाई करने के अधिकार प्राप्त हों। प्रांत सह सचिव नवनीत शर्मा ने कहा कि उपभोक्ता संरक्षण के उद्देश्य से लागू की गई एमआरपी व्यवस्था अब कई स्थानों पर मुनाफाखोरी और मूल्य हेरफेर का माध्यम बनती जा रही है। उपभोक्ताओं को न्यायपूर्ण, पारदर्शी एवं जवाबदेह बाजार व्यवस्था उपलब्ध कराना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। ज्ञापन देते समय ग्राहक पंचायत के जिलाध्यक्ष विजय कोठारी, जिला सचिव आशीष भाटिया, जिला प्रचार प्रमुख रंजीत जायसवाल, जिला कार्यालय मंत्री नीलेश सेन, जिला विधि आयाम उमराव सिंह जैन, विनोद वाघेला, विक्रम सिंह, नागेश्वर देवड़ा एवं आशीष सेन उपस्थित थे।

नीमच के जंगलों में 'आसमान के राजा' का दीदार- ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना 2026 संपन्न

92 बीटों में भीषण गर्मी के बीच वन अमले ने किया सर्वे, कुल 285 गिद्ध दर्ज

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नीमच वन मंडल की 92 बीटों में 22 से 24 मई तक आयोजित तीन दिवसीय ग्रीष्मकालीन गिद्ध गणना 2026 सफलतापूर्वक संपन्न हुई। नौतपा की भीषण गर्मी के बावजूद वन विभाग के मैदानी अमले, वन चौकीदारों एवं युवा वॉलेंटियर्स ने जिले के विभिन्न जलस्रोतों तथा पथरीले वन क्षेत्रों में सघन मॉनिटरिंग कर गिद्धों की गणना की।

गणना के प्रमुख आंकड़ेः- इस वर्ष नीमच वन मंडल में कुल 285 गिद्ध दर्ज किए गए। रेंज-वार आंकड़े इस प्रकार हैंः

- नीमच रेंजः 114 गिद्ध, जिनमें 110 इजिप्टियन गिद्ध एवं 4 भारतीय देशी गिद्ध
- रतनगढ़ रेंजः 88 गिद्ध
- मनासा रेंजः 49 गिद्ध
- रामपुरा रेंजः 34 गिद्ध

दुर्लभ 'राज गिद्ध' की उपस्थितिः- गणना के दौरान रामपुरा रेंज की भदाना उत्तर बीट में अत्यंत दुर्लभ एवं संकटग्रस्त प्रजाति रेड हेडेड वल्चर, जिसे 'राज गिद्ध' या 'किंग वल्चर' कहा जाता है, को देखा गया है।

वन विभाग के उपवन मंडल अधिकारी श्री दशरथ अखंड ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि वन्यजीव विशेषज्ञों के अनुसार, विश्व स्तर पर विलुप्ति की कगार पर पहुंची इस प्रजाति की नीमच के वन क्षेत्र में उपस्थिति जिले के समृद्ध पारिस्थितिक तंत्र का प्रमाण है।

अधिकारियों एवं युवाओं का योगदानः- यह गणना अभियान जिला वन अधिकारी श्री एस.के. अटोदे के निर्देशन एवं उप वन मंडल अधिकारी श्री दशरथ अखंड के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। एसडीओ श्री अखंड स्वयं भीषण गर्मी में मैदानी स्तर पर युवाओं के साथ डटे रहे। वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री विपुल प्रभात रतनगढ़, श्री भानुप्रताप सिंह सोलंकी रामपुरा एवं श्री शाश्वत द्विवेदी मनासा नेभी सक्रिय सहभागिता निभाई।

गणना के दौरान चीताखेड़ा चर्मशोधन केंद्र, रामपुरा का पड़पदिया नाला, भदाना उत्तर बीट तथा रतनगढ़-सिंगोली का कोज्या पूर्व क्षेत्र प्रमुख केंद्र रहे। वॉलेंटियर्स के अनुभवः बर्डिंग एक्सपर्ट श्री अक्षय यति ने फोटोग्राफिक साक्ष्य संकलित किए। सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर श्री विवेक शर्मा ने "WISE WITH VIVEK" प्लेटफॉर्म के माध्यम से अभियान का प्रचार किया। युवा वॉलेंटियर प्रिंस चंद्रप्रकाश शर्मा, डॉ. लाखन यादव, हर्शिल चौहान, आदित्य चौहान, अनमोल यादव, भाग्यश्री पंवार, इंदरजीत सिंह, मधुबाला धाकड़, भूपेंद्र, धीरज धनगर, यशवंत रैगर एवं विकास मेघवाल ने सहयोग किया।

वन विभाग ने बताया कि गणना से प्राप्त आंकड़े भविष्य में जिले में गिद्ध संरक्षण एवं संवर्धन की रणनीति तैयार करने में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे। विभाग ने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं वॉलेंटियर्स का आभार व्यक्त किया है।

सकल जैन समाज ने आरोपी के ऊपर कठोर कार्रवाई को लेकर सोपा ज्ञापन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को नगर में सकल जैन समाज के तत्वाधान में रीवा मध्यप्रदेश मे आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज कि परम प्रभावक शिष्य आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी आर्यिका श्री उपशममति माताजी का कार एक्सीडेंट में दुखद समाधि हो मरण हो गया था जिसको लेकर सकल जैन समाज मे काफी रोष व्याप्त है बता दें कि पुज्य आर्यिका माताजी का एक्सीडेंट यह केवल एक सामान्य सडक दुर्घटना प्रतीत नही होती उपलब्ध तथ्यों वीडियो क्लिपों एवं परिस्थितियों के आधार पर समाज में गहरी आशंका एवं चिंता का वातावरण निर्मित हुआ है जैन साधु साध्वी पूर्णतः निहत्थे अहिंसक एवं पैदर विहार करने वाले तपस्वी होते है वे किसी प्रकार की सुरक्षा या भोतिक सुविधाओं का उपयोग नही करते तथा समाज मे शर्मित संयम करूणा और अहिंसा का संदेश प्रसारित करते है ऐसे संतों के साथ निरंतर बढ़ती दुर्घटनाएं एवं हमले सम्पूर्ण समाज के लिए अत्यंत चिंताजनक है वही समाजजन ने निम्न मांगों कि मांग रखी गई घटना की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कि जाए संत सुरक्षा प्रोटोकॉल तत्काल लागू किया जाए राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति बनाई जाए संतों के विरुद्ध अपराधों को विषेश संवेदनशील श्रेणी में रखा जाए प्रशासन एवं समाज के बीच समन्वय तंत्र स्थापित किया जाए वही पुज्य मुनिश्री प्रमाण सागर जी महाराज व जगत पुज्य मुनिश्री सुधा सागर जी महाराज के आह्वान पर एक साथ भारत में मौन जुलूस के साथ राष्ट्रपति प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री के नाम जगह जगह ज्ञापन दिए जा रहे है नगर में सकल जैन समाज के तत्वाधान में सुबह 11 बजे कमल चोक से विशाल मोन जूलुस निकाल गया जो तहसील कार्यालय पर पहुंचा ज्ञापन के पहले सभी ने आर्यिका माताजी को दो मिनट का मोन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित कि वही उसके बाद ज्ञापन का वाचन संजय नागोरी एडवोकेट ने किया व उसके बाद सकल जैन समाज ने तहसीलदार प्रेमशंकर पटेल को प्रधानमंत्री मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देकर आरोपी के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने हेतु निवेदन किया मोन जुलूस के दोरान महिलाओं हाथे में तकीया लेकर चल रही थी इस अवसर पर आस-पास के नगरों सहित बडी संख्या में महिलाएं बच्चे पुरुष आदी सकल जैन समाज के समाजजन उपस्थित थे।

सम्पादकीय

जंगलों की मौत का नया पता- सोशल मीडिया का काला बाजार

जंगलों का सन्नाटा अब पेड़ों में नहीं, मोबाइल स्क्रीन पर कैद दिखता है। दुर्लभ पक्षियों, अजगर, पेंगोलिन और बाघों के अंगों की तस्वीरें बताती हैं कि वन्य जीवन अब डिजिटल बाजार का माल बन चुका है। मानव जुड़ाव के लिए बने सामाजिक मंच आज अंतरराष्ट्रीय वन्यजीव तस्करी के सबसे सुरक्षित अड्डे बन गए हैं। उंगलियों की मामूली स्क्रॉलिंग के साथ यह काला कारोबार कानून और धरती की जैव संपदा–दोनों को निगल रहा है। ग्लोबल इनिशिएटिव अगेंस्ट ट्रांसनेशनल ऑर्गनाइज्ड क्राइम की रिपोर्ट 'वाइल्डलाइफ़ हैज़ अ फेसबुक प्रॉब्लम' के अनुसार अप्रैल 2024 से मार्च 2026 के बीच 22 हजार से अधिक जंगली जीवों और उनके अंगों की ऑनलाइन खरीद-बिक्री के विज्ञापन मिले। इनमें लगभग 75 प्रतिशत गतिविधियां अकेले फेसबुक पर दर्ज हुई, जिनका अवैध कारोबार करीब 6.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया।

ये केवल आंकड़े नहीं, बल्कि उस डिजिटल अराजकता का चेहरा हैं जहां कानून, नैतिकता और प्रकृति हार रहे हैं। जैव संपदा से समृद्ध भारत अब वन्यजीव तस्करों का आसान ठिकाना बनता जा रहा है। पेंगोलिन की खाल, बाघ के नाखून, भालू की पित्ताशय तथा दुर्लभ पक्षियों और सरीसृपों का अवैध व्यापार सामाजिक मंचों पर खुलेआम चल रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, फेसबुक पर बिक्री के लिए मिले लगभग 84 प्रतिशत जीव ऐसे थे, जिनका अंतरराष्ट्रीय व्यापार कन्वेंशन ऑन इंटरनेशनल ट्रेड इन एंडेंजर्ड स्पीशीज़ के परिशिष्ट-एक के तहत प्रतिबंधित है, फिर भी उनकी खरीद-बिक्री जारी है। सबसे गंभीर तथ्य यह है कि इनमें आधे से अधिक प्रजातियां अत्यंत संकटग्रस्त या संकटग्रस्त श्रेणी में हैं। विडंबना यह है कि कठोर वन्यजीव कानूनों वाले भारत में भी फेसबुक जैसे मंचों पर ये नियम लगभग बेअसर हैं। वन्यजीव तस्करी का यह अंधेरा केवल अपराधियों की चालाकी नहीं, सामाजिक मंचों की नाकामी भी है। फेसबुक का तंत्र अब तस्करों की ढाल बन चुका है। बंद समूह, गुमनाम खाते, संदिग्ध सामग्री को बढ़ावा देने वाले एल्गोरिदम और कमजोर निगरानी इस अपराध को खुली छूट दे रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार लगभग 76 प्रतिशत अवैध गतिविधियां बंद समूहों में संचालित हो रही हैं। एक बार ऐसा विज्ञापन दिखते ही एल्गोरिदम वैसी ही और सामग्री फैलाने लगता है, जिससे अपराध का जाल लगातार फैलता जाता है। तस्कर कोड भाषा, प्रतीकों और विदेशी पालतू जैसे शब्दों से निगरानी को आसानी से धोखा दे देते हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि 2018 में 'कोएलिशन टू एंड वाइल्डलाइफ़ ट्रैफिकिंग ऑनलाइन' से जुड़कर 80 प्रतिशत कमी का दावा करने वाला फेसबुक 2026 तक इस संकट को क्यों नहीं रोक सका।

वन्यजीव तस्करी केवल कुछ जीवों के घटते अस्तित्व का संकट नहीं, बल्कि पूरी प्रकृति पर प्रहार है। पेंगोलिन आज दुनिया का सबसे अधिक तस्करी किया जाने वाला स्तनपायी बन चुका है और भारत में इसकी दोनों प्रजातियां गंभीर खतरे में हैं। सीमित संख्या में बचे बाघ भी अंधविश्वास और पारंपरिक उपचार की मांग के कारण लगातार शिकार बन रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार अवैध व्यापार में सरीसृपों की हिस्सेदारी 44 प्रतिशत और पक्षियों की 40 प्रतिशत है। इन जीवों को जंगलों से छीनना केवल एक प्रजाति का अंत नहीं, बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को कमजोर करना है। खाद्य श्रृंखला टूटते ही जंगल, जलवायु और अंततः मानव जीवन भी संकट में पड़ जाता है। मोबाइल स्क्रीन के पीछे फैलता यह काला कारोबार अब केवल पर्यावरणीय अपराध नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधों का बड़ा तंत्र बन चुका है। इससे अर्जित धन आतंकवाद, हथियार तस्करी और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों तक पहुंचता है। सोशल मीडिया ने इसे तेज, सरल और सुरक्षित बना दिया है। स्क्रीन स्क्रॉल करने वाला सामान्य व्यक्ति भी अनजाने में इसका हिस्सा बन जाता है। यही डिजिटल अपराध की सबसे भयावह सच्चाई है–यहां विनाश दिखता नहीं, लेकिन बेहद गहरा होता है। फेसबुक जैसे मंच तस्करों के लिए ऐसा बाजार बन गए हैं, जहां कानून कमजोर और मुनाफा बेहिसाब है।

भारत में यह संकट और गहरा है, क्योंकि यहां इंटरनेट और सोशल मीडिया का विस्तार बेहद तेज़ हुआ है। गांवों से शहरों तक करोड़ों लोग फेसबुक से जुड़े हैं। तस्कर स्थानीय भाषाओं, छोटे शहरों के खातों और क्षेत्रीय समूहों के सहारे पुलिस व वन विभाग की निगरानी से आसानी से बच निकलते हैं। 'ट्रेड रिकॉर्ड्स एनालिसिस ऑफ फ्लोरा एंड फौना इन कॉमर्स' और 'वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर' की पूर्व रिपोर्टें भी भारत को वन्यजीव तस्करी के स्रोत और मांग–दोनों बाजारों के रूप में चिन्हित कर चुकी हैं। अब यह खतरा जंगलों और सीमाओं से निकलकर सीधे मोबाइल स्क्रीन तक पहुंच गया है। जंगल सिमट रहे हैं, जैव विविधता संकट में है, फिर भी डिजिटल तस्करी का जाल लगातार फैल रहा है। यह तकनीकी अपराधों से निपटने की हमारी कमजोर तैयारी को उजागर करता है।

मोबाइल स्क्रीन पर फैलते इस अदृश्य अपराध को अब केवल चेतावनियों से नहीं रोका जा सकता। मेटा प्लेटफॉर्म्स को दावों से आगे बढ़कर सक्रिय निगरानी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित पहचान प्रणाली और स्थानीय एजेंसियों के साथ त्वरित सहयोग सुनिश्चित करना होगा। भारतीय सरकार को साइबर इकाइयों को वन्यजीव तस्करी की डिजिटल जांच का विशेष प्रशिक्षण देना चाहिए। वन विभाग, पुलिस और तकनीकी संस्थाओं के बीच मजबूत समन्वय भी जरूरी है। साथ ही लोगों को ऐसे विज्ञापनों की पहचान और तुरंत शिकायत के लिए जागरूक करना होगा। विद्यालयों और महाविद्यालयों में डिजिटल नैतिकता तथा पर्यावरणीय जिम्मेदारी को शिक्षा का अनिवार्य हिस्सा बनाना समय की मांग है।

जंगलों की धड़कनें जब बाजार की वस्तु बनने लगें, तब खतरा केवल वन्यजीवों पर नहीं, मानव सभ्यता की संवेदना पर भी होता है। यदि यह तस्करी यूं ही बढ़ती रही, तो आने वाली पीढ़ियां जीवित जंगल नहीं, केवल स्क्रीन पर उभरती तस्वीरें देख पाएंगी।

सहजयोग : पंचतत्त्वों के सूक्ष्म जागरण से व्यक्तित्व का दिव्य रूपांतरण

सहजयोग में श्री माताजी की अनुकम्पा से कुंडलिनी जागरण द्वारा आत्मसाक्षात्कार प्राप्ति के पश्चात जिन पंचतत्त्वों से हम बने हैं, चैतन्य लहरियाँ उन तत्त्वों के सूक्ष्म तत्त्व से हमें जोड़ने लगती हैं। यह बड़ी सूक्ष्म बात है, इसकी सूक्ष्मता हमें समझनी चाहिए।

श्री माताजी के अनुसार, प्रकाश अभिव्यक्त होने वाला प्रथम तत्त्व है और उसका सूक्ष्म तत्त्व है तेज, आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होने के पश्चात व्यक्ति (गहन सहजयोगी) का मुखमण्डल तेजोमय हो उठता है।

स्थूल वायु का सूक्ष्म तत्त्व आपको प्राप्त होने वाली शीतल चैतन्य लहरियाँ है। आत्म साक्षात्कार के बाद आप केवल लहरियाँ ही नहीं प्राप्त करते, शीतलता का भी अनुभव करते हैं।

जल तत्त्व सूक्ष्म रूप में जब अभिव्यक्ति होता है तो वह सहजयोगी की कठोर त्वचा को कोमल करता है, उनके अंदर का जल ही उनके चेहरे की त्वचा को चमक और पोषण प्रदान करता है। इसी के साथ आत्मसाक्षात्कारी व्यक्ति अत्यन्त मृदु और विनम्र हो जाते हैं।

आप में अग्नि भी है परन्तु यह अत्यन्त शान्त अग्नि है। यह किसी अन्य को नहीं जलाती, आपके अंदर बुराइयों को और आपके माध्यम से अन्य लोगों की बुरारियों को आपकी यह अग्नि जला देती है। यदि आप पूर्णतः विकसित सहजयोगी हैं तो अग्नि आपको कभी नहीं जलाएगी क्योंकि अग्नि तत्त्व का सार आपको प्राप्त हो जाता है।

पृथ्वी माँ है। पृथ्वी की बहुत सी सूक्ष्मताएं हममें आ जाती हैं। इनमें से एक गुरुत्वाकर्षण है । गुरुत्वाकर्षण की अभिव्यक्ति से व्यक्ति अत्यन्त आकर्षक हो जाता है। पृथ्वी माँ की तरह हम भी अत्यन्त सहनशील और धैर्यवान बनने लगते हैं।

स्वयं के प्रति क्रूरता तथा कठोरता श्रेष्ठ होने के प्रमुख अवयव

मनुष्य के जीवन की सबसे बड़ी विजय बाहर नहीं, भीतर होती है। अक्सर हम दुनिया को बदलने, समाज को सुधारने और दूसरों को सही ठहराने में लगे रहते हैं, परंतु एक सत्य हमेशा हमारे सामने खड़ा रहता है यदि हमने स्वयं को नहीं जीता, तो हमने कुछ भी नहीं जीता। पहले स्वयं को जीतिए, फिर जग को जीतिए,यह केवल एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन का मूल मंत्र है। क्योंकि मनुष्य का मन ही उसके किए गए कार्यों का सर्वोच्च निर्णायक होता है। यदि मन के भीतर ईमानदारी नहीं है, तो बाहरी सफलता भी खोखली प्रतीत होती है। मनुष्य को स्वयं के प्रति अत्यंत कठोर तथा क्रूर होना होगा तभी सफलता उसके सामने होगी।

महात्मा गांधी ने कहा था, आप स्वयं वह परिवर्तन बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं। यह कथन हमें स्पष्ट संकेत देता है कि किसी भी परिवर्तन की शुरुआत बाहर से नहीं, भीतर से होती है। जब तक हम अपने विचारों, अपने कर्मों और अपने चरित्र को नहीं सुधारते, तब तक समाज को सुधारने की बात केवल एक आदर्श कल्पना बनकर रह जाती है। गांधी जी ने अपने जीवन में सत्य और अहिंसा का पालन पहले स्वयं किया, तभी वे करोड़ों लोगों के प्रेरणा स्रोत बने।

इसी प्रकार स्वामी विवेकानंद का यह विचार भी अत्यंत प्रेरणादायक है- उठो, जागो और तब तक नहीं रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए। लेकिन इस लक्ष्य की प्राप्ति की पहली शर्त क्या है? स्वयं के भीतर की कमजोरी, आलस्य और भ्रम पर विजय प्राप्त करना। विवेकानंद जी ने युवाओं को यह सिखाया कि आत्मबल ही सबसे बड़ी शक्ति है। जब मनुष्य अपने मन को नियंत्रित कर लेता है, तब उसके लिए कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं रहता।

मनुष्य का सबसे बड़ा शत्रु बाहर नहीं, उसका अपना भ्रम, उसकी अपनी असत्यता होती है। जब हम स्वयं से झूठ बोलते हैं अपने दोषों को छिपाते हैं, अपनी कमियों को नजरअंदाज करते हैं तब हम अपने विकास के मार्ग को स्वयं ही अवरुद्ध कर देते हैं।

भगवान बुद्ध ने कहा था, आप खुद ही अपने दीपक बनिए। इसका अर्थ यही है कि आत्मचिंतन और आत्मसत्य ही वह प्रकाश है, जो हमें सही दिशा दिखाता है। यदि हम अपने भीतर के अंधकार को स्वीकार नहीं करेंगे, तो प्रकाश की खोज भी अधूरी रह जाएगी।

समाज में श्रेष्ठ और महान लोग वही बने हैं, जिन्होंने पहले स्वयं को जीता।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जीवन इसका सजीव उदाहरण है। एक साधारण परिवार से उठकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुँचना केवल बाहरी परिस्थितियों का परिणाम नहीं था, बल्कि उनकी आंतरिक अनुशासन, ईमानदारी और आत्मविश्वास का फल था। उन्होंने कहा था, सपने वो नहीं जो हम सोते समय देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते। यह सपना तभी साकार होता है, जब हम अपने भीतर की कमियों को पहचानकर उन्हें दूर करने का साहस रखते हैं।

इसी तरह नेल्सन मंडेला ने अपने जीवन में 27 वर्ष जेल में बिताए, परंतु उन्होंने अपने भीतर की नफरत को जीत लिया। उन्होंने कहा था, मैं कभी हारता नहीं, या तो जीतता हूँ या सीखता हूँ। यह दृष्टिकोण केवल वही व्यक्ति अपना सकता है, जिसने स्वयं को साध लिया हो। मंडेला की यह आंतरिक विजय ही उन्हें एक महान नेता बनाती है।

जब हम समाज में देखते हैं, तो पाते हैं कि जो लोग ईमानदारी, सच्चाई और आत्मसंयम के मार्ग पर चलते हैं, वही सच्चे अर्थों में सफल होते हैं। सफलता केवल धन, पद या प्रसिद्धि नहीं है; सफलता वह शांति है, जो हमें अपने भीतर मिलती है। यदि हमारा मन हमें दोषी ठहराता है, तो दुनिया की कोई भी प्रशंसा हमें संतुष्ट नहीं कर सकती। इसलिए यह आवश्यक है कि हम अपने मन के सामने सच्चे रहें।

आज के समय में, जब प्रतिस्पर्धा और दिखावे की होड़ बढ़ती जा रही है, तब स्वयं से सत्य बोलना और भी कठिन हो गया है। हम अक्सर दूसरों को प्रभावित करने के लिए एक ऐसा चेहरा बना लेते हैं, जो हमारा वास्तविक स्वरूप नहीं होता। लेकिन यह दिखावा अधिक समय तक नहीं टिकता। अंततः हमें अपने भीतर लौटना ही पड़ता है, और वहीं हमारा असली सामना होता है। यदि हम उस क्षण में स्वयं को सच्चा पाते हैं, तो वही हमारी सबसे बड़ी जीत होती है।

इसलिए, हमें यह समझना होगा कि जीवन की असली दौड़ दूसरों से आगे निकलने की नहीं, बल्कि स्वयं से बेहतर बनने की है। हर दिन अपने आप से एक प्रश्न पूछिए क्या मैं आज कल से बेहतर बना हूँ? क्या मैंने अपनी किसी कमजोरी पर विजय प्राप्त की है? यदि उत्तर 'हाँ' है, तो आप सही दिशा में हैं।

अंत में, यही कहना उचित होगा कि स्वयं की जीत ही सच्ची विजय है। जब मनुष्य अपने मन, अपने विचारों और अपने कर्मों पर नियंत्रण पा लेता है, तब वह न केवल अपने जीवन में सफल होता है, बल्कि समाज के लिए भी एक प्रेरणा बनता है।

तो आइए, हम संकल्प लें कि हम स्वयं से कभी झूठ नहीं बोलेंगे, अपने दोषों को स्वीकार करेंगे, और निरंतर आत्मसुधार के मार्ग पर चलेंगे। क्योंकि जब हम स्वयं को जीत लेते हैं, तब संसार की कोई भी शक्ति हमें पराजित नहीं कर सकती। यही जीवन का सार है पहले स्वयं को जीतिए, फिर जग को।

-संजीव ठाकुर

गैर इस्लामी है सड़क पर नमाज

पहले से ही 45-50 डिग्री में धधक रहे भारत में बंगाल के एक भड़काऊ नेता हुमायूं कबीर ने यह कहकर सियासी पारा और बढ़ा दिया है कि आने वाली बकरीद को मुस्लिम सड़कों पर ही नमाज पढ़ेंगे, जबकि यह गैर-इस्लामी, गैर-कानूनी और गैर-इंसानी कृत्य है। विडंबना यह है कि भोले भाले आम मुस्लिम ऐसे ही लोगों को अपना नेता समझ लेते हैं। सड़क पर नमाज पढ़ने की जिद शायद बंगाल और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्रियों के सड़कों पर नमाज न पढ़ने के आदेश के चलते की जा रही है। इस्लाम के बारे में कोई भी व्यक्ति किसी भी प्रकार की राय रखे, यह उसका निजी अधिकार है, मगर इसमें तीन बढ़िया बातें अवश्य हैं।

प्रथम तो इस्लाम कहता है, लकुम दीनोकुम वले यदीन, अर्थात तुम्हें तुम्हारा दीन मुबारक, हमें हमारा! दूसरी बात है हुकूक-उल-इबाद अर्थात बिना किसी फर्क के दूसरों के जायज अधिकारों की मान्यता और तीसरा है, फमैयांमल मिस्काला जर्रातिन खैरईयरा/ वमैयांमल मिस्काला जर्रातिन शररईयरा अर्थात यदि कोई भी मुस्लिम कितनी ही मामूली अच्छाई किसी के साथ भी करेगा तो उसे उसका बदल यानी फल मिलेगा। इसी प्रकार यदि किसी मुस्लिम ने किसी के साथ कोई बुराई की तो उसे उसका भी वैसा ही बदल यानी फल मिलेगा। इन्हीं सब कारणों से भी सड़क पर नमाज पढ़ना गैर-इस्लामी है। हदीस-ओ-कुरान की रोशनी में हजरत मोहम्मद (स.) के अनुसार सात स्थानों पर नमाज पढ़ने की स्वीकृति नहीं है, जिनमें सड़क भी शामिल है। जो आम रास्ता हो, वहां पर नमाज की तो बिल्कुल मनाही है। यह ध्यान रहे कि अरब देशों में सड़कों पर नमाज की इजाजत नहीं है। हजरत मोहम्मद ने अपने हाथों से कुदाल के जरिये एक ऐसी निर्माणाधीन मस्जिद की दीवार को गिरा दिया था, जिसे कुछ जोशीले मुस्लिम सहाबा किसी गैर मुस्लिम की जमीन पर कब्जा कर वहां मस्जिद बना कर दीन की खिदमत करना चाह रहे थे, मगर क्या औसत मुस्लिम उनके बताए रास्ते पर चल रहे हैं? इस संदर्भ में एक जुमला चल निकला है, हम हजरत मोहम्मद साहब को तो मानते हैं, मगर उनकी बात नहीं! मुस्लिमों की भी जायज शिकायत है, जिससे कुछ हिंदू भी सहमत हैं कि जब कांवड़ यात्राएं लाउडस्पीकरों के साथ निकलती हैं और विभिन्न अवसरों पर शोभा यात्राएं निकलती हैं तो उससे भी लोगों को समस्या होती है। इसका तर्क यह दिया जाता है कि ये सब कार्य तो वर्ष में एक बार ही होते हैं और मुस्लिम तो हर हफ्ते सड़कों पर नमाज पढ़ते हैं। अब इसमें सरकारें यह कर सकती हैं कि मात्र ईद, बकरीद और जुमातुल विदा को 25 से 30 मिनट तक के लिए नमाज की अनुमति दे सकती हैं। वैसे अगर मस्जिद में जगह कम है तो दो या तीन बार जमातें की जा सकती हैं। नमाज घरों या छतों पर भी हो सकती है। कई जगहों पर होती भी है। आम मुसलमानों के साथ समस्या यह है कि वे स्वयं ही न तो अपने मजहब को अच्छी तरह समझते हैं और न ही दूसरों को समझा पा रहे हैं। अल्लाह केवल मुस्लिमों का नहीं, सभी का है। इसी कारण उसे रब्बुल आलमीन कहा जाता है यानी सभी का ईश्वर।

-धनंजय राजौरा

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः का उद्घोष किया, जिस धरती से वसुधैव कुटुम्बकम् का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं।

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी गलती केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।

यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए।

आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में वृद्ध सम्मान को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे।

आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की है। रिश्तों की मर्यादाएँ, गरिमा और दायित्व यदि न्यायालयों को समझाने पड़ें तो यह केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सभ्यता का संकट है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सके, तभी विकसित भारत का स्वप्न सार्थक होगा। अन्यथा ऊँची उपलब्धियों और भव्य योजनाओं के बीच भी हमारे घरों के किसी कोने में बैठा एक उपेक्षित वृद्ध हमारी समस्त प्रगति पर मौन प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा रहेगा। अंततः याद रखना होगा- विरासत संपत्ति नहीं, संस्कार होते हैं, विकास इमारतों से नहीं, रिश्तों से मापा जाता है और वह समाज कभी महान नहीं कहलाता जहाँ माता-पिता को अपने अधिकार के लिए अदालतों में खड़ा होना पड़े।

-ललित गर्ग

बच्चों में वास्तविक ज्ञान का आधार - समझ आधारित शिक्षा

समझ आधारित शिक्षा बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में बच्चों की समझ आधारित शिक्षा को अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया है। वर्तमान समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि बच्चों में वास्तविक समझ, तार्किक सोच, समस्या समाधान क्षमता और जीवनोपयोगी कौशल विकसित करना भी आवश्यक हो गया है। यही कारण है कि आज शिक्षा के बदलते स्वरूप में रटने की पद्धति की अपेक्षा समझ आधारित शिक्षा को अधिक महत्व दिया जा रहा है। यह माना गया है कि जो ज्ञान बच्चा समझकर सीखता है, उसका प्रभाव लंबे समय तक उसके मस्तिष्क में बना रहता है, जबकि रटकर सीखी गई बातें कुछ समय बाद धुंधली पड़ने लगती हैं। शिक्षा का मूल उद्देश्य बच्चों के व्यक्तित्व का समग्र विकास करना है। यदि बच्चा केवल परीक्षा में अंक प्राप्त करने के लिए पढ़ेगा तो उसका ज्ञान सीमित रह जाएगा, लेकिन यदि वह किसी विषय को समझकर सीखेगा तो वह उसे जीवन में भी उपयोग कर सकेगा। उदाहरण के लिए, गणित में केवल पहाड़े याद कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह समझना भी जरूरी है कि उनका उपयोग दैनिक जीवन में कैसे किया जाता है। इसी प्रकार भाषा शिक्षा में केवल पाठ याद कर लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसका अर्थ समझना, विचार व्यक्त करना और व्यवहार में उसका प्रयोग करना अधिक महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने बच्चों की बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान पर विशेष जोर दिया है। सरकार ने यह लक्ष्य निर्धारित किया है कि कक्षा 3 तक प्रत्येक बच्चा सामान्य समझ के साथ पढ़ना-लिखना और प्रारंभिक गणितीय कौशल सीख जाए। इसमें केवल अक्षरों और संख्याओं की पहचान ही नहीं, बल्कि उन्हें समझकर उपयोग करने की क्षमता विकसित करना भी शामिल है। बच्चों को दैनिक जीवन में उपयोग आने वाली गणनाओं, भाषा कौशल और तार्किक समझ से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इससे बच्चों की सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी और रुचिकर बन रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू होने के बाद शिक्षा व्यवस्था में अनेक सकारात्मक बदलाव देखने को मिले हैं। शिक्षा मंत्रालय एवं एनसीईआरटी द्वारा 'स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 निर्माण के बाद जिसमें योग्यता-आधारित शिक्षा, समग्र विकास और लचीली परीक्षा प्रणाली पर विशेष ध्यान दिया गया है। इस नई व्यवस्था का उद्देश्य बच्चों को केवल परीक्षा केंद्रित शिक्षा देना नहीं, बल्कि उनमें रचनात्मकता, विश्लेषण क्षमता और व्यावहारिक कौशल विकसित करना है। नई शिक्षा नीति बच्चों को सोचने, प्रश्न पूछने और अपने अनुभवों से सीखने के अवसर प्रदान करती है। बच्चों में भाषाई दक्षता बढ़ाने के लिए प्रारंभिक कक्षाओं में मातृभाषा एवं स्थानीय भाषा में शिक्षा देने का प्रयास भी काफी प्रभावी सिद्ध हुआ है। जब बच्चा अपनी भाषा में सीखता है तो वह विषय को अधिक आसानी से समझ पाता है। इससे उसकी अभिव्यक्ति क्षमता और आत्मविश्वास दोनों बढ़ते हैं। स्थानीय भाषा में शिक्षा देने से बच्चों का सीखने में रुचि बढ़ती है तथा वे शिक्षा से भावनात्मक रूप से भी जुड़ते हैं। यही कारण है कि नई शिक्षा नीति में मातृभाषा आधारित शिक्षण को प्राथमिकता दी गई है। हालांकि इन सभी प्रयासों के बावजूद बच्चों की बुनियादी समझ को लेकर अभी भी अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं। एन्यूअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट 2024 के अनुसार कक्षा 5 के केवल 48.7 प्रतिशत बच्चे ही कक्षा 2 स्तर का पाठ सही ढंग से पढ़ पाने में सक्षम हैं। इसका अर्थ है कि आधे से अधिक बच्चे अभी भी पढ़ने की मूलभूत क्षमता में संघर्ष कर रहे हैं। इसी प्रकार 'परख सर्वेक्षण 2025' के अनुसार कक्षा 3 के लगभग 47 प्रतिशत बच्चों को 10 तक के पहाड़ों की समझ नहीं है, जबकि यह गणितीय दक्षता के लिए अत्यंत आवश्यक मानी जाती है। केवल 45 प्रतिशत बच्चे ही 99 तक की संख्याओं को सही पहचान पाते हैं। ये आंकड़े यह दर्शाते हैं कि शिक्षा में सुधार के लिए अभी बहुत कार्य किया जाना शेष है।

इन चुनौतियों का समाधान केवल पाठ्यपुस्तकों से संभव नहीं है। इसके लिए शिक्षण प्रक्रिया को अधिक रोचक, गतिविधि आधारित और अनुभवात्मक बनाना होगा। बच्चों को खेल-खेल में सीखने के अवसर देने होंगे, ताकि वे शिक्षा को बोझ नहीं बल्कि आनंद के रूप में ग्रहण करें। प्रायोगिक शिक्षा, समूह गतिविधियाँ, कहानी, चित्र, खेल और परियोजना आधारित शिक्षण बच्चों की समझ विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जब बच्चा स्वयं गतिविधियों में भाग लेता है, प्रयोग करता है और अपने अनुभवों से सीखता है, तब उसका ज्ञान अधिक स्थायी बनता है। शिक्षा को बच्चों के आसपास के वातावरण और जीवन से जोड़ना भी अत्यंत आवश्यक है। यदि बच्चा अपने दैनिक जीवन से संबंधित उदाहरणों के माध्यम से सीखता है, तो वह विषय को आसानी से समझ पाता है। उदाहरण के लिए, बाजार में खरीद-बिक्री के माध्यम से गणित, खेत और मौसम के माध्यम से विज्ञान तथा परिवार एवं समाज के माध्यम से सामाजिक विज्ञान को समझाया जा सकता है। इस प्रकार की जीवनोपयोगी शिक्षा बच्चों को वास्तविक दुनिया से जोड़ती है और उनमें व्यवहारिक समझ विकसित करती है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में व्यावसायिक शिक्षा को भी शिक्षा का अभिन्न अंग बनाया गया है। इसका उद्देश्य छात्रों को केवल सैद्धांतिक ज्ञान देना नहीं, बल्कि रोजगारोन्मुख व्यावहारिक कौशल प्रदान करना भी है। नई शिक्षा नीति के अनुसार बच्चों को प्रारंभिक स्तर से ही विभिन्न कौशलों और कार्यों से परिचित कराया जाएगा, ताकि वे भविष्य में आत्मनिर्भर बन सकें। इससे बच्चों में श्रम के प्रति सम्मान की भावना भी विकसित होगी और वे अपने जीवन में आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकेंगे।

समझ आधारित शिक्षा बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करती है। यह शिक्षा बच्चों को केवल परीक्षा पास करने के लिए नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करती है। यदि विद्यालय, शिक्षक और अभिभावक मिलकर बच्चों को समझ के साथ सीखने का वातावरण प्रदान करें, तो निश्चित रूप से शिक्षा का उद्देश्य सफल होगा और बच्चों का समग्र विकास संभव हो सकेगा। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम रटने की पुरानी पद्धति से आगे बढ़कर ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करें, जो बच्चों को सोचने, समझने और जीवन में आगे बढ़ने की वास्तविक क्षमता प्रदान करे।

-श्याम कुमार कोलारे

मयंकराज सिंह भदौरिया का राजपूत समाज चेतना मंडल द्वारा भव्य सम्मान

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राजपूत समाज चेतना मंडल के तत्वावधान में एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मयंकराज सिंह भदौरिया अमलतास एजुकेशनल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष को मध्य प्रदेश दिव्यांगजन आयुक्त समिति का सदस्य मनोनीत किए जाने पर राजपूत समाज द्वारा सम्मानित किया गया।

राजपूत समाज चेतना मंडल के राष्ट्रीय संयोजक रतनसिंह राजपूत के नेतृत्व में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने मयंकराज सिंह भदौरिया को साफा बांधकर, शाल ओढ़ाकर एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया। समाज की परंपरा अनुसार इस अवसर पर भदौरिया को सम्मान स्वरूप प्रतीकात्मक तलवार भी भेंट की गई।

मयंकराज सिंह भदौरिया के मनोनयन पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया और कहा कि यह नियुक्ति न केवल राजपूत समाज बल्कि संपूर्ण दिव्यांगजन समुदाय के लिए गौरव का विषय है। वक्ताओं ने विश्वास जताया कि भदौरिया अपने दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करेंगे और दिव्यांगजनों के कल्याण हेतु प्रभावी कार्य करेंगे।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष राजेशसिंह तोमर, शहर अध्यक्ष एडवोकेट गजराजसिंह सोलंकी, जिला अध्यक्ष ग्रामीण दुलेसिंह राठौड़, महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष श्रीमती मोनिका बैस, प्रदेश उपाध्यक्ष अनुपालसिंह चौहान, कोषाध्यक्ष श्री चंदरसिंह तोमर, प्रचार प्रमुख श्री भारतसिंह चौहान, संगठन महामंत्री श्री मनोज ठाकुर, सहसचिव श्री अर्जुनसिंह एवं श्री राहुलसिंह परिहार सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।सभी ने श्री भदौरिया को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं तथा उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की।

पति ने ही वायरल कर दिए पत्नी के आपत्तिजनक वीडियो

पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने किया मामला दर्ज

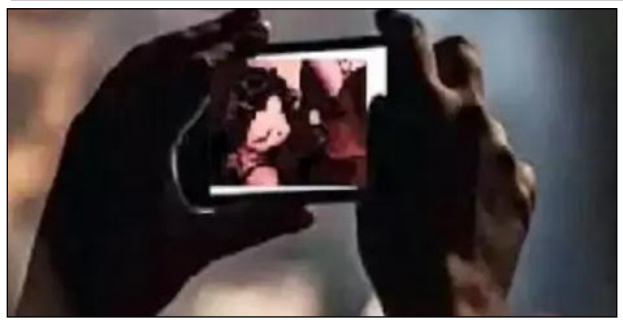

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले के मक्सी थाना क्षेत्र में एक महिला का अश्लील वीडियो वायरल होने का मामला सामने आया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने उसके तलाकशुदा पति के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मक्सी थाने पहुंची 34 वर्षीय महिला ने पुलिस को लिखित शिकायत दी। उसने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2010 में हुई थी। शादी के दौरान उसके पति ने निजी वीडियो बना लिए थे। करीब दो माह पहले दोनों ने आपसी सहमति से तलाक ले लिया था और तब से वे अलग रह रहे थे। महिला ने आरोप लगाया कि तलाक के बाद भी पूर्व पति उसे लगातार मोबाइल फोन पर धमकी दे रहा था। वह कहता था कि यदि महिला उसके पास वापस नहीं आई तो वह वीडियो वायरल कर देगा। शिकायत के अनुसार आरोपी ने महिला का अश्लील वीडियो उसके रिश्तेदार के व्हाट्सएप नंबर पर भेज दिया। रिश्तेदार से जानकारी मिलने के बाद महिला को इस घटना का पता चला।

पुलिस ने किया मामला दर्ज- मक्सी पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर रविवार को आरोपी पूर्व पति के खिलाफ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2008 की धारा 67 (ए) के तहत अपराध दर्ज किया है। पुलिस मोबाइल नंबर और वीडियो वायरल करने के संबंध में तकनीकी जांच कर रही है। मक्सी थाना प्रभारी संजय वर्मा ने बताया कि आरोपी फरार है और उसकी तलाश की जा रही है।

नगर में निकला आरएसएस का पथ संचलन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के 15 दिवसीय शैक्षणिक वर्ग के तहत रविवार शाम करीब 6 बजे पद संचलन निकाला गया। यह कार्यक्रम सरस्वती शिशु मंदिर में आयोजित वर्ग के अंतर्गत हुआ, जिसमें लगभग 300 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। संचलन को लेकर पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा और पूरे मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था तैनात की गई थी।

पथ संचलन की शुरुआत स्टेडियम ग्राउंड से हुई। स्वयंसेवक दुपाड़ा रोड होते हुए गौरी गार्डन पहुंचे और फिर वापस लौटकर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर परिसर में संचलन का समापन किया। मार्ग में कई स्थानों पर लोगों ने स्वयंसेवकों का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। संचलन के दौरान स्वयंसेवक पूर्ण गणवेश में अनुशासनबद्ध तरीके से कदमताल करते दिखे। इस आयोजन में संघ की परंपरा के अनुरूप अनुशासन और संगठनात्मक एकता स्पष्ट रूप से दिखाई दी। स्वयंसेवकों ने निर्धारित पंक्तियों में शांतिपूर्वक नगर भ्रमण किया। कार्यक्रम में संघ पदाधिकारियों और स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थित रहे। यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल लगातार तैनात रहा।

देवास में आईआरएडी परियोजना के तहत पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री मनीष कुमार खत्री ने बताया कि सड़क हादसों में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए, भारत सरकार द्वारा आईआरएडी परियोजना प्रारंभ की गई है। यह परियोजना प्रधानमंत्री राहत योजना के अंतर्गत केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा संचालित की जा रही है। इसका उद्देश्य सड़क दुर्घटनाओं का एकीकृत डाटाबेस तैयार करना, दुर्घटनाओं का विश्लेषण करना तथा दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी कदम उठाना है। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी ने बताया कि परियोजना का मुख्य उद्देश्य सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को जल्द से जल्द नजदीकी अस्पताल पहुंचाकर तत्काल उपचार उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति का प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत 1.5 लाख रुपए तक का कैशलेस उपचार निःशुल्क किया जाएगा।

जिला सूचना विज्ञान अधिकारी ने बताया कि इसी क्रम में एसपी कार्यालय के सभागार, देवास में विगद दिवस को जिले के सभी थानों की 112 टीम के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद एवं यातायात टीआई श्री पवन बागड़ी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद ने जिले के समस्त डायल 112 टीम एवं स्टाफ से चर्चा करते हुए सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्तियों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने तथा प्रधानमंत्री राहत योजना के तहत कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाने की प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने सभी कर्मचारियों को दुर्घटना के समय त्वरित कार्रवाई एवं समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण सत्र के दौरान एनआईसी के जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री मनीष कुमार खत्री एवं जिला रोल आउट मैनेजर श्री हेमंत माली ने पुलिस अधिकारियों को आईआरएडी पोर्टल और मोबाइल ऐप की कार्यप्रणाली की विस्तृत जानकारी दी।

हादसा नहीं साजिश रचकर की गई साध्वी जी की हत्या

सकल जैन समाज ने लगाया आरोप, मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रीवा में सड़क हादसे में हुई दो साध्वियों की मौत को लेकर सकल जेन समाज ने जिला प्रशासन को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर निंदा की है। समाजजनों ने साजिश का आरोप लगाकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

ज्ञापन में समाजजनों ने बताया कि कुछ दिनों पहले मप्र के रीवा में दिगंबर जैन समुदाय की तीन साध्वियां सड़क किनारे पैदल विहार कर रही थी। तभी एक तेज रफतार कार ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में पूज्य श्रुतमति माताजी एवं उपशममति माताजी का दुःखद निधन हो गया और एक अन्य आर्यिका माताजी गंभीर रूप से घायल हो गई। जिनका उपचार जारी है। घटना के बाद सामने आए सीसीटीवी विडियों फुटेज में कार साध्वियों को सड़क किनारे घुसकर टक्कर मारते हुए दिख रही है। जिस पर जैन एवं हिंदू समाज ने इसे हादसा मानने से इंकार करते हुए सुनियोजित साजिश की आशंका व्यक्त की है। इस हादसे को लेकर सकल जैन समाज अध्यक्ष सपन जैन के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि मामले में हत्या की धाराएं जोड़ी जाएं, मामले की एसआईटी अथवा न्यायिक जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही पदयात्रा करने वाले संतो के लिए विशेष मानक तय करने के साथ ही संत सुरक्षा समन्वय प्रकोष्ठ का गठन भी किया जाए। ज्ञापन का वाचन सकल जैन समाज मीडिया प्रभारी मंगल नाहर ने किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से सकल जैन समाज अध्यक्ष सपन जैन सहित वीरमणि तीर्थ धाम उपाध्यक्ष सुनील नाहर, सचिव मनोज गोलेछा, शैलेंद्र जैन ष्शैलीष्, मनोज नारेलिया, अजित जैन, शैलेन्द्र जैन, दिगंबर जैन समाज के पदाधिकारी बसंतकुमार जैन, अनिल जैन, दीपक जैन, कमल जैन, नितिन जैन, राहुल जैन, धर्मेंद्र जैन, सचिन जैन, राजेन्द्र जैन, राजकुमार जैन, श्रीपाल जैन, प्रवीण जैन, मुकेश जैन, प्रतीक जैन, संदीप जैन और रिंकू जैन सहित सकल जैन समाज के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सरकार ही नहीं समाज भी आगे आएः सांसद

चीलर नदी किनारे गंगा दशमी के अवसर पर की पूजा-अर्चना, लिया स्वच्छता व संरक्षण का संकल्प

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। गंगा दशमी पर सोमवार सुबह शाजापुर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कभी नगर की जीवन दायिनी कहलाने वाली चीलर नदी किनारे कार्यक्रम आयोजित किया गया। सोमवार सुबह करीब 11 बजे हाट मैदान स्थित गरासिया घाट पर इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे राजगढ़ सांसद रोडमल नागर पूजा-अर्चना कर जल संरक्षण और नदी स्वच्छता का संदेश दिया।

हालांकि कार्यक्रम के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा उस चिलर नदी की स्थिति को लेकर रही, जो कभी शहर की जीवनदायिनी मानी जाती थी, लेकिन अब नाले में तब्दील हो चुकी है। नदी में शहर के एक दर्जन से अधिक नालों का गंदा पानी मिल रहा है। नदी की बदहाल स्थिति देखकर स्वयं सांसद भी अचंभित नजर आए। पूजा के बाद उन्होंने मौजूद भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को नदी की सफाई और संरक्षण का संकल्प भी दिलाया। इस अवसर पर सांसद रोडमल नागर ने कहा कि गंगा दशहरा और अधिक मास के इस पावन अवसर पर जल संरक्षण, जल की शुद्धता और स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पानी बनाया नहीं जा सकता, लेकिन उसे बचाया जरूर जा सकता है। इसलिए जल को स्वच्छ बनाए रखना और उसके संरक्षण के लिए जनभागीदारी बेहद जरूरी है। नदी में फैली गंदगी पर सांसद ने कहा कि स्थिति देखकर उन्हें पीड़ा हुई है। उन्होंने कहा कि केवल पूजा करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि समाज को भी आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि नदी में गंदगी हम ही डालते हैं, इसलिए सबसे पहले लोगों को इसमें कचरा और गंदा पानी डालना बंद करना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार पैसा दे सकती है, लेकिन केवल पैसे से नदियां साफ नहीं होंगी, इसके लिए समाज की सहभागिता भी जरूरी है। इस अवसर पर सांसद रोडमल नागर, सर्व हिन्दू उत्सव समिति अध्यक्ष पं. आशीष नागर, भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. रवि पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराजसिंह सिसौदिया, नगर पालिका उपाध्यक्ष पं. संतोष जोशी, नगर महामंत्री विकास सिंदल, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शिवहरे सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व नगर के गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

जिले में गंगा दशहरे के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विभिन्न जल संरक्षण के लिए जलाश्यों, कुएं, बावड़ियों, नदियों, तालाबों के संरक्षण के लिए विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इसी के तहत सोमवार को गंगा दशहरे के अवसर पर जिले में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसी के तहत मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद ब्लॉक बागली के सेक्टर क्रमांक-5 अंतर्गत सीतावन उत्थान सेवा समिति उदयनगर द्वारा ग्राम पंचायत पोलाखाल के साथ मिलकर गंगा दशहरा के पावन अवसर पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम के प्राचीन कुएं, बावड़ी एवं तालाब सहित विभिन्न जल स्त्रोतों की साफ-सफाई एवं गहरीकरण का कार्य श्रमदान के माध्यम से किया गया। महिलाओं एवं ग्रामीणों द्वारा कलशों में जल भरकर गंगा कलश यात्रा निकाली गई। यहां यात्रा राम मंदिर पहुंची, जहां भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

कार्यक्रम में सीतावन उत्थान सेवा समिति के कार्यकर्ता एवं सीएमसीएलडीपी के छात्र सुनील नामदेव, बलवंत रावत, सुमित कढ़छले, ग्राम पंचायत सचिव धर्मेंद्र जी, सरपंच मनोहर सिंह भास्कर, कैलाश जी बघेल, मुन्ना साहेब, कान्हा कुशवाह, तुकाराम जी साहेब, प्रकाश जी उपसरपंच सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता महेश सोलंकी ने किया तथा अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी दिलीप सिंह भंडारी ने की। मुख्य वक्ता सीतावन मंडल अध्यक्ष अजय शर्मा ने मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जल है तो कल है, इसलिए जल का संरक्षण एवं संग्रहण करना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने जल स्त्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने एवं जल के सदुपयोग का संदेश दिया।

सविमं में आयोजित हुआ संघ शिक्षा वर्ग का मातृहस्त भोजन कार्यक्रम

187 परिवार हुए शामिल, कुटुंब प्रबोधन व पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संघ शिक्षा वर्ग के अंतर्गत रविवार को दुपाड़ा मार्ग स्थित सविमं परिसर में मातृहस्त भोजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जहां 187 परिवारों ने साथ मिलकर भोजन किया। जिससे कार्यक्रम में आत्मीयता व कुटुंब की भावना दिखी।

कार्यक्रम में नगर के 187 परिवारों की मातृशक्ति ने सहभागिता करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शिक्षार्थियों के लिए अपने हाथों से प्रेमपूर्वक भोजन तैयार कर लाया तथा स्वयं शिक्षार्थियों के साथ बैठकर भोजन ग्रहण कराया। कार्यक्रम का वातावरण भारतीय पारिवारिक संस्कारों, अपनत्व और स्नेह से ओतप्रोत दिखाई दिया। जहां मातृशक्ति ने स्वयं सेवकों को स्वादिष्ट पकवान व भोजन सामग्री का वितरण किया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप मे रतलाम विभाग प्रचारक कृष्णकांत जी ने अपने उद्बोधन में संत शिरोमणि संत रविदास जी की प्रेरणादायी कथा का वर्णन करते हुए समाज में समरसता, सेवा और संस्कारों के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में परिवार केवल संबंधों का समूह नहीं, बल्कि संस्कारों की प्रथम पाठशाला है। मुख्य वक्ता ने कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि परिवारों के माध्यम से ही समाज में संस्कार, सद्भाव और राष्ट्रभावना का विकास संभव है। साथ ही पर्यावरण संरक्षण को वर्तमान समय की आवश्यकता बताते हुए प्रत्येक परिवार को वृक्षारोपण एवं प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के समापन पर संघ शिक्षा वर्ग के शिक्षार्थियों द्वारा उपस्थित परिवारों को पर्यावरण संरक्षण के संदेश स्वरूप फलदार पौधे भेंट किए गए।

कलेक्टर एवं एसपी ने राहवीरों को सम्मानित कर 25 हजार रूपये की प्रोत्साहन तथा पीएम राहत योजना और हिट एंड रन योजना अंतर्गत राहत राशि दी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री ऋतुराज सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद ने कलेक्टर कार्यालय सभाकक्ष में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में राहवीर योजना के अंतर्गत गोल्डन ऑवर में घायलों की मदद कर अस्पताल में घायलों पहुंचाने वालें नागरिकों को सम्मानित कर प्रशंसा पत्र एवं 25 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि दी तथा पीएम राहत योजना-2026 और हिट एंड रन योजना अंतर्गत राहत राशि वितरित की।

कार्यक्रम में राहवीर योजना अंतर्गत गोल्डन ऑवर में घायलों की मदद करने वाले 03 राहवीरों का सम्मान कर प्रशंसा-पत्र एवं 25 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि दी गई। इस दौरान बताया गया कि राज्य स्तर से राहवीर योजना अंतर्गत एक ओर प्रकरण स्वीकृत हो गया है, जिससे जिले में राहवीर योजना में अब 04 प्रकरण स्वीकृत हो गये है जो प्रदेश में सबसे ज्यादा है। राहवीर प्रकरणों की स्वीकृति में देवास प्रदेश में प्रथम है।

कार्यक्रम में बताया गया कि पीएम राहत योजना-2026 अंतर्गत सड़क दुर्घटना में घायल 200 से ज्यादा नागरिकों का निःशुल्क उपचार हुआ है। पीएम राहत योजना के तहत 166 घायल निःशुल्क उपचार उपरांत स्वस्थ होकर घर लौटे है। हिट एंड रन योजना-2022 अंतर्गत 68 परिवारों को 61 लाख रूपये की राहत राशि प्रदान की गई। जिसमें 18 मृतक व्यक्तियों के परिजनों को 36 लाख रूपये एवं 50 घालय व्यक्तियों को 25 लाख रूपये की राहत राशि दी गई।

कार्यक्रम में परिजनों ने अपनी आपबीती साझा की। परिजनों ने भावुक होते हुए उस कठिन समय को याद किया। उन्होंने बताया कि अचानक हुई अनहोनी ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया था। परिजनों ने योजना से मिली आर्थिक मदद मिलने पर सरकार और प्रशासन का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में राहवीर योजना, पीएम राहत योजना और हिट एंड रन योजना के तहत सराहनीय कार्य करने तथा संबंधितों योजना का लाभ दिलाने में अच्छा कार्य करने वाले अधिकारी/कर्मचारियों को भी सम्मानित किया गया।

पुलिस अधीक्षक श्री पुनीत गेहलोद ने कहा कि देवास के लिए आज महत्वपूर्ण दिन है। आरटीओ, पुलिस और जिला प्रशासन के संयुक्त प्रयास से आज राहवीर योजना के तहत राहवीरों को सम्मानित किया जा रहा है तथा पीएम राहत योजना और हिट एंड रन योजना के तहत राहत राशि वितरित की जा रही है। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस और परिवहन विभाग द्वारा निरंतर कार्य किए जा रहे है। संयुक्त रूप से किये जा रहे प्रयासों के शानदार परिणाम सामने आए हैं। पिछले एक साल से हर माह हो रही सड़क सुरक्षा बैठकों और बैठकों में लिए गए निर्णयों से जिले में सड़क हादसों में 25 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

मिला-जुला रहेगा नगर में नवतपा का असर, 30-31 में बारिश की संभावना, सुबह-शाम हवाएं कराएंगी राहत का एहसास

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नवतपा में तापमान आसमान छूता है और भीषण गर्मी से लोगों का बुरा हाल होता है। लेकिन इस बार नवतपा का नगर में मिला-जुला असर रहेगा। मौसम विभाग की माने तो 30 मई तक ही नवतपा में गर्मी का एहसास होगा। इसके बाद तापमान कम होने लगेगा। इस दौरान सुबह-शाम ठंडी हवाएं गर्मी से राहत देंगी। वहीं दिन में उमस का सामना करना होगा। इसके अलावा 30 या 31 मई को नगर में बारिश की भी संभावना है।

गौरतलब है नगरवासी पिछले करीब डेढ़ माह से भीषण गर्मी की चपेट में है और नगर का तापमान कई बार 45 डिग्री तक पहुंच चुका था। आशंका थी कि 25 मई से 2 जून तक नगरवासियों को इससे भी ज्यादा गर्मी का सामना करना होगा। लेकिन इस वर्ष नवतपा भीषण गर्मी वाला न होकर इसका नगर में मिला-जुला असर रहेगा। मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि नगर में 29 मई तक और तापमान में उछाल आएगा। इसके बाद गर्मी तो बनी रहेगी, लेकिन इसके साथ सुबह और शाम को ठंडी हवाओं की मौजूदगी से लोगों को गर्मी से राहत भी मिलेगी। उन्होंने बताया कि नया सिस्टम एक्टिव हो रहा है, जिसके चलते 30 या 31 मई को तेज वर्षा की भी संभावना है। जिससे गर्मी से लोगों को काफी हद तक राहत मिलेगी।

44 डिग्री के साथ हुई नवतपा की शुरूआत- सोमवार को नवतपा का पहला दिन था। इस दिन नगर का अधिकतम तापमान 44 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 28.5 डिग्री दर्ज किया गया। इस दिन पश्चिमी हवाओं की गति 14 किमी रही। जबकि आद्रता 26 प्रतिशत दर्ज की गई। मौसम विशेषज्ञ के अनुसार तापमान में खास परिवर्तन की संभावना नहीं है जो ऐसा ही बना रहेगा। इसके बाद तापमान कम होता रहेगा।

1 से शुरू होगी प्री-मानसून गतिविधि

मौसम विभाग की माने तो 1 जून से प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो जाएंगी। जिसके चलते दिन में तेज धूप खिलेगी। इसके बाद शाम को हल्की या मध्यम वर्षा होगी। इस दौरान तेज आंधी भी चल सकती है जिससे मौसम में ठंडक घुलेगी। यह क्रम 10 से 15 दिनों तक चलेगा। इसके बाद 16 जून से नगर में मानसूनी बारिश शुरू होने की संभावना है।

इंदौर जाते समय हादसे का शिकार हुए मां-बेटे

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सुनेरा थाना क्षेत्र में नेशनल हाईवे-52 पर सोमवार सुबह सड़क हादसे में मां-बेटे घायल हो गए। घटना सुबह करीब 10 बजे हुई, जब एक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क पर फिसल गई। बाइक को ओवरटेक करते समय वाहन से संतुलन खो दिया जिससे हादसा हो गया। बाइक के फिसलने से मां-बेटे दोनों सवारों को चोटें आई। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 टीम मौके पर पहुंची। पायलट महेंद्र सिंह जादौन और आरक्षक बृजमोहन यादव ने तत्परता दिखाते हुए घायलों को एंबुलेंस की मदद से शाजापुर जिला अस्पताल पहुंचाया। वहां उनका इलाज जारी है। घायलों की पहचान इंदौर निवासी अनुराग पिता रामबाबू और धापू बाई पति रामबाबू के रूप में हुई है। अनुराग के मुंह पर चोट लगी है।

सोशल मीडिया पर वैचारिक मतभेद या भाषाई पतन?

राजनीति में विरोध की सीमा लांघते अमर्यादित सुर, समाज के प्रबुद्ध वर्ग और आम जनता में भारी नाराजगी

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लोकतंत्र की आत्मा संवाद और सहमति-असहमतियों पर टिकी होती है। किसी भी जीवंत लोकतंत्र में किसी राजनीतिक दल, उसकी विचारधारा, शासकीय नीतियों या किसी राजनेता के निर्णयों का विरोध करना न केवल स्वाभाविक है, बल्कि यह हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार भी है। परंतु, वर्तमान डिजिटल युग में इस विरोध का स्वरूप बेहद विकृत और चिंताजनक होता जा रहा है।

विशेषकर बदनावर क्षेत्र के स्थानीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स फेसबुक, व्हाट्सएप ग्रुप्स आदि पर राजनीतिक विरोध के नाम पर जिस तरह की अमर्यादित भाषा, अभद्र टिप्पणियों और व्यक्तिगत छींटाकशी का दौर चल पड़ा है, उसने क्षेत्र के गंभीर और प्रबुद्ध नागरिकों को चिंता में डाल दिया है। आज विचारणीय प्रश्न यह है कि राजनीति में मतभेद होना तो स्वीकार्य है, लेकिन इसे मनभेद और व्यक्तिगत दुश्मनी में बदल देना कहाँ तक न्यायसंगत है?

बदनावर क्षेत्र का राजनीतिक इतिहास बेहद समृद्ध और आदर्शवादी रहा है। वर्तमान पीढ़ी और सोशल मीडिया पर जहर उगलने वाले समर्थकों को यह याद रखने की जरूरत है कि बदनावर की पावन धरा पर पहले भी राजनीति के कई दिग्गज नेता एक-दूसरे के धुर विरोधी रहे हैं। वैचारिक धरातल पर उनके बीच की राजनीतिक लड़ाइयां बेहद बड़ी और तीखी होती थीं, लेकिन इसके बावजूद इतिहास गवाह है कि कभी भी किसी दिग्गज नेता या उनके निष्ठावान समर्थकों ने विरोध में स्तरहीन, अमर्यादित या ओछी भाषा का उपयोग नहीं किया। अतीत में जब भी ये विपरीत विचारधारा के दिग्गज नेता किसी सार्वजनिक मंच, सामाजिक कार्यक्रम या चौराहे पर आमने-सामने मिलते थे, तब उनकी आपसी गर्मजोशी, आदर-सत्कार और सम्मान देखने लायक होता था। राजनीति अपनी जगह थी और व्यक्तिगत संबंध अपनी जगह। चुनाव के समय विचारों की दूरी होना बेहद लाजमी और स्वाभाविक है, परंतु चुनाव परिणाम आने के बाद तात्कालिक कड़वाहट को भुलाकर शांत व सहज हो जाना ही बदनावर के संस्कारवान नागरिकों की असली पहचान है। आज की युवा पौध को अपने अतीत के इन दिग्गजों के आचरण से यह बड़ी सीख लेने की महती आवश्यकता है।

यदि आज के समकालीन राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डाली जाए, तो सत्ता और संगठन के समीकरण बहुत तेजी से बदलते दिखाई देते हैं। बदनावर विधानसभा क्षेत्र स्वयं इस बात का साक्षी रहा है कि राजनीति में समीकरण कितनी तेजी से बदलते हैं। कल तक जो राजनेता किसी एक दल की विचारधारा का मुख्य चेहरा था और विरोधी खेमे की आंखों में खटकता था, वही नेता आज परिस्थितियों या जनहित के दावों के साथ विरोधी दल के मंच पर बैठकर माला पहनता नजर आता है। राजनीति का यह पल-पल बदलता चरित्र यह सिद्ध करने के लिए पर्याप्त है कि इस क्षेत्र में स्थायी रूप से न तो कोई मित्र होता है और न ही कोई शत्रु। ऐसे में, सोशल मीडिया पर किसी नेता या दल के समर्थन में अंधे होकर एक-दूसरे के खून के प्यासे बनने वाले बदनावर के आम कार्यकर्ताओं, समर्थकों और युवाओं को आत्ममंथन करने की आवश्यकता है। जब शीर्ष स्तर के राजनेता मंचों के पीछे एक-दूसरे से आत्मीयता से हाथ मिलाते हैं, बकायदा चाय पर चर्चा करते हैं और आपसी गरिमा बनाए रखते हैं, तो धरातल पर आम जनता और कार्यकर्ता सोशल मीडिया पर आपस में रिश्ते खराब कर भाषाई मर्यादा की सीमा क्यों लांघ रहे हैं। हैरानी की बात तो यह है कि इस भाषाई गिरावट में केवल अपरिपक्व युवा ही शामिल नहीं हैं। बदनावर क्षेत्र के राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य में यह साफ देखा जा सकता है कि कई बार बेहद योग्य, अनुभवी, शिक्षित और समाज में सम्मानीय या जनप्रतिनिधि के पदों पर बैठे लोग भी सोशल मीडिया पर अपना मानसिक संतुलन और संयम खो देते हैं। राजनीतिक द्वेष या चुनावी प्रतिद्वंद्विता में आकर वे ऐसी टिप्पणियां कर बैठते हैं जो उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा और बदनावर की गौरवशाली राजनीतिक परंपरा के सर्वथा विपरीत होती हैं।

सत्ता और संगठन के स्तर पर आपसी खींचतान, टिकट की दौड़ या वर्चस्व की लड़ाई होना राजनीति का एक हिस्सा हो सकता है, लेकिन किसी के भी द्वारा उपयोग किए गए अभद्र और अमर्यादित शब्दों का समर्थन बदनावर की जागरूक जनता कभी नहीं करती। जनता ऐसे नेताओं या समर्थकों को भले ही सामने न टोके, लेकिन मतदान के समय और अपने मन में उनके प्रति सम्मान का भाव हमेशा के लिए समाप्त कर लेती है।

किसी सार्वजनिक मंच या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आपके द्वारा लिखे गए शब्द या की गई टिप्पणियां केवल आपकी राजनीतिक निष्ठा या आपकी पार्टी के प्रति वफादारी को नहीं दर्शातीं। बल्कि, वे सीधे तौर पर समाज के सामने आपकी व्यक्तिगत परवरिश, आपके पारिवारिक संस्कार और आपके मानसिक स्तर को उजागर कर देती हैं। गाली-गलौज या अमर्यादित भाषा का सहारा वही व्यक्ति लेता है जिसके पास तर्कों का अभाव होता है। जब वैचारिक रूप से किसी को परास्त नहीं किया जा पाता, तब लोग अमर्यादित होकर व्यक्तिगत कीचड़ उछालने लगते हैं, जो कि एक स्वस्थ समाज के लक्षण नहीं हैं।

इस अनियंत्रित सोशल मीडिया वॉर का सबसे बुरा असर बदनावर क्षेत्र के आपसी ताने-बाने और नई पीढ़ी पर पड़ रहा है। यहाँ ग्रामीण और शहरी अंचलों का युवा वर्ग इन अमर्यादित पोस्ट्स को देखकर यह मान बैठा है कि राजनीति का मतलब सिर्फ गाली-गलौज और सामने वाले को नीचा दिखाना ही है। इससे क्षेत्र का आपसी भाईचारा बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। कल तक जो लोग विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों, त्योहारों या नगर के चौराहों पर आपस में बैठकर आत्मीय चर्चा करते थे, आज वे सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। राजनीति में विरोध हमेशा नीतियों, निर्णयों, अधूरे विकास कार्यों और जनता के वास्तविक मुद्दों पर केंद्रित होना चाहिए, न कि किसी व्यक्ति के चरित्र या उसकी व्यक्तिगत गरिमा पर। बदनावर के सोशल मीडिया यूजर्स और उंगलियां चलाने वाले हर वर्ग को आज यह कड़ा संदेश समझने की जरूरत है कि आपके द्वारा पोस्ट किया गया एक भी अमर्यादित शब्द क्षेत्र की समरसता को कमजोर करता है। पद, प्रतिष्ठा, सत्ता और राजनीतिक दल तो मौसम की तरह आते-जाते रहेंगे, परंतु समाज में आपकी स्थायी पहचान केवल और केवल आपके द्वारा बोले गए मर्यादित शब्दों, आपके व्यवहार और आपके चरित्र से ही टिकी रहेगी। इसलिए विरोध को वैचारिक और गरिमापूर्ण रहने दें, उसे व्यक्तिगत गाली-गलौज का अखाड़ा न बनने दें।

शरद जैन मित्र मण्डल द्वारा गांग व भंसाली का किया स्वागत दी बधाई

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्री आदिनाथ फैमिली ग्रुप द्वारा सर्वसम्मति से दीपक गांग को अध्यक्ष तथा कुशल भंसाली को सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर शरद जैन मित्र मण्डल द्वारा नव नियुक्त पदाधिकारियों का राजस्थानी पगड़ी एव माला से गर्मजोशी से स्वागत करते हुए उन्हें शुभकामनाएं देकर मुह मिठा कराया तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की आशा व्यक्त की। सदस्यों ने कहा कि नए नेतृत्व में संगठन सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में और अधिक सक्रिय भूमिका निभाएगा। अंत में सभी ने दीपक गांग एवं कुशल भंसाली को नई जिम्मेदारी मिलने पर हर्ष व्यक्त करते हुए बहुत-बहुत बधाइयां एवं शुभकामनाएं दीं।

इन्होंने दी बधाई - राजेश सकलेचा, शरद जैन, मनीष चपलोत, अमित बम, मनोज गांग, राकेश ओरा, सन्तोष नाहटा, प्रकाश चपलोत,आशिष पोखरना, अभिषेक कोलन, मनीष धाकड,निलेश चपलोत, मुकेश घोका एक निलेश जैन बधाई दी।

पांच दिवसीय अली क्रिकेट क्लब अलीसर खेड़ी, क्रिकेट के दीवानों का उमड़ा जनसैलाब

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया शुजालपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम अली सरखेड़ी गांव में 22 मई से पांच दिवसी नाइट टूर्नामेंट कार्यक्रम जयवर्धन सिंह फ्रेंड्स क्लब सुजालपुर के तत्वाधान में आयोजित किया गया था नाइट टूर्नामेंट कार्यक्रम के तीसरे दिन रविवार को कार्यक्रम स्थल पर अली क्रिकेट क्लब के सदस्य द्वारा नाइट टूर्नामेंट कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद डॉ राघवेंद्र प्रताप सिंह अजब सिंह पवार मनोज पवार गोविंद सिंह जी परमार शुजालपुर विधानसभा महासचिव धर्मेंद्र सिंह सिसोदिया धर्मराज सिंह परमार आदि अतिथि के रूप में मौजूद थे जहां अली क्रिकेट क्लब द्वारा सभी अतिथियों का साल श्री फल वा साफा बांध कर माला पहनाकर सभी अतिथियों का स्वागत किया पांच दिवसीय नाइट टूर्नामेंट कार्यक्रम में तीसरे दिन टिटोडी खेड़ा एवं बछानिया गांव के बीच में मैच हुआ था जहां कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ राघवेंद्र प्रताप सिंह जी ने भी छक्का मार कर एक इतिहास बनाया।

जब सुर मिले तो तस्वीर बदली

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर नीमच में एक अनूठा और प्रेरणादायक दृश्य देखने को मिला। ग्राम सावनकुण्ड स्थित ऐतिहासिक बावडी नीमच पर राज्य सभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर की अगुआई एवं कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा की प्रेरणादायक मौजूदगी में जनप्रतिनिधि, अधिकारी और आमजन एक साथ उतरे। किसी ने झाड़ू, तसला थामा, किसी ने फावड़ा उठाया और किसी ने कुदाल संभाली। सब कतारबद्ध होकर बावडी की सफाई में जुट गए। यह दृश्य ÷मिले सुर मेरा तुम्हारा, तो सुर बने हमारा÷ की भावना को साकार कर रहा था। प्रदेश सरकार द्वारा चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत इस सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम का जिला प्रशासन ने आयोजन किया गया था।

जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने दिखाया जज्बा, मैदान में उतरकर थामा फावड़ा व तसला

इस सामूहिक श्रमदान में सांसद श्री गुर्जर, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदा बाई धनगर, श्री प्रेमसिह परिहार, व जनअभियान परिषद के वालिन्टियर्स, जनप्रतिनिधियों ने कंधे से कंधा मिलाकर बढ़-चढ़कर श्रमदान किया। वहीं प्रशासनिक मोर्चे पर कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा, जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, जनपद सीईओ श्री आरिफ खान,जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विरेन्द्र सिह ठाकुर, सहित अनेक अधिकारी भी पूरे जोश के साथ श्रमदान की इस कतार में शामिल हुए।

सुंदराबाद में मनाया गंगा दशहरा उत्सव, कलश यात्रा निकाल कर किया जल स्त्रोत पूजन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान मध्य प्रदेश सरकार का एक महत्वपूर्ण अभियान है, जनता के सहयोग से ही जल संरक्षण संभव है। आज गंगा दशहरा है इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को जल की बचत के जतन करना चाहिए एवम अधिक से अधिक पौधे लगाकर उनका संरक्षण करना चाहिए।

उपरोक्त विचार जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री अंतरसिंह देवड़ा ने गंगा दशहरा पर ग्राम पंचायत सुंदराबाद द्वारा आयोजित जल संवाद के दौरान मुख्य अतिथि के रूप में व्यक्त किए। विशेष अतिथि जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोवर्धनलाल मालवीय ने कहा कि सुंदराबाद में जल स्तर बढ़ाने के लिए सराहनीय कार्य हुए हैं। यहां की पंचायत जितनी सक्रिय है उतनी ही यहां की प्रस्फुटन समिति भी सक्रियता के साथ कार्य कर रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच श्रीमती ज्योति पंड्या ने की। सरपंच प्रतिनिधी अजय पंड्या सजग ने कहा कि ग्राम पंचायत पर्यावरण एवं जल संग्रहण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। यहां पांच से अधिक जल इकाई का निर्माण किया गया है। जिसमें प्रस्फुटन तालाब भी शामिल है। पर्यावरण पर भी विशेष ध्यान दिया गया है और पौधों से भी जल स्तर बढ़ता है। जन अभियान परिषद की विकासखंड समन्वयक श्रीमती रेणुका श्रोत्रिय ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार की मंशानुरूप आज गंगा दशहरा पर विकासखंड के लगभग सभी ग्राम पंचायत में जनभागीदारी से जल गंगा कलश यात्रा श्रमदान, भजन आदि ग्रामीणों का साथ किए जा रहे है। कार्यक्रम के प्रारंभ में शीतला माता प्रांगण से मातृशक्ति की कलश यात्रा प्रारंभ हुई तथा महादेव मंदिर पर जलाभिषेक किया गया जहां भजन प्रस्तुति हुई। विभिन्न स्थानों पर कलश यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। तत्पश्चात सभी अमृत सरोवर तालाब पहुंचे जहां पर जल स्रोतो का पूजन अर्चन किया गया। अतिथियों का स्वागत सरपंच प्रतिनिधि अजय पंड्या सजग, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष घनश्याम सिंह पंड्या, ग्राम पंचायत सचिव धर्मेंद्र बैरागी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा भट्ट, संध्या राठौर, सहायिका माया परमार, आशा कार्यकर्ता रानू परमार, श्रवणसिंह पवार, श्याम जायसवाल, तिलक पंड्या, दूलेसिंह पवार, हर्षित पंड्या, नवांकुर संस्था के मुकेश शर्मा, नोडल अधिकारी गेंदालाल चौहान, राहुल शर्मा आदि ने किया।

मौन जुलूस निकालकर जैन समाज ने संत सुरक्षा हेतु सौंपा ज्ञापन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनांक 20 मई 2026 को रीवा में विहाररत जैन आर्यिका साध्वी संघ के साथ हुई अत्यन्त दुखद एवं हृदयविदारक दुर्घटना के विरोध एवं पूज्य आर्यिका माताजी को भावपूर्ण विनयांजलि अर्पित करने हेतु सकल जैन श्री संघ वर्धमानपुर, बदनावर द्वारा आज नगर में विशाल मौन जुलूस आयोजित किया गया।

उल्लेखनीय है कि रीवा में प्रातःकाल एक ऑल्टो कार द्वारा विहाररत जैन साध्वी संघ को टक्कर मार दी गई थी, जिसमें संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज से दीक्षित पूज्य आर्यिका श्री उपशम मति माताजी एवं पूज्य आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी को गंभीर चोटें पहुँचीं और दोनों पूज्य माताजी की असामयिक समाधि हो गई। इस घटना से सम्पूर्ण जैन समाज में गहरा दुःख, आक्रोश एवं चिंता का वातावरण व्याप्त है।

इसी संदर्भ में आयोजित मौन जुलूस में बड़ी संख्या में पुरुष, महिलाएं एवं बच्चों ने शांत, अनुशासित एवं गरिमामय रूप से सहभागिता की। समाजजन हाथों में संत सुरक्षा, अहिंसा एवं न्याय से संबंधित संदेश एवं मांगों की तख्तियां लेकर नगर के प्रमुख मार्गों से होकर निकले।

तख्तियों पर- संत सुरक्षा हेतु राष्ट्रीय नीति लागू करो, विहाररत संतों को सुरक्षा दो, मानवता का सम्मान करो, संत सुरक्षा – राष्ट्र की नैतिक जिम्मेदारी, अहिंसा के पथ पर चलने वाले संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करो तथा पूज्य आर्यिका माताजी को भावपूर्ण विनयांजलि जैसे संदेश अंकित थे, जो समाज की भावनाओं एवं मांगों को व्यक्त कर रहे थे।

पूरे जुलूस के दौरान समाजजनों ने पूर्ण शांति एवं अनुशासन बनाए रखा। मौन जुलूस नगर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होता हुआ बस स्टैंड पहुंचा, जहां समाज प्रमुखों द्वारा उपस्थित समाजजनों को संबोधित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि जैन साधु-संत पूर्णतः अहिंसक, निहत्थे एवं पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं, जो समाज को संयम, शांति एवं अहिंसा का संदेश देते हैं। ऐसे तपस्वियों के साथ इस प्रकार की घटनाएं अत्यंत पीड़ादायक एवं चिंताजनक हैं।

इस अवसर पर मध्यप्रदेश शासन के मुख्यमंत्री महोदय, गृहमंत्री महोदय, जिलाधीश धार एवं पुलिस अधीक्षक धार के नाम ज्ञापन प्रस्तुत किया गया, जो SDM महोदया एवं SDOP महोदय बदनावर के माध्यम से सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन समाजजनों की उपस्थिति में किया गया।

ज्ञापन में रीवा दुर्घटना प्रकरण की निष्पक्ष SIT अथवा न्यायिक जांच कराने, सभी CCTV फुटेज एवं डिजिटल साक्ष्यों को सुरक्षित रखने, दोषियों पर कठोर वैधानिक कार्यवाही करने, विहाररत साधु-संतों की सुरक्षा हेतु संत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने तथा भारत सरकार एवं राज्य शासन द्वारा राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति बनाए जाने की मांग प्रमुख रूप से रखी गई। साथ ही स्थानीय प्रशासन एवं समाज के मध्य Sant Security Coordination Cell के गठन की मांग भी की गई। समाज की ओर से शासन एवं प्रशासन से आग्रह किया गया कि इस अत्यन्त संवेदनशील विषय पर शीघ्र, निष्पक्ष एवं प्रभावी कार्यवाही सुनिश्चित की जाए तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने हेतु ठोस व्यवस्था बनाई जाए।

कार्यक्रम का समापन शांतिपूर्वक विनयांजलि एवं संत सुरक्षा के संकल्प के साथ हुआ।

गंगा दशहरा पर बावड़ी पूजन कर ली जल संरक्षण की शपथ ली

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उन्हेल ग्राम पंचायत सरवना उन्हेल एवं जन अभियान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड खाचरोद नवांकुर सेक्टर उन्हेल के ग्राम सरवना में गंगा दशहरा के पावन पर्व पर जल स्त्रोत छोटी बावड़ी पक्के कुएं का पूजन किया गया व इसके आसपास श्रमदान कर साफ सफाई की गई।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ग्राम पंचायत सरवना उन्हेल सरपंच प्रतिनिधि कालुसिंह चंद्रवंशी व उप सरपंच टीकम सिंह देवड़ा ने जल स्त्रोत का पूजन कर कार्यक्रम की शुरुआत की तत्पश्चात अतिथियों सहित उपस्थित ग्रामीण जनों ने जल स्त्रोत के आस पास श्रमदान किया तथा सब इंजीनियर पप्पू कुमार डावर ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया एवं जल संरक्षण की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर सी एम इंटर्न संतोष राठौड़ पंच करणसिंह गुर्जर गुलाब सिंह गुर्जर विष्णु गुर्जर लक्ष्मण प्रजापत तोलाराम मालवीय गोपाल चंद्रवंशी धर्मेन्द्र चंद्रवंशी अर्जुन चंद्रवंशी सहित अन्य ग्रामीण जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन जन अभियान परिषद नवांकुर संस्था सचिव कमलदास बैरागी ने किया एवं आभार ग्राम पंचायत सरवना सचिव मुकेश वर्मा ने माना। इसके साथ ही जन अभियान परिषद उन्हेल सेक्टर की अन्य प्रस्फुटन समितियां उन्हेल सेकड़ी सुल्तानपुर बेड़ावन दल्लाहेड़ा बरखेड़ा मांडन ने अपने अपने प्रस्फुटन गांव में गंगा दशहरा पर जल स्त्रोत पूजन कर जल संरक्षण पर कार्यक्रम आयोजित किए एवं जल संरक्षण की शपथ ली।

पेसा मोबिलाइज़र्स को सेवामुक्त करने के विरोध में जयस ने खोला मोर्चा

राज्यपाल के नाम धार तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पंचायत राज संचालनालय मध्य प्रदेश द्वारा प्रदेश के हजारों पेसा मोबिलाइज़र्स को तत्काल प्रभाव से सेवामुक्त किए जाने के आदेश के बाद आदिवासी अंचलों में आक्रोश पनपने लगा है। इसी कड़ी में सोमवार को धार जिला मुख्यालय पर जय आदिवासी युवा शक्ति (जयस) संगठन के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं और मोबिलाइज़र्स ने एकत्रित होकर प्रदर्शन किया। संगठन द्वारा महामहिम राज्यपाल के नाम धार तहसीलदार को एक ज्ञापन सौंपकर सेवामुक्ति आदेश को तत्काल निरस्त करने और सभी मोबिलाइज़र्स को पुनः सेवा में बहाल करने की पुरजोर मांग की गई।

तहसीलदार को सौंपे गए ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची के अंतर्गत अधिसूचित मध्य प्रदेश के 89 आदिवासी विकासखंडों में राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) के तहत वर्ष 2020 में पेसा मोबिलाइजर्स की नियुक्तियां की गई थीं। परंतु, पंचायत राज संचालनालय के आदेश दिनांक 18 मई 2026 के माध्यम से आरजीएसए योजना समाप्त होने का हवाला देकर प्रदेश के 5254 पेसा मोबिलाइज़र को अचानक सेवामुक्त कर दिया गया है। शासन के इस एकतरफा निर्णय से प्रदेश के हजारों परिवारों के सामने अचानक आजीविका और जीवनयापन का गहरा संकट खड़ा हो गया है।

जयस नेताओं ने बताया कि पेसा मोबिलाइज़र्स ने पिछले कई वर्षों से आदिवासी एवं अत्यंत दुर्गम क्षेत्रों में जाकर ग्राम सभाओं को सक्रिय बनाने, पेसा एक्ट और वनाधिकार कानून के प्रति ग्रामीणों में जागरूकता फैलाने का काम किया है। उन्होंने शासन की कल्याणकारी योजनाओं को अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुँचाने तथा ग्रामीणों एवं प्रशासन के बीच एक मजबूत सेतु के रूप में कार्य किया है। इसके अतिरिक्त शासकीय सर्वे, प्रशिक्षण शिविर एवं पंचायत स्तरीय गतिविधियों में भी इनका योगदान सराहनीय रहा है। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि इस जनविरोधी आदेश को तत्काल वापस लेकर आदिवासी क्षेत्रों में ग्राम सभा सशक्तिकरण के कार्य को निरंतर जारी रखा जाए।

इस अवसर पर जयस के जिला अध्यक्ष सुनील डाबर, जिला सचिव संतोष मुनिया, जिला महामंत्री विक्रम भाभर, भेरूलाल वसुनिया, अनिल ग्रेवाल, अजीत गणावा, प्रवीण कटारे, एडवोकेट दिलीप वसुनिया, एडवोकेट राकेश मुनिया, ओमप्रकाश वानिया, दिलीप पाडर, अरविंद राठौर, रामलाल डिंडोर, विक्रम राठौड़ एवं पप्पू वसुनिया सहित बड़ी संख्या में जयस कार्यकर्ता और प्रभावित मोबिलाइज़र्स उपस्थित रहे। उक्त आंदोलन और ज्ञापन की विस्तृत जानकारी जयस प्रभारी सुनील चौहान (टांडा) द्वारा प्रदान की गई।

लायंस नेशनल सोशल इम्पैक्ट अवार्ड से सम्मानित हुआ 'दिव्यांग सारथी' प्रोजेक्ट

स्नेह संस्थापक लायन डॉ पंकज मारू

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। लायंस इंटरनेशनल मल्टीपल डिस्ट्रिक्ट 3233 के वार्षिक अधिवेशन उर्विश 2026 के दौरान देश के अभिनव एवं प्रेरणादायी प्रोजेक्ट दिव्यांग सारथी को प्रतिष्ठित Lions National Social Impact Award से सम्मानित किया गया। यह सम्मान दिव्यांगजनों विशेषकर बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगता से जुड़े व्यक्तियों के सशक्तिकरण, शिक्षा एवं समावेशन हेतु तकनीक आधारित उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया गया।

लायंस ऑफ़ नागदा की स्थायी परियोजना स्नेह के सचिव लायन विनय राज शर्मा ने बताया कि यह सम्मान इंदौर स्थित संगीत कला अकादमी में आयोजित भव्य समारोह में लायंस के सेकंड इंटरनेशनल वाइस प्रेसिडेंट, केन्या के लायन डॉ. मनोज शाह, अन्तर्राष्ट्रीय निदेशक (एंडोर्सी) लायन कुलभूषण मित्तल तथा मल्टीपल काउंसिल चेयरपर्सन PMJF लायन मनीष शाह द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर वसीम मजहर एवं प्रोजेक्ट की एक्सपर्ट कमेटी के चेयरमैन डॉ. पंकज मारू को प्रदान किया गया।अतिथियों द्वारा प्रोजेक्ट की नवाचारपूर्ण सोच, समर्पण, समावेशी समाज निर्माण में योगदान एवं दिव्यांगजनों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने के प्रयासों की सराहना की गई।

इस अवसर पर डॉ. मारू ने कहा कि दिव्यांग सारथी देश में दिव्यांगजन शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी क्रांति लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जिससे लाखों बौद्धिक दिव्यांगजनों को लाभ मिलेगा। उल्लेखनीय है कि दिव्यांग सारथी प्रोजेक्ट भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय एवं मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी, हैदराबाद का संयुक्त नवाचार है, जिसमें AR/VR आधारित डिजिटल तकनीकों के माध्यम से बौद्धिक एवं विकासात्मक दिव्यांगता वाले व्यक्तियों के शिक्षण एवं मूल्यांकन हेतु एक आधुनिक सहायक प्रणाली विकसित की जा रही है। समारोह में देशभर से आए लायंस पदाधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने दिव्यांग सारथी प्रोजेक्ट की उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए इसे समाजहित में तकनीक के श्रेष्ठ उपयोग का प्रेरणादायी उदाहरण बताया।

कोद में समृद्ध किसान अभियान ने रचा इतिहास

500 से अधिक प्रगतिशील कृषकों ने 4 घंटे तक लिया आधुनिक खेती का अनूठा प्रशिक्षण

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षेत्र के कृषि इतिहास में एक नया स्वर्णिम अध्याय जोड़ते हुए कोद स्थित आनंद श्री रिसोर्ट में आयोजित समृद्ध किसान अभियान ङ्क किसान प्रशिक्षण शिविर 2026 एक ऐतिहासिक और अभूतपूर्व आयोजन साबित हुआ। क्षेत्र के 500 से अधिक अन्नदाताओं ने पूरे 4 घंटे तक अपूर्व उत्साह के साथ इस शिविर में भाग लिया। इस पूरे भव्य आयोजन की सबसे बड़ी विशेषता किसानों से किसानों को प्रशिक्षण की अनूठी थीम रही, जहाँ पारंपरिक भाषणबाजी के बजाय धरातल पर नवाचार कर रहे प्रगतिशील किसानों ने ही मंच संभाला और अपने वास्तविक अनुभवों को साथी कृषकों के साथ साझा किया।

कार्यक्रम को जीवंत और इंटरैक्टिव बनाने में क्षेत्र में किसान हितैषी कार्यों के लिए सदैव तत्पर रहने वाले युवा कृषि रणनीतिकार सचिन वासुदेव पाटीदार की मुख्य भूमिका रही। कार्यक्रम के सबसे आकर्षक और मुख्य भाग में सचिन पाटीदार ने मंच पर आए सभी विशेषज्ञ अतिथियों के साथ बैठकर एक बेहद रोचक और आत्मीय शैली में सवाल-जवाब का सिलसिला शुरू किया। पारंपरिक मंचों से इतर, सचिन पाटीदार द्वारा किए गए इस सीधे संवाद और व्यावहारिक प्रश्नों ने पूरे 4 घंटे तक पांडाल में बैठे किसानों को बांधे रखा और उनके मन में उठने वाली हर जिज्ञासा का समाधान कराया। कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन सुजीत घोड़पकर द्वारा अपनी चिरपरिचित प्रभावी शैली में किया गया।

शिविर में कृषि क्षेत्र के कई नामचीन विशेषज्ञों और सफल कृषकों ने विभिन्न तकनीकी विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इनमें मुख्य रूप से जैविक खेती विशेषज्ञ डॉ. नरेंद्र तांबे, औषधीय खेती विशेषज्ञ संदीप पाटीदार, उद्यानिकी व पॉलीहाउस विशेषज्ञ कैलाश पटेल, फलों की उन्नत खेती आम विशेषज्ञ कन्हैयालाल पटेल, अमरूद उत्पादक शुभम पाटीदार, ब्लूबेरी उत्पादक लखन पाटीदार एवं एवोकाडो विशेषज्ञ हर्षित गोधा थे। विशेषज्ञ नैमिष पाटीदार ने कृषकों को व्यापारिक बारीकियों से अवगत कराया। सत्र के दौरान फूलों की खेती, आधुनिक कृषि व्यवसाय और स्नक्क गठन जैसे गंभीर विषयों पर व्यावहारिक मंथन हुआ, जिसमें किसानों ने भी खुलकर अपनी शंकाएं रखीं।

इस वृहद अभियान की सफलता में सहयोगी संस्थाओं का भी विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम के मुख्य सहयोगी महालक्ष्मी मोटर्स (महिंद्रा ट्रैक्टर्स के अधिकृत विक्रेता) से लक्ष्मीदास पटेल तथा सह-सहयोगी सही फार्मिंग इनोवेशन से जितेंद्र पाटीदार रहे।

पूरे आयोजन को सुव्यवस्थित और भव्य रूप देने में भूमिपुत्र ग्रुप की टीम का मैनेजमेंट सबसे सराहनीय रहा। टीम के हेमंत पाटीदार, प्रहलाद पाटीदार, सुजीत पालोत्रा, संदीप भगत, अनिल चटकियां, रवि साकरिया, अनोखीलाल, दिनेश एवं नरेंद्र ने दिन-रात एक कर इस आयोजन को सफल बनाया।

समृद्ध किसान सम्मान और उपहारों की वर्षा- कृषि क्षेत्र में अनुकरणीय नवाचार करने वाले प्रगतिशील कृषकों को मंच से समृद्ध किसान सम्मान द्वारा सम्मानित कर उनका हौसला बढ़ाया गया। इसके साथ ही, कार्यक्रम में शामिल कृषकों के उत्साहवर्धन हेतु एक लकी ड्रा प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसके माध्यम से किसानों को विशेष उपहार वितरित किए गए।

शिविर में शामिल हुए क्षेत्र के कृषकों ने एक स्वर में कहा कि बदनावर अंचल में यह अब तक का सबसे अलग, अत्यधिक ज्ञानवर्धक और सीधा लाभ पहुँचाने वाला प्रशिक्षण कार्यक्रम रहा है। इस ऐतिहासिक आयोजन ने यह साफ संदेश दे दिया है कि अब बदनावर का किसान केवल पारंपरिक खेती के भरोसे नहीं बैठेगा, बल्कि वह नई सोच, आधुनिक तकनीक, नवाचार और कृषि को एक लाभकारी व्यवसाय के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा चुका है।

गंगा दशहरा पर जन अभियान परिषद की कलश यात्रा रही फीकी

पर्याप्त संख्या नहीं जुटने से प्रभात फेरी के साथ निकली यात्रा

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार को गंगा दशहरा पर्व के अवसर पर जन अभियान परिषद द्वारा जल स्त्रोत पूजन एवं कलश यात्रा का आयोजन किया गया। परिषद द्वारा इस आयोजन को लेकर तैयारियां की गई थीं और मनकामेश्वर महादेव मंदिर से परसुलिया रोड स्थित ओंकारेश्वर महादेव मंदिर तक कलश यात्रा निकालने की घोषणा की गई थी। लेकिन आयोजन अपेक्षित रूप नहीं ले सका। पर्याप्त संख्या नहीं जुटने के कारण यात्रा छोटी दूरी तक ही सीमित रह गई और कार्यक्रम केवल औपचारिकता बनकर रह गया। जानकारी के अनुसार जन अभियान परिषद के कार्यक्रम में परिषद से जुड़े मात्र 10 से 15 सदस्य ही शामिल हो सके। संख्या कम होने के कारण परिषद के सदस्यों ने नगर में प्रतिदिन निकलने वाली प्रभात फेरी के साथ ही यात्रा निकालने का निर्णय लिया। बताया जा रहा है कि परिषद के सदस्य विश्राम गृह परिसर में प्रभात फेरी के पहुंचने का इंतजार करते रहे। इसके बाद प्रभात फेरी के आगे बैनर लेकर सदस्य शामिल हुए और मनकामेश्वर महादेव मंदिर तक पहुंचे। सूत्रों की मानें तो परिषद द्वारा पहले मनकामेश्वर महादेव मंदिर से ओंकारेश्वर मंदिर तक कलश यात्रा निकालने की योजना बनाई गई थी लेकिन लोगों की कम उपस्थिति के चलते कार्यक्रम को सीमित करना पड़ा। इससे आयोजन की व्यवस्थाओं और परिषद की सक्रियता को लेकर भी चर्चा होती रही।उल्लेखनीय है कि नगर में पिछले करीब पांच महीनों से लगातार प्रभात फेरी निकाली जा रही है। मनकामेश्वर महादेव मंदिर से प्रारंभ होने वाली इस प्रभात फेरी में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होकर नगर के विभिन्न मोहल्लों में भजन-कीर्तन एवं धार्मिक गीतों का गुणगान करते हैं। प्रभात फेरी को नगरवासियों का अच्छा समर्थन मिल रहा है और धार्मिक माहौल बना हुआ है।

गंगा दशहरा जैसे धार्मिक पर्व पर आयोजित इस कार्यक्रम में अपेक्षा के अनुरूप भीड़ नहीं जुटने से नगर में दिनभर चर्चा का विषय बना रहा। वहीं कई लोगों का कहना था कि यदि आयोजन की पूर्व तैयारी और जनसंपर्क बेहतर होता तो यात्रा अधिक भव्य रूप ले सकती थी।

नौतपा की शुरुआत के साथ तपने लगा सुसनेर, पहले ही दिन लोगों का निकला पसीना

2 जून तक रहेगा नौतपा,भीषण गर्मी और लू से बढ़ी परेशानी

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सोमवार से नौतपा की शुरुआत हो गई है और पहले ही दिन भीषण गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया। सुबह से ही सूरज के तीखे तेवर देखने को मिले। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, गर्मी का असर भी बढ़ता गया। दोपहर के समय हालात ऐसे रहे कि लोगों के पसीने तक नहीं सूखे और उमस भरी गर्मी ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग परेशान नजर आए। नौतपा का यह दौर आगामी 2 जून तक रहेगा। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस दौरान सूर्य की किरणें सीधे धरती पर पड़ती हैं

जिससे तापमान में लगातार बढ़ोतरी होती है। पहले दिन ही तापमान और गर्म हवाओं ने लोगों को यह अहसास करा दिया कि आने वाले दिनों में गर्मी और अधिक तीखी हो सकती है। दोपहर के समय नगर की मुख्य सड़कें और बाजार काफी हद तक सूने दिखाई दिए। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकले। तेज धूप के कारण राहगीर सिर पर कपड़ा रखकर निकलते नजर आए, वहीं कई लोग पेड़ों और दुकानों की छांव में गर्मी से राहत पाने का प्रयास करते दिखे। दोपहिया वाहन चालकों को भी तेज गर्म हवाओं का सामना करना पड़ा। शाम के समय भी मौसम में राहत नहीं मिली। आमतौर पर शाम होते ही तापमान में कमी महसूस होती है। लेकिन सोमवार को देर शाम तक गर्म हवाएं चलती रहीं। लोगों का कहना था कि पूरे दिन गर्मी के कारण बेचैनी बनी रही और घरों में लगे कूलर व पंखे भी राहत देने में नाकाम नजर आए। बिजली की बढ़ती खपत के चलते कई क्षेत्रों में लो-वोल्टेज की समस्या भी देखने को मिली। गर्मी बढ़ने के साथ ही नगर में ठंडे पेय पदार्थों की मांग बढ़ गई। गन्ने के रस, शिकंजी, आइसक्रीम, ठंडे पानी और फलों के जूस की दुकानों पर लोगों की भीड़ दिखाई दी। वहीं सड़क किनारे लगे मटकों और प्याऊ पर राहगीर पानी पीते नजर आए।

भीषण गर्मी का असर सबसे अधिक छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बाहर काम करने वाले मजदूरों पर देखा गया। चिकित्सकों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक बाहर नहीं निकलने, अधिक मात्रा में पानी पीने और शरीर को ढंककर रखने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि लापरवाही बरतने पर लू लगने और डिहाइड्रेशन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

मौसम विभाग के अनुसार आगामी दिनों में तापमान में और बढ़ोतरी होने की संभावना है। ऐसे में नौतपा के दौरान लोगों को विशेष सतर्कता बरतने की आवश्यकता होगी।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत अतिप्राचीन सांकल बावड़ी की साफ-सफाई एवं गहरीकरण कार्य संपन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गंगा दशहरा के पावन अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी की अपील एवं शासन के निर्देशानुसार नगर परिषद बदनावर द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत नगर में स्थित अतिप्राचीन सांकल बावड़ी पर साफ-सफाई एवं गहरीकरण (गाद निकालने) का कार्य किया गया।

अभियान के दौरान जनप्रतिनिधियों, आमजन, सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के सहयोग से मानव श्रृंखला बनाकर लगभग 2 ट्रॉली गाद निकाली गई। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती मीना शेखर यादव एवं उपाध्यक्ष राजेन्द्रसिंह पंवार (फुन्दा बापु) ने बताया कि नगर में चिन्हित जल संरचनाओं, बावड़ियों, तालाबों एवं कुओं की साफ-सफाई एवं जीर्णोद्धार का कार्य जनसहभागिता से निरंतर किया जाएगा, जिससे जल संरक्षण एवं संवर्धन को बढ़ावा मिल सके। अभियान में पार्षद श्रीमती भारती राठौड़, श्रीमती अनिता संतोष चौहान, भूपेन्द्र मस्ताना, कन्हैयालाल गुर्जर, मीतेश शर्मा, समाजसेवी शेखर यादव, चेतन नागल, मुख्य नगर पालिका अधिकारी लालसिंह राठौर, उपयंत्री सारंग पौराणिक, राजस्व उपनिरीक्षक अशोक कुमार शर्मा सहित नगर परिषद के कर्मचारीगण एवं नागरिक उपस्थित रहे।

नगर परिषद द्वारा नागरिकों से जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने में सक्रिय सहभागिता की अपील की गई।

सीटीसी नीमच में 61 नव-नियुक्त अधीनस्थ अधिकारियों का बुनियादी प्रशिक्षण सह शपथ ग्रहण परेड संपन्न

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय प्रशिक्षण महाविद्यालय, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, नीमच में 25 मई को 61 नव-नियुक्त अधीनस्थ अधिकारियों (भूतपूर्व सैनिक) का बुनियादी प्रशिक्षण सह शपथ ग्रहण परेड समारोह आरटीसी परेड ग्राउंड में जोश एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि श्री दर्शन लाल गोला, निदेशक/प्राचार्य, सीटीसी, केरिपुबल, नीमच ने परेड की सलामी ली। परेड का नेतृत्व परेड कमांडर उप निरीक्षक/कैडेट मंजीत सिंह एवं परेड द्वितीय कमान अधिकारी उप निरीक्षक/कैडेट करण कुमार कौशल ने किया।

इस अवसर पर श्री प्रमोद कुमार सिंह, उप महानिरीक्षक आरटीसी नीमच, श्री छोटन ठाकुर, कमांडेंट आरटीसी नीमच, श्री प्रमोद कुमार साहू, कमांडेंट ग्रुप केंद्र नीमच, श्री जितेंद्र कुमार गुप्ता (पीएमजी), कमांडेंट/मुख्य प्रशिक्षण अधिकारी, श्री हरविंदर सिंह, कमांडेंट 04 सिग्नल, श्री आशीष भटनागर, उप कमांडेंट, श्री राजेश पांचाल, सहायक कमांडेंट, श्री विशाल कुमार चौहान, सहायक कमांडेंट एवं श्री मनोज कुमार, सहायक कमांडेंट सीटीसी नीमच सहित केरिपुबल के वरिष्ठ अधिकारी, स्थानीय प्रशासनिक व पुलिस अधिकारी, गणमान्य जनप्रतिनिधि, मीडिया कर्मी, जवान एवं उनके परिजन उपस्थित थे। 12 सप्ताह का गहन प्रशिक्षण= इन नव-नियुक्त अधीनस्थ अधिकारियों का बुनियादी प्रशिक्षण 02 मार्च 2026 से आरंभ हुआ था। 12 सप्ताह की अवधि में इन्हें बल के अनुशासन के साथ शारीरिक दक्षता, हथियार संचालन, युद्ध कौशल, कानून, प्रबंधन एवं निहत्थी लड़ाई का प्रशिक्षण दिया गया। इसके अतिरिक्त भीड़ व दंगा नियंत्रण, पुलिस-जनसंपर्क, मानवाधिकार, आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों का भी प्रशिक्षण दिया गया, ताकि ये जनता में सुरक्षा व विश्वास की भावना विकसित कर सकें।

जल है तो कल है : गंगा दशहरा पर नीमच में गूंजा जल संरक्षण का संकल्प

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में हर हाथ को काम एवं हर खेत पर पानी पहुंचाने के संकल्प के साथ प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान जन आंदोलन का रूप ले चुका है। जल संरचनाओं के निर्माण, संरक्षण एवं जीर्णोद्धार से भू-जल स्तर में निरंतर वृद्धि हो रही है।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत सावन में जिला स्तरीय जल चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर थे।

मुख्य अतिथि का संबोधन= सांसद श्री गुर्जर ने कहा कि जिला प्रशासन नीमच द्वारा जनसहयोग से चलाया जा रहा तालाबों का गहरीकरण अभियान सराहनीय है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने महिलाओं को सुविधा के साथ पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दिया है। हर घर नल से जल योजना से हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंच रहा है। उन्होंने सावन में स्टॉप डेम निर्माण हेतु राज्यसभा निधि से राशि स्वीकृत करने की घोषणा भी की।

कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने बताया कि जनभागीदारी से किए गए तालाब गहरीकरण कार्यों से जल संरचनाओं की जल भराव क्षमता में वृद्धि हुई है।

साथ ही किसानों को उनके खेतों के लिए निःशुल्क उपजाऊ मिट्टी उपलब्ध कराई गई है। आगामी वर्षा ऋतु में प्रत्येक ग्राम पंचायत में वृहद पौधारोपण किया जाएगा। स्टॉप डेम एवं चेकडेम के कार्य प्राथमिकता से स्वीकृत किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, जनपद अध्यक्ष श्रीमती शारदा बाई धनगर, पूर्व जनपद सदस्य श्री प्रेमसिंह परिहार, श्री अर्जुन सिंह सिसोदिया सहित जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ। सरपंच श्री जितेंद्र कुमार माली व ग्रामीणों ने साफा बांधकर अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन श्री महेंद्र गुर्जर ने किया। पूर्व सरपंच श्री मानसिंह गुर्जर ने भी संबोधित किया। अंत में सरपंच श्री माली ने आभार व्यक्त किया।

सुसनेर में ईद-उल-अजहा को लेकर शांति समिति की बैठक सम्पन्न

जनप्रतिनिधियों की अनुपस्थिति बनी चर्चा का विषय

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी त्योहार ईद-उल-अजहा एवं अन्य पर्वों को लेकर सोमवार को स्थानीय पुलिस थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक प्रातः 11=30 बजे एसडीओपी देवनारायण यादव के मुख्य आतिथ्य एवं तहसीलदार रामेश्वर दांगी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

बैठक में एसडीओपी देवनारायण यादव एवं थाना प्रभारी अक्षयसिंह बेस ने नगरवासियों से ईद-उल-अजहा का पर्व शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की। अधिकारियों ने नगर में साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर नगर परिषद स्टोर कीपर अखलाख खान एवं राजस्व निरीक्षक रामेश्वर पुष्पद को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही ईद के दिन नगर के प्रमुख मार्गों एवं गलियों में साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था का संयुक्त निरीक्षण करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में बताया गया कि इस वर्ष ईद-उल-अजहा का पर्व 28 मई को मनाया जाएगा। गर्मी को देखते हुए मुख्य नमाज प्रातः 8 बजे ईदगाह पर अदा की जाएगी, जहां देश एवं प्रदेश में अमन, सुकून, खुशहाली एवं भाईचारे की दुआ मांगी जाएगी।

इस अवसर पर शहर काजी हाफिज नवाब खान, जमीयत उलेमा हिंद अध्यक्ष हाफिज इमरान खान, लक्ष्मण सिंह कावल, भाजपा मंडल उपाध्यक्ष दिलीप जैन सारंग्याखेड़ी, सामाजिक कार्यकर्ता विष्णु भावसार, वरिष्ठ कांग्रेस नेता विष्णु पाटीदार, राकेश कानूड़िया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बैठक की व्यवस्था पर उठे सवाल- शांति समिति की बैठक को लेकर नगर में चर्चाओं का दौर भी चलता रहा। सूत्रों के अनुसार बैठक के निर्धारित समय पर अपेक्षित संख्या में लोग नहीं पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि तहसीलदार रामेश्वर दांगी समय पर थाना परिसर पहुंचे, लेकिन उपस्थिति कम होने के कारण कुछ समय बाद वापस चले गए। बाद में लोगों की मौजूदगी बढ़ने पर वे पुनः बैठक में शामिल हुए।

वहीं सामाजिक कार्यकर्ता पवन शर्मा सहित कई लोगों ने आरोप लगाया कि बैठक में जनप्रतिनिधियों, पत्रकारों एवं सामाजिक-धार्मिक संगठनों के सदस्यों को उचित तरीके से आमंत्रित नहीं किया गया। उनका कहना है कि भविष्य में इस प्रकार की बैठकों को अधिक प्रभावी एवं सहभागी बनाया जाना चाहिए, ताकि नगरहित के मुद्दों पर सार्थक चर्चा हो सके।

नवगठित जिला कॉंग्रेस कार्यकारिणी की हो रही सराहना, हर क्षेत्र को मिली जगह, दिग्गजों के अनुभव और युवाओं की ऊर्जा पर संगठन दांव

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आगामी नगरीय और पंचायत चुनावों से पहले कांग्रेस ने नीमच जिले में बड़ा संगठनात्मक दांव चलते हुए जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी घोषित कर दी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की सहमति के बाद संगठन प्रभारी महासचिव डॉ. संजय कामले द्वारा जारी सूची में जिला अध्यक्ष तरुण बाहेती के नेतृत्व में अनुभवी नेताओं और युवा चेहरों का संतुलित मिश्रण देखने को मिला है।

नई टीम की घोषणा के साथ ही कांग्रेस ने यह संकेत दे दिया है कि पार्टी अब जिले में बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करने और भाजपा के मजबूत गढ़ में नई राजनीतिक जमीन तैयार करने की रणनीति पर काम करेगी। राजनीतिक गलियारों में इस जंबो कार्यकारिणी को आगामी चुनावी तैयारियों से जोड़कर देखा जा रहा है।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष तरुण बाहेती की टीम में संगठन महासचिव के रूप में ब्रजेश मित्तल और कोषाध्यक्ष के रूप में ब्रजेश सक्सेना को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं 10 उपाध्यक्ष, 15 महासचिव और 20 सचिव बनाकर संगठन का बड़ा ढांचा तैयार किया गया है। उपाध्यक्ष पद पर महेश पाटीदार एडवोकेट, श्रीनिवास डबकरा, मुकेश कालरा, चंद्रशेखर पालीवाल, रामप्रसाद कसेरा, गोविन्दसिंह सांडा, शांतिलाल झाड़ोतिया, मनीष जैन, भारतसिंह सिसोदिया और मुन्ना दुर्रानी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं महासचिव पद पर महेंद्र उपाध्याय, मोहनसिंह जाट, सुरेश धनगर, नखरा सागर कछावा, रणजीतसिंह बबली तंवर, मनोहर गुर्जर, लता मनीष पोरवाल, राजेश गरासिया सहित कई सक्रिय नेताओं को शामिल किया गया है।

इसके अलावा संगठन में सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन साधने की कोशिश भी स्पष्ट नजर आई। महिला, अल्पसंख्यक, अनुसूचित जाति, आदिवासी और युवा वर्ग से जुड़े चेहरों को प्रमुख जिम्मेदारियां देकर कांग्रेस ने हर वर्ग तक पहुंच मजबूत करने का संदेश दिया है।

पूर्व सांसद-विधायकों को भी जोड़ा, अनुभव पर भरोसा-

नई कार्यकारिणी के साथ जिला अध्यक्ष तरुण बाहेती ने 35 वरिष्ठ नेताओं को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया है। इनमें पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, पूर्व मंत्री नरेंद्र नाहटा, पूर्व विधायक डॉ. सम्पतस्वरूप जाजू, चुन्नीलाल धाकड़, नंदकिशोर पटेल, लोकसभा प्रत्याशी दिलीप गुर्जर और विधानसभा प्रत्याशी सत्यनारायण पाटीदार जैसे बड़े नाम शामिल हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि कांग्रेस ने अनुभवी नेताओं को साथ रखकर आंतरिक गुटबाजी को संतुलित करने और संगठन में सामूहिक नेतृत्व की छवि बनाने की कोशिश की है।

41 वरिष्ठ नेताओं को बनाया मार्गदर्शक स्तंभ- कांग्रेस ने बुजुर्ग और लंबे समय से संगठन से जुड़े नेताओं को सम्मान देते हुए 41 सदस्यीय ÷वरिष्ठ मार्गदर्शक स्तंभ÷ भी गठित किया है। इसमें विजयशंकर शर्मा, सुरेश शर्मा, प्रभुलाल चंदेल, गोपाल मूंदड़ा, भोलाभाई पठान और उमरावसिंह राठौर जैसे वरिष्ठ नेताओं को शामिल किया गया है।

इस कदम को पार्टी में पुराने नेताओं की नाराजगी दूर करने और संगठनात्मक अनुभव का लाभ लेने की रणनीति माना जा रहा है।

पिछले 7 दिनों में लगातार सड़क हादसे, 12 लोग घायल

समय पर पहुंची 108 एम्बुलेंस, सभी घायलों को सिविल अस्पताल पहुंचाया

सुसनेर/ गिरिराज बंजारिया/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले सात दिनों के दौरान लगातार सड़क दुर्घटनाएं सामने आई हैं। अलग-अलग स्थानों पर हुए हादसों में कुल 12 लोग घायल हुए हैं। राहत की बात यह रही कि किसी भी दुर्घटना में जनहानि नहीं हुई और न ही कोई बड़ा हादसा सामने आया। सभी घायलों को समय पर 108 एम्बुलेंस सेवा के माध्यम से सिविल अस्पताल पहुंचाकर उपचार उपलब्ध कराया गया। लगातार हो रही दुर्घटनाओं से क्षेत्र में चिंता का माहौल बना हुआ है। जानकारी अनुसार 20 मई को बढ़िया क्षेत्र में सड़क दुर्घटना हुई जिसमें मनोज एवं राजेश घायल हो गए। इसके बाद 23 मई को सेमलखेड़ी जोड़ पर हुए हादसे में श्यामूबाई पति चंदरसिंह, प्रधान पिता चंदरसिंह, लोकेंद्र पिता अर्जुन एवं रोहित पिता तेजालाल घायल हुए। वहीं 24 मई को माहूड़िया के समीप बाइक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में फरदीन पिता आकिब अली एवं सोहेल गंभीर रूप से घायल हो गए। इसी दिन पालड़ा के समीप दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत में राहुल पिता मानसिंह, मानसिंह, द्रोपतीबाई पति गोकुल एवं गोकुल पिता पूरा घायल हो गए।

सभी घटनाओं की सूचना मिलने के बाद 108 एम्बुलेंस मौके पर पहुंची। पैरामेडिकल ऑफिसर डॉ. शहजाद खान द्वारा घायलों को प्राथमिक उपचार देते हुए सिविल अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार अधिकांश घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद भर्ती कर उपचार दिया गया तथा सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। क्षेत्र में लगातार सामने आ रहे सड़क हादसों के पीछे तेज रफ्तार, लापरवाही से वाहन चलाना, ओवरटेक करना एवं यातायात नियमों की अनदेखी मुख्य कारण माने जा रहे हैं। ग्रामीण मार्गों एवं नेशनल हाईवे पर रात के समय तेज गति से वाहन चलने के कारण दुर्घटनाओं की आशंका अधिक बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि वाहन चालक सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं और हेलमेट सहित सुरक्षा नियमों का पालन करें तो कई दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। लोगों ने प्रशासन से दुर्घटना संभावित स्थानों पर संकेतक बोर्ड लगाने, यातायात जांच बढ़ाने एवं रात्रिकालीन गश्त सख्त करने की मांग भी की है।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

गंगा दशहरा पर संतों ने किया शिप्रा पूजन

विश्व कल्याण के लिए हवन में दी आहुतियां- चिंतामन गणेश मंदिर में तीन स्वरूपों के दर्शन-पूजन

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। गंगा दशहरा के अवसर पर सोमवार को उज्जैन में संत-महात्माओं ने शिप्रा नदी का पूजन कर विश्व शांति, मानव कल्याण और सभी के मंगल की कामना की। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती महाराज अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री हरि गिरि महाराज तथा अखाड़ा परिषद अध्यक्ष रविंद्र पुरी महाराज मौजूद रहे।

इसके बाद संतों ने चिंतामन गणेश मंदिर पहुंचकर भगवान गणेश के तीन स्वरूपों श्री चिंतामन गणेश, श्री इच्छामन गणेश और श्री सिद्धिविनायक गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में आयोजित हवन में संतों ने विश्व कल्याण, सुख-समृद्धि और मानवता के मंगल के लिए आहुतियां दीं।

शंकराचार्य स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि गंगा दशहरा सनातन परंपरा का अत्यंत महत्वपूर्ण पर्व है। इसी दिन मां गंगा पृथ्वी पर अवतरित हुई थीं। हरि गिरि महाराज ने कहा कि यह पर्व आध्यात्मिक शुद्धि का प्रतीक है और गंगा स्नान से दस प्रकार के पापों का नाश होता है। वहीं महंत रविंद्र पुरी महाराज ने श्रद्धापूर्वक गंगा आराधना और स्नान के महत्व पर प्रकाश डाला।

जूना अखाड़ा के वरिष्ठ अध्यक्ष श्रीमहंत प्रेम गिरि महाराज ने कहा कि गंगा दशहरा पर स्नान और दान का विशेष पुण्य प्राप्त होता है। श्रीमहंत मोहन भारती महाराज ने इसे जीवन में सुख-समृद्धि लाने वाला पर्व बताया।

गंगा दशहरा का बताया महत्व - जूना अखाड़ा के महंत नारायण गिरि महाराज ने बताया कि ज्येष्ठ शुक्ल दशमी को मनाया जाने वाला गंगा दशहरा मां गंगा के पृथ्वी पर अवतरण का पर्व है। इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने से व्यक्ति के ज्ञात-अज्ञात पापों का नाश होता है। दशहरा नाम भी दस प्रकार के पापों के हरण से जुड़ा हुआ है।

चिंतामन गणेश मंदिर की महिमा भी बताई - महंत नारायण गिरि महाराज ने कहा कि चिंतामन गणेश मंदिर में भगवान गणेश के तीन स्वरूप एक साथ विराजमान हैं। मान्यता है कि त्रेतायुग में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण वनवास के दौरान यहां आए थे तथा तीनों ने अलग-अलग स्वरूपों की पूजा-अर्चना की थी। इसी कारण यह मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

कार्यक्रम में जूना अखाड़ा, किन्नर अखाड़ा तथा विभिन्न अखाड़ों और मठों से जुड़े अनेक संत-महात्मा, महामंडलेश्वर, महंत, साध्वी एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चेकिंग देख आभूषणों का बैग फेककर भाग निकले बदमाश

शिवधाम कॉलोनी में दो मकान में हुई थी चोरी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। दिनदहाड़े दो मकान का ताला तोड़कर भाग रहे कंजर गिरोह के बदमाशों को पुलिस ने चेकिंग में पकड़ने का प्रयास किया लेकिन दोनों भाग निकले इस दौरान एक मकान से हुई चोरी के आभूषण का बैग बदमाशों ने फेक दिया था जिसे पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस ने बदमाशों की पहचान कर ली है जिनकी तलाश में दबिश जा रही है।

नागिनी थाना क्षेत्र की शिवधाम कॉलोनी में दिनदहाड़े प्रशांति धाम कॉलेज के प्रोफेसर अजहरुद्दीन सिद्दीकी और उनके घर के समीप रहने वाले राम सहारे के यहां चोरी की वारदात हो गई थी। बदमाशों ने ताले तोड़कर आभूषण और नगदी चोरी किए थे। वारदात के समय दोनों मकान सुने पड़े थे। वहीं दोपहर में पुलिस वाहन चेकिंग कर रही थी इस दौरान बाइक पर सवार दो व्यक्तियों को रोकने का प्रयास किया गया दोनों ने भागने की कोशिश की पुलिस ने पकड़ने के लिए दौड़ लगाई तो पीछे बैठे एक बदमाश ने बैग फेंक दिया और भाग निकले। पुलिस ने बैग देखा तो उसमें चांदी के कुछ आभूषण भरे हुए थे। पुलिस ने जान शुरू की तो शाम को पता चला कि शिव धाम कॉलोनी में दो मकान के बदमाशों ने ताले तोड़े हैं। आभूषण का बैग मिलने पर पुलिस ने दोनों परिवारों को बुलाया गया। आभूषण की पहचान राम सहारे द्वारा कर ली गई। बदमाशों ने उनके घर से चोरी किए थे। थाना प्रभारी कमल निगवाल बताया कि अजहरुद्दीन सिद्दीकी के यहां जांच के दौरान सामने आया कि बदमाशों ने 30 हजार रुपए और 7 से 8 लाख रुपए के आभूषण चोरी किए हैं। राम सहारे के यहां चोरी करने वालों ने ही अजहरुद्दीन सिद्दीकी के मकान में भी चोरी की थी। चेकिंग में भागे बदमाशों की पहचान शुरू की, जो कंजर गिरोह के होना सामने आए हैं। बदमाशों के भागने वाले रूट को ट्रेस किया जा रहा है दोनों की पहचान कर ली गई है जल्द ही गिरफ्तार कर अजहरुद्दीन सिद्दीकी के यहां के आभूषण बरामद करने का प्रयास किया जाएगा।

चिमनगंज थाने का घेराव, दो पुलिसकर्मी लाइन अटैच

आरोपी के नहीं मिलने पर चाचा और भाई के साथ हुई थी मारपीट

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। आरोपी के नहीं मिलने पर चाचा और भाई से मारपीट के मामले में सोमवार सुबह तूल पकड़ लिया। चिमनगंज थाने का घेराव हुआ तो मारपीट करने वाले दो पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच कर दिया गया।

आगर रोड स्थित शहीद नगर में रविवार देर रात पवन डागर और प्रकाश सिंह के बीच मामूली बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने पर दोनों पक्षों में मारपीट हुई। प्रकाश सिंह ने चिमनगंज थाने में पवन डागर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस पवन डागर को पकड़ने उसके घर पहुंची, लेकिन वह वहां नहीं मिला। इसके बाद पुलिसकर्मियों ने पवन के चाचा योगेश डागर और छोटे भाई दीपेश डागर के साथ बेरहमी से मारपीट की। परिजनों का आरोप है कि बीच-बचाव करने पहुंचीं महिलाओं के साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट की गई। बाद में पुलिस दोनों को थाने ले आई और हिरासत में रखा। सुबह कांग्रेस शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी, नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष रवि राय और बड़ी संख्या में परिजन थाने पहुंच गए। सभी ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस शहर अध्यक्ष मुकेश भाटी ने आरोप लगाया कि विवाद में कार्रवाई करना पुलिस का अधिकार है, लेकिन पीएचई कर्मचारी योगेश डागर के साथ जिस तरह मारपीट की गई, उससे उसके हाथ-पैर में गंभीर चोटें आई हैं। थाने का घेराव होने की खबर मिलते ही सीएसपी पुष्पा प्रजापति चिमनगंज थाने पहुंची। उन्होंने निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया और मामले से पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा को अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक द्वारा दो पुलिसकर्मियों अभिषेक राठौर और जगदीश गेहलोत को लाइन अटैच कर दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। वही हिरासत में लिए गए योगेश डगर को भी छोड़ दिया गया।

ब्रिज के काम में सुस्ती... संभाग आयुक्त ने लगाई एजेंसी पर 5 लाख की पेनल्टी

संभागायुक्त ने कहा, बारिश से पहले पूरा करें फाउंडेशन का काम, मशीनें नहीं बढ़ाई तो होगी बड़ी कार्रवाई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में शामिल हरिफाटक रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण कार्य सुस्त रफ्तार से चलते मिलने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपना लिया है। सोमवार को मौके पर पहुंचे संभागायुक्त ने निर्माण कार्य की सुस्त रफ्तार पर नाराजगी जताते हुए निर्माण एजेंसी पर 5 लाख रुपए की पेनल्टी लगाई।

संभाग आयुक्त आशीष सिंह ने निरीक्षण के दौरान पाया की ब्रिज निर्माण के लिए अब तक केवल 21 पाइल का काम ही पूरा हो पाया है, जबकि परियोजना की गति अपेक्षित स्तर से काफी पीछे है। सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजन को देखते हुए यह परियोजना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। धीमी प्रगति देखकर संभागायुक्त ने साफ शब्दों में कहा कि यदि निर्माण एजेंसी ने अतिरिक्त मशीनें और संसाधन लगाकर काम की रफ्तार नहीं बढ़ाई तो भविष्य में इससे भी बड़ी पेनल्टी और कड़ी कार्रवाई की जाएगी। संभागायुक्त ने निर्माण एजेंसी रवि इंफ्राविल्ड प्रोजेक्ट लिमिटेड, राजस्थान को निर्देश दिए कि बारिश शुरू होने से पहले ब्रिज के पूरे फाउंडेशन का कार्य हर हाल में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान निर्माण कार्य प्रभावित हो सकता है, इसलिए समय रहते सभी आधारभूत कार्य समाप्त करना जरूरी है। निरीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि कुछ निगम संरचनाएं परियोजना में बाधा बन रही हैं। इस पर संभागायुक्त ने नगर निगम प्रशासन को निर्देश दिए कि नियमानुसार बाधक संरचनाओं को शीघ्र हटाकर निर्माण कार्य के लिए रास्ता साफ किया जाए, ताकि परियोजना में किसी प्रकार की देरी न हो।

इसके बाद संभागायुक्त ने सिंहस्थ बायपास फोरलेन परियोजना और शिप्रा नदी पर बन रहे पुल का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि पुल निर्माण में अब तक 19 पाइल का कार्य पूरा किया जा चुका है। संभागायुक्त ने शेष पाइल कार्य 10 जून तक पूरा करने के निर्देश दिए।सिंहस्थ बायपास फोरलेन मार्ग चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण करते हुए उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता भी जांची। अधिकारियों, इंजीनियरों और निर्माण एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि कार्य में मानक गुणवत्ता की सामग्री ही उपयोग की जाए तथा नियमित रूप से गुणवत्ता परीक्षण कराया जाए।

गंगा दशहरा के पावन अवसर पर भव्य आयोजन किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सोमवार को गंगा दशहरा पर जनपद पंचायत बडनगर क्षेत्र की समस्त ग्राम पंचायतों में गंगा कलश यात्रा एवं जल स्त्रोत पूजन कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गोवर्धन मालवीय ने जानकारी देते हुए बताया कि शासन की मंशा के अनुरूप जल स्त्रोतों के पुनरुद्धार, पुरानी जल संरचनाओं की सफाई, स्वच्छता एवं गहरीकरण का कार्य जन-सहभागिता से किया जा रहा है। इसी क्रम में गंगा दशहरा पर्व को जल संवर्धन का प्रतीक बनाते हुए आज समस्त ग्राम पंचायतों में जल कलश यात्रा निकाली गई तथा जल स्त्रोतों का पूजन कर जल संरक्षण अभियान की औपचारिक शुरुआत की गई। जन अभियान परिषद की प्रस्तुत समितियों के माध्यम से ग्रामीणों को जल संवर्धन के प्रति प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया गया। ग्राम गुलाबखेडी में विधायक श्री जीतेन्द्र सिंह पंड्या, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि श्री उमराव सिंह राठौड़, जनपद सदस्य श्री लाखन सिंह एवं अन्य जनप्रतिनिधियों ने मनरेगा से निर्मित अमृत सरोवर तालाब का पूजन किया। ग्राम सूराखेडी में जन-सहभागिता से चल रहे तालाब गहरीकरण कार्य का अवलोकन भी किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुऐ विधायक श्री जितेन्द्र सिंह पंड्या ने ग्रामीणों से अपील की कि जल की महत्वता को समझते हुए सभी को जल संरचनाओं (तालाब, बावड़ी, कुआं आदि) को संरक्षित करे।

एनसीसी कैडेट्स ने राइफल थामी, निशाना साधा

प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन प्वाइंट-22 राइफल चलाने का लिया प्रशिक्षण, मैप रीडिंग और डीएसटी की बारीकियां भी सीखीं

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय स्थित स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी परिसर में चल रहे 10 दिवसीय एनसीसी संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन सोमवार को छात्रसैनिकों का उत्साह फायरिंग रेंज पर देखने को मिला। कैडेट्स ने प्वाइंट-22 राइफल से फायरिंग का अभ्यास करते हुए निशानेबाजी के गुर सीखे और हथियार संचालन की तकनीकी जानकारियां प्राप्त कीं।

प्रशिक्षण के दौरान विश्वविद्यालय परिसर की फायरिंग रेंज पर कैडेट्स ने अनुशासन और सुरक्षा नियमों का पालन करते हुए राइफल शूटिंग का अभ्यास किया। प्रशिक्षकों ने उन्हें राइफल की संरचना, उपयोग और फायरिंग के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से बताया। कैडेट्स ने बेहतर निशाना लगाने के लिए लगातार अभ्यास किया और अपने कौशल को निखारा। शिविर में केवल फायरिंग प्रशिक्षण ही नहीं, बल्कि शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी मार्गदर्शन दिया गया। छात्रसैनिकों ने डीएसटी (ड्रिल एवं सैन्य प्रशिक्षण) की प्रक्रिया का अभ्यास किया तथा मैप रीडिंग सत्र में कार्डिनल प्वाइंट्स और नॉर्थ की दिशा पहचानने की तकनीकों को समझा। इस अवसर पर शिविर कमांडेंट लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव थापा ने विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने कैडेट्स से संवाद कर प्रशिक्षण की गुणवत्ता का आकलन किया और उन्हें अनुशासन, नेतृत्व क्षमता तथा राष्ट्रसेवा की भावना के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। शिविर में कैडेट्स पूरे उत्साह के साथ सैन्य प्रशिक्षण की बारीकियां सीख रहे हैं।

शिप्रा तीर्थ परिक्रमा... पहले दिन हजारों श्रद्धालु हुए शामिल

रामघाट से यात्रा शाम को दत्त अखाड़ा पहुंची- आज मुख्यमंत्री करेंगे 351 फीट चुनरी अर्पित

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत सोमवार को शुरू हुई शिप्रा तीर्थ परिक्रमा यात्रा का पहला दिन धार्मिक आस्था, जनसहभागिता और पर्यावरण जागरूकता के संदेश के साथ संपन्न हुआ। रामघाट से प्रारंभ हुई यात्रा में हजारों श्रद्धालु शामिल हुए और दिनभर विभिन्न धार्मिक एवं पौराणिक स्थलों पर दर्शन-पूजन करते हुए शिप्रा नदी संरक्षण का संकल्प लिया।

शिप्रा लोक संस्कृति समिति के संयोजन में आयोजित यात्रा रामघाट से निकलकर नृसिंह घाट, कर्कराज मंदिर, वेधशाला, महामृत्युंजय द्वार, प्रशांतिधाम सहित कई प्रमुख तीर्थ स्थलों से होकर गुजरी। श्रद्धालुओं का जगह-जगह स्वागत किया गया। यात्रा का प्रथम दिवस दत्त अखाड़ा पहुंचकर संपन्न हुआ, जहां रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई। यात्रा के शुभारंभ अवसर पर प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल, राज्यसभा सांसद संत उमेशनाथ महाराज, महापौर मुकेश टटवाल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, संत-महात्मा और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। पूरे मार्ग में भक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

भजन, हरिकथा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बांधा समां- दत्त अखाड़ा में शाम को आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भजन, हरिकथा और लोक-सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। इंदौर की श्रेया शुक्ला और जबलपुर के संजीव बघेल ने प्रस्तुति दी, जबकि हरिकथाकार पं. हेली बुचा ने कथा वाचन किया।

पर्यावरण और विरासत संरक्षण का भी दिया संदेश- यात्रा के दौरान पर्यावरण संरक्षण और जल संवर्धन को लेकर विशेष गतिविधियां आयोजित की गईं। पुरातत्व विशेषज्ञ डॉ. रवि सोलंकी के नेतृत्व में एक दल ने शिप्रा नदी से जुड़े ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्व का अध्ययन किया, वहीं पर्यावरण दल ने पौधरोपण और जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया।

आज होगा मुख्य आयोजन - दो दिवसीय यात्रा का समापन आज मंगलवार को गंगा दशमी महोत्सव के साथ होगा। मुख्यमंत्री मोहन यादव रामघाट पहुंचकर मां शिप्रा का पूजन-अर्चन करेंगे तथा 351 फीट लंबी चुनरी अर्पित करेंगे। आयोजन को लेकर प्रशासन ने सुरक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल और स्वच्छता के व्यापक इंतजाम किए हैं।

रीवा हादसे के विरोध में सड़क पर उतरा जैन समाज, मौन रैली निकालकर सौंपा ज्ञापन

दो साध्वियों की मौत से आक्रोशित समाज ने निष्पक्ष जांच और दोषी चालक को कड़ी सजा देने की मांग की

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रीवा में सड़क हादसे में दो जैन साध्वियों की दर्दनाक मौत के विरोध में सोमवार को उज्जैन का जैन समाज सड़क पर उतर आया। समाजजनों ने शांतिपूर्ण तरीके से मौन रैली निकालकर अपना विरोध दर्ज कराया और प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर घटना की निष्पक्ष जांच तथा दोषी चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

सोमवार सुबह फ्रीगंज स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर से बड़ी संख्या में समाजजन मौन जुलूस के रूप में निकले। पुरुष सफेद वस्त्रों में और महिलाएं केसरिया वस्त्रों में शामिल हुईं। पूरे मार्ग में समाजजन मौन रहकर श्रद्धांजलि और विरोध का संदेश देते रहे। रैली टॉवर चौक पहुंची, जहां प्रशासन के नाम ज्ञापन सौंपा गया। मौन रैली में जैन मुनि डॉ. मुक्तिसागर एवं डॉ. संयमरत्न विजय महाराज की विशेष उपस्थिति रही। समाजजनों ने कहा कि रीवा में विहार कर रही साध्वियों को वाहन चालक द्वारा कुचल दिए जाने की घटना अत्यंत दुखद और निंदनीय है। ऐसे हादसे लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे जैन समाज में गहरा आक्रोश है। समाज की ओर से एसडीएम एल.एन. गर्ग को सौंपे गए ज्ञापन में मांग की गई कि मामले की निष्पक्ष एवं त्वरित जांच कर दोषी चालक को कठोर सजा दी जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ज्ञापन में साधु-साध्वियों के विहार मार्गों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की भी मांग उठाई गई। रैली में सकल जैन समाज के अलावा शहर कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश भाटी, पूर्व विधायक पारस जैन सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। समाजजनों ने कहा कि यह केवल जैन समाज का नहीं, बल्कि मानवता और धार्मिक आस्था से जुड़ा विषय है। प्रशासन को इस मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

दो बच्चों की मां ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार सुबह महिला ने जहर खा लिया परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे जहां उपचार के दौरान शाम को मौत हो गई। सोमवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है फिलहाल महिला द्वारा उठाए गए कदम की वजह सामने नहीं आ पाई है। माधव नगर थाना क्षेत्र के मक्सी रोड स्थित अंजू श्री कॉलोनी में रहने वाली सोनू पति जितेंद्र तोमर 30 साल को परिजनों ने उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया था जहां उपचार के दौरान देर शाम सोनू की मौत हो गई। सुबह पोस्टमार्टम के दौरान सामने आया कि सोनू दो बच्चों की मां थी और पति रिक्शा चलाता है। सोनू का मायका खरगोन में है। सूचना मिलने पर मायके पक्ष के लोग भी आज सुबह अस्पताल पहुंच गए थे उन्होंने भी किसी तरह का आरोप प्रत्यारोप नहीं लगाया। ससुराल पक्ष के लोगों का कहना था कि घर में किसी प्रकार का कोई वाद विवाद नहीं था सोनू ने ऐसा कदम क्यों उठाया इसकी वजह पता नहीं है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद ही जहर खाने का कारण सामने आने की बात कही है।

बेसमेंट में जमा इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट में लगी आग

देर रात नई सड़क इलेक्ट्रॉनिक मार्केट में मचा हड़कंप-आधे घंटे की मशक्कत के बाद दमकल ने पाया आग पर काबू

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। नई सड़क स्थित इलेक्ट्रॉनिक कॉम्प्लेक्स में रविवार देर रात उस समय हड़कंप मच गया, जब मार्केट की बेसमेंट में पड़े इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट (ई-वेस्ट) में अचानक आग लग गई। आग लगते ही क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आसपास के व्यापारी और रहवासी तुरंत मौके पर पहुंचे और अपने स्तर पर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया, लेकिन आग तेजी से फैलने लगी।

जानकारी के अनुसार इलेक्ट्रॉनिक मार्केट से निकलने वाला अनुपयोगी इलेक्ट्रॉनिक सामान और कचरा लंबे समय से बेसमेंट की खाली जगह में जमा किया जा रहा था। देर रात अचानक इसी कचरे में आग भड़क उठी। देखते ही देखते धुआं और लपटें उठने लगीं, जिससे आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। आग की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर एकत्र हो गए।

स्थानीय लोगों द्वारा प्रारंभिक प्रयासों के बावजूद आग पर नियंत्रण नहीं हो सका। इसके बाद तत्काल दमकल विभाग को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही दमकल की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। समय रहते आग बुझा लिए जाने से बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी प्रकार की जनहानि या बड़े आर्थिक नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन आग लगने के कारण काफी देर तक क्षेत्र में भय और चिंता का माहौल बना रहा। जिस स्थान पर आग लगी, वहां शहर का प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक बाजार संचालित होता है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग खरीदारी के लिए पहुंचते हैं।

खुले में पड़े ई-वेस्ट पर उठे सवाल- घटना के बाद स्थानीय रहवासियों और व्यापारियों ने इलेक्ट्रॉनिक कचरे के निस्तारण की व्यवस्था पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि बाजार से निकलने वाला इलेक्ट्रॉनिक वेस्ट अक्सर खुले स्थानों पर जमा कर दिया जाता है, जिससे आग लगने जैसी घटनाओं का खतरा बना रहता है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि ई-वेस्ट के सुरक्षित संग्रहण और निस्तारण की स्थायी व्यवस्था की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

समय रहते टला बड़ा हादसा- यदि आग समय पर नियंत्रित नहीं होती तो आसपास की दुकानों और प्रतिष्ठानों तक पहुंच सकती थी, जिससे बड़ा नुकसान होने की आशंका थी। दमकल दल की तत्परता और स्थानीय लोगों की सजगता के कारण स्थिति जल्द नियंत्रण में आ गई और एक संभावित बड़े हादसे को टाल दिया गया।

कुख्यात बदमाश ने खरगोन से खरीदा था कट्टा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। फर्जी गोलीकांड में फरार 10 हजार के इनामी कुख्यात बदमाश रौनक गुर्जर को 40 दिन बाद पुलिस ने जिंदा कारतूस और देशी कट्टे के साथ हिरासत में लिया था। जिससे रिमांड पर पूछताछ की गई। उसने कट्टा खरगोन से खरीदना बताया। सोमवार को रिमांड खत्म होने पर बदमाश को जेल भेजा गया है। चिमनगंज थाना एसआई आर.आर. चौहान ने बताया कि ढांचा भवन में 12 अप्रैल की रात फर्जी गोलीकांड में अतिक माहूरकर घायल हुआ था। जिसने पूछताछ में गोली मारने का आरोप आला बाथम पर लगाया था, लेकिन जांच में पूरा मामला झूठा साबित हुआ था और गोलीकांड का षडयंत्र कुख्यात बदमाश रौनक गुर्जर की साजिश होना सामने आया था। जिसकी गिरफ्तारी पर 10 हजार का इनाम घोषित किया गया था। 40 दिन बाद हिरासत में आने पर बदमाश के पास से देशी कट्टा और जिंदा कारतूस मिला था। अवैध हथियार का पता लगाने के लिये रौनक गुर्जर को न्यायालय में पेश कर 2 दिनों की पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस दौरान सामने आया कि देशी कट्टा खरगोन से खरीदा गया था। पुलिस ने खरगोन में कट्टा और कारतूस उपलब्ध कराने वाले की तलाश की लेकिन जानकारी स्पष्ट नहीं हो पाई है। बदमाश रौनक का सोमवार को रिमांड खत्म होने पर उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया।